हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

29 सितम्बर, 2004

खण्ड–3, अंक–1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 29 सितम्बर, 2004

पृश्ठ संख्या

शोक प्रस्ताव	(1)1
ताराकित प्र ान एवम उतर	(1)8
नियमो 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तरांकित प्र नो के लिखित उतर	(1)26

घोशणाए	(1)41
(क) उपाध्यक्ष द्वारा,	(1)41
(i) चेयरपर्सन्स के नामो की सूची	(1)41
(ii) याचिका समिति	(1)41
(ख) अध्यक्ष द्वारा,	(1)42
(i) सदस्यो के त्यागपत्र	(1)42
(ग) सचिव द्वारा	(1)42
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव तथा उस पर वक्तव्य	(1)43
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव/सिगन प्रस्तावो की सूचनांए	(1)43
बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी का पहली रिपोर्ट पे ा करना	(1)45
वाक आउट	(1)50
बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी का पहली रिपोर्ट पे ा करना (पुनरारम्भ)	(1)51
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	(1)56
नियम 16 के अधिन प्रस्ताव	(1)56

सदन की मेज पर रखे गए/पुन रखे गए कागज पत्र (पुनरारम्भ)	(1)56
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव तथा उस पर वक्तव्य (पुनरारम्भ)	(1)59
वि ोशाधिकार मामलों के सबंध मे वि ोशाधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढाना	(1)59′
(i) श्री जय प्रकाश बरवाला एम.एल.ए. के विरूद्ध	(1)59′
(ii) श्री कर्ण सिंह दलाल एम.एल.ए. के विरूद्ध	(1)60
(iii) कैप्टल अजय सिंह यादय, श्री धर्मबीर सिंह तथा श्री जगजीत सिंह सांगवान, एम.एल.एज. के विरूद्ध	(1)61
(iv) श्री रघुवीर सिंह कादयान एम.एल.ए. के विरूद्ध	(1)62
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव तथा उस पर वक्तव्य (पुनरारम्भ)	(1)63
विधान कार्य	(1)78
1. दि हरियाणा भूगरकेन (रैगुले ान आफ परचेज एड सप्लाई) हरियाणा अमैडमैट, बिल, 2004	(1)78
2. दि हरियाणा म्यूनिसिपल (हरियाणा अमैडमैट) बिल, 2004	(1)80

3. दि कुरूक्षेत्र भाराईन बिल, 2002	(1)83
4. दि हरियाणा म्यूनिसिपल कार्पोरे ान (सैकण्ड अमैडमैट) बिल, 2004	(1)85
5. दि हरियाणा पचायंती राज (सैकण्ड अमैडमैट) बिल, 2004	(1)86
व्यैक्तिक स्पश्टीकरण	(1)94
डा0 रघुवीर सिंह कादयान एम.एल.ए. के विरूद्ध	(1)94
दि हरियाणा पचायंती राज (सैकण्ड अमैडमैट) बिल, 2004 (पुनराम्भ)	(1)95
दि हरियाणा पचायंती राज (सैकण्ड अमैडमैट) बिल, 2004 (पुनराम्भ)	(1)105
6. दि पजांब भांाप्स एंड कामर्ि ायल एस्टैब्लि ामैंट (हरियाणा अमैडमैट) बिल, 2004	(1)108
7. दि हरियाणा अर्बन डिवैल्पमैंट अथोरिटी (सैकण्ड अमैडमैट) बिल, 2004	(1)109
8. दि हरियाणा रिलीफ आफ एग्रीकल्चर इन्डैबटैडपनेस (अमैडमैट) बिल, 2004	(1)111

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 29 सितम्बर 2004

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में 2.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादयान) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the Chief Minsiter will make obituary refernces.

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा सारे सदन के सम्मानित सदस्यो को सूचित करना चाहूंगा कि पिछले पिछले अधिवे ान और इस अधिवे ान के बीच मे कुछ राजनेता कुछ समाज सेवी और कुछ दे ा भक्त इस ंसंसार से चल गए है। जिनकी क्षतिपूर्ति नही हो सकती। कई राजेनता, कई समाजसेवी, कई स्वतंत्रता सेनानी तथा कई दे ा भक्त आज हमारे बीच नही रहे। मै आपके माध्यम से उनके प्रति संवेदना प्रकट करने के लिए इस सदन मे भाोक प्रस्ताव प्रस्तुत कर रहा हू।

डा0 राजा रमन्ना, एक प्रतिश्ठित परमाणु वैज्ञानिक एवम भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री

यह सदन प्रतिश्ठित परमाणु वैज्ञानिक एवम भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री डा0 राजा रमन्ना के 24 सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म कर्नाटक के तुमकुर मे 28 जनवरी, 1925 को हुआ। उन्होने ताम्बर्म के मद्रास क्रि चन कालेज से बी0एस0सी0 आनर्स तथा लंदन के किग्ंज कांलेज से डाक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। वे भारत के परणामु परीक्षण भास्त्र कार्यक्रम के ि ाल्पी थे। पोखरन मे मई, 1974 मे किये गये भारत के प्रथम परमाणु परीक्षण मे उनकी मुख्य भूमिका थी। डा0 रमन्ना ने अपने लम्बे एवम सम्माननीय जीवन के दौरान कई महत्वपूर्ण पदो को सु ाोभित किया। वे भाभ परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदे ाक, भारतीय राश्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष, रक्षा अनुसधांन एवम विकास सगंठन के महानिदे ा, नै ानल इंस्टीच्यूट आफ एडवान्स स्टडीज के निदे ाक, परमाणु उर्जा आयोग के चेरयरमैन, रक्षा अनुसंधान विभाग एवम परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव तथा केन्द्र सरकार के वैज्ञानिक सलाहरकार रहे। वे अन्तर्राश्ट्रीय परमाणु ऊर्जा ऐजन्सी, वियना के महानिदे ाक की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के चेयरमैन भी रहे। वे वर्श 1990 मे केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री रहे। वे वर्श 1990 मे राज्य सभा के लिये चुने गये वर्श 1997 मे राज्य सभा के लिये मनोनीत हुए।

विभिन्न क्षेत्रो मे वैज्ञानिक प्रतिभा के पोशण के उद्दे ाय से उन्होने बैगलौर मे नै ानल इस्टीच्यूट आफ एडवान्स

स्टडीज की स्थापना की। उन्हे भाांति स्वरूप भटनागर आवार्ड, पद्मश्री, पद्मभूशण तथा पद्म विभूशण जैसे अनेक वि ाश्ट पुरस्कारो से अलकृत किया गया।

उनके निधन से दे ा प्रतिश्ठित परमाणु वैज्ञानिक एवम और उत्कृश्ट प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

सरकार जागीर सिंह दर्द, भूतपूर्व सांसद तथा सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन भूतपूर्व सांसद तथा सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य सरदार जागीर सिंह दर्द के 2 सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जम्न 16 सितम्बरए 1920 को हुआ। मै वर्श 1957 मे सयुक्त पजाब विधान सभा और वर्श 1967 तथा 1968 मे पजांब विधान सभा के सदस्य चुने गये। ये वर्श 1994 मे राज्य सभा के सदस्य चुने गये। उन्होने गरीबो और समाज के कमजोर वर्गा के उत्थान लिये कार्य किया।

उनके निधन से एक अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौधरी लाजपत राय, सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन भूतपूर्व सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य चौधरी लाजपत राय के 7 सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जम्न 1 जून, 1901 को हुआ। उन्होने स्वतंत्रता आंदोलन मे सक्रिय भाग लिया और वे कई बार जेल गये। वे वर्श 1952 मे सुयक्त पजांब विधान सभा के सदस्य चुने गये। उन्होने किसानो और मजदूरो के उत्थान के लिये संघर्श किया।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

सरदार कुलतार सिंह, स्वतंत्रता सेनानी तथा उतर प्रदे ा के भूतपूर्व राज्य मंत्री

यह सदन स्वतंत्रता सेनानी तथा उतर प्रदे ा के भूतपूर्व राज्य मंत्री सरदार कुलतार सिह के 5 सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जम्न 21 अग्स्त, 1918 को हुआ। उन्होने अपना सरा जीन अपने बडे भाई सरदार भगत सि हके उच्च आद ार्ो के लिए समर्पित किया। उन्होने स्वतंत्रता आंदोलन मे सक्रिय भाग लिया और व कई बार जेल मे रहे। ये वर्श 1974 मे उतर प्रदे ा

विधान सभा के सदस्य चुने गये तथा 1976–77 के दौरान राज्य मंत्री रहे।

उनके निधन से राज्य स्वतत्रंता के एक सच्चे उपासक एवम अनुभवी प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानी

यह उन श्रद्धेय स्वंतत्रता सेनानियों के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है, जिन्होने हमारे दे ा के आजादी के सघंर्श मे अपना बहुमूल्य योगदान दिया है।

इस माहन स्वतंत्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैः

1. श्री धर्म भानू, गांव खानपुर कलां, जिला सोनीपत।

2. श्री भोर सिंह, गांव अमानी, जिला फतेहबाद।

3 श्री पृथ्वी सिंह, गांव भादूआन, जिला फतेहबाद।

4. श्री नानटाराम, गांव काकडौली हुकमी, जिला भिवानी।

5. श्री अमी लाल, गांव दाढीबाना, जिला भिवानी।

6. श्री भूरा सिंह, गांव चांगरोड, जिला भिवानी।

7. श्री भगवान सिंह, गांव चन्देगी, जिला भिवानी।

8 श्री नानकराम, गांव चन्देनी, जिला भिवानी।

9. श्री भयोचंद, गांव ढाणी बुखारी, जिला हिसार।

10. श्री जसवंत राय, बहादुरगढ, जिला झज्जर।

11. डा0 कृश्ण प्रका ा, घरौन्डा, जिला करनाल।

12. श्री बि ान सिह, गांव बाखली, जिला कुरूक्षेत्र

13. श्री रामलाल,गांव भाामगढ जिला करनाल।

14. श्री रो ान लाल, रेवाडी।

15. श्री खेमी राम, गांव फुलवाडी, जिला फरीदाबाद।

16. श्री गोपी चन्द, गांव मसानी, जिला रेवाडी।

17. श्री किरोडीमल, गांव कासनी, जिला भिवानी।

यह सदन इस महान् स्वतंत्रता सेनानियों को भात भात नमन करता है और इनके भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के भाहीद

यह उन वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है, जिन्होने मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए

अदम्य साहस और वीरता से लडते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इस माहन स्वतंत्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार है:

1. उप निरीक्षक सत्यप्रका ा, गाव जीवडा, जिला रेवाडी।

2. सुबेदार सुरेन्द सिंह, गांव चन्देनी, जिला भिवानी।

3. नायब सूबेदार धर्मबीर, गांव चरखी, जिला भिवानी।

4. हवलदार सत्यवीर सिह, गांव सुडाना, जिला रोहतक।

5. हवलदार धर्मबीर सिह, गांव गढी छाज्जू, जिला पानीपत।

6. लांस नायम राजबीर सिह, गांव गढी छाज्जू, जिला पानीपत।

7. सिपाही दयानंद, गांव मोकलवास, जिला गुडगांव।

8. सिपाही राजकुमार, गांव बास पदमका, जिला गुडगांव।

9. सिपाही रमे ा कुमार, गांव लीलाहेडी, जिला झज्जर।

10. सिपाही दिने ा कुमार, गांव आर्यनगर, जिला भिवानी।

11. सिपाही जसवीर सिह , गांव फोगाट, जिला भिवानी।

12. सिपाही कृश्ण कुमार, गाांव रामकली, जिला जीन्द।

13. सिपाही दीपक कुमार, गांव जसीया, जिला रोहतक।

14. सिपाही अनिल, गांव गुमड, जिला सोनीपत।

15. सिपाही चांदवीर, गांव महराणा, जिला झज्जर।

यह सदन इस महान् स्वतंत्रता सेनानियों को भात भात नमन करता है और इनके भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

धेमाजी बम विस्फोट दुर्घटना

यह सदन 15 अगस्त, 2004 को असम के धेमाजी कस्बे मे स्वतत्रंता दिवस समारोह स्थल पर हुए बम विस्फोट मे मारे गए मासूमो के दुखद व असामायिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन ऐसी जपन्य घटना की घोर निंदा करता है तथा दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

कुंभकोणम आग दुर्घटना

यह सदन 16 जुलाई, 2004 को तमिलनाडू के कुंभकोणम भाहर के एक विधालय मे हुए भीशण अग्नि कांण्ड मे मारे गए, मासूमो बच्चो के दुखद व असामायिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन ऐसी जपन्य घटना की घोर निंदा करता है तथा दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

सामान्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष श्री सतबीर सिं कादियान के ससूर, **श्री हरिराम**

मुख्य संसदीय सचिव श्री रामपाल माजरा की ताई, **श्रीमती सुखेदवी** तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री बंता राम की भाभी, **श्रीमती ज्ञान देवी** के दुखद व असामायिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै आपसे अनुरोध करूंगा यदि कोई ऐसा व्यक्ति रह गया हो जो इस सदन के किसी सम्मानित सदस्य

के परिवार से जुडा हुआ हो या कोई और ऐस स्वतन्त्रता सेनानी या भाहीद रह गया हो या तो उसका नाम भी इसमे जोडा जाये।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाडी): अध्यक्ष महोदय, पिछले सत्र और आज के सत्र के बीच मे जो महान साथी यह संसार छोडकर चले गये है उनका उल्लेख परिवादी के अनुसार सदन मे होता है। इस हरियाणा की भूमि पर भगवान श्री कृश्ण ने गीता का उपदे ा दिया था कि आत्मा अमर है लेकिन कर्म प्रधान है जो अच्छे कार्य करता है उसे अच्छे फल मिलते है और जो बुरे कार्य करता है उसका परिणाम बुरा ही होता है। मुख्यमंत्री जी ने जो भाोक प्रस्ताव सदन मे रखा है उसमा मै अनुमोदर करता हू।

अध्यक्ष महोदय, इस भाोक प्रस्तावो मे सबसे पहले प्रतिश्ठित परमाणु वैज्ञानिक एवम भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री डा0 राजा रमन्ना के 24 सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म कर्नाटक के तुमकुर मे 28 जनवरी, 1925 को हुआ। उन्होने ताम्बर्म के मद्रास क्रि चन कालेज से बी0एस0सी0 आनर्स तथा लंदन के किग्ंज कांलेज से डाक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। वे भारत के परणामु परीक्षण भास्त्र कार्यक्रम के ि ाल्पी थे। पोखरन मे मई, 1974 मे किये गये भारत के प्रथम परमाणु परीक्षण मे उनकी मुख्य भूमिका थी। डा0 रमन्ना ने अपने

लम्बे एवम सम्माननीय जीवन के दौरान कई महत्वपूर्ण पदो को सु ाोभित किया। वे भाभ परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदे ाक, भारतीय राश्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष, रक्षा अनुसधांन एवम विकास सगंठन के महानिदे ा, नै ानल इंस्टीच्यूट आफ एडवान्स स्टडीज के निदे ाक, परमाणु उर्जा आयोग के चेरयरमैन, रक्षा अनुसंधान विभाग एवम परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव तथा केन्द्र सरकार के वैज्ञानिक सलाहरकार रहे। वे अन्तर्राश्ट्रीय परमाणु ऊर्जा ऐजन्सी, वियना के महानिदे ाक की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के चेयरमैन भी रहे। वे वर्श 1990 मे केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री रहे। वे वर्श 1990 मे राज्य सभा के लिये चुने गये वर्श 1997 मे राज्य सभा के लिये मनोनीत हुए।

विभिन्न क्षेत्रो मे वैज्ञानिक प्रतिभा के पोशण के उद्दे ाय से उन्होने बैगलौर मे नै ानल इस्टीच्यूट आफ एडवान्स स्टडीज की स्थापना की। उन्हे भाांति स्वरूप भटनागर आवार्ड, पद्मश्री, पद्मभूशण तथा पद्म विभूशण जैसे अनेक वि ाश्ट पुरस्कारो से अलकृत किया गया।

उनके निधन से दे ा प्रतिश्ठित परमाणु वैज्ञानिक एवम और उत्कृश्ट प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। अतः मै अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, भूतपूर्व सांसद तथा सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य सरदार जागीर सिंह दर्द के 2 सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जम्न 16 सितम्बरए 1920 को हुआ। मै वर्श 1957 मे सयुक्त पजाब विधान सभा और वर्श 1967 तथा 1968 मे पजांब विधान सभा के सदस्य चुने गये। ये वर्श 1994 मे राज्य सभा के सदस्य चुने गये। उन्होने गरीबो और समाज के कमजोर वर्गा के उत्थान लिये कार्य किया।

उनके निधन से एक अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। अतः मै अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ सै दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ सै भूतपूर्व सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य चौधरी लाजपत राय के 7 सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। अतः मै अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ सै दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ सै स्वतंत्रता सेनानी तथा उतर प्रदे ा के भूतपूर्व राज्य मंत्री सरदार कुलतार सिह के 5 सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनके निधन से राज्य स्वतत्रंता के एक सच्चे उपासक एवम अनुभवी प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। अतः मै अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ सै दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ सैयह उन श्रद्धेय स्वंतत्रता सेनानियों के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है, जिन्होने हमारे दे ा के आजादी के सघंर्श मे अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो नाम पढे है उनमे एक नाम पडित रो ान लाल का रह गया है, अतः मेरा अनुरोध है कि इन भाोक प्रस्तावों मे पं0 रो ान लाल का नाम भी भाामिल कर लिया जाये।

अतः मै अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ सै से दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से उन वीर सैनिको को अपना य अश्रुपूर्ण नमन करता है,

जिन्होने मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता से लडते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इस माहन स्वतंत्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैः

1. उप निरीक्षक सत्यप्रका ा, गाव जीवडा, जिला रेवाडी।

2. सुबेदार सुरेन्द सिंह, गांव चन्देनी, जिला भिवानी।

3. नायब सूबेदार धर्मबीर, गांव चरखी, जिला भिवानी।

4. हवलदार सत्यवीर सिह, गांव सुडाना, जिला रोहतक।

5. हवलदार धर्मबीर सिह, गांव गढी छाज्जू, जिला पानीपत।

6. लांस नायम राजबीर सिह, गांव गढी छाज्जू, जिला पानीपत।

7. सिपाही दयानंद, गांव मोकलवास, जिला गुडगांव।

8. सिपाही राजकुमार, गांव बास पदमका, जिला गुडगांव।

9. सिपाही रमे ा कुमार, गांव लीलाहेडी, जिला झज्जर।

10. सिपाही दिने ा कुमार, गांव आर्यनगर, जिला भिवानी।

11. सिपाही जसवीर सिह , गांव फोगाट, जिला भिवानी।

12. सिपाही कृश्ण कुमार, गाांव रामकली, जिला जीन्द।

13. सिपाही दीपक कुमार, गांव जसीया, जिला रोहतक।

14. सिपाही अनिल, गांव गुमड, जिला सोनीपत।

15. सिपाही चांदवीर, गांव महराणा, जिला झज्जर।

यह सदन इस महान् स्वतंत्रता सेनानियों को भात भात नमन करता है और इनके भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है। अध्यक्ष महोदय, 15 अगस्त, 2004 को असम के धेमाजी कस्बे मे स्वतत्रंता दिवस समारोह स्थल पर हुए बम विस्फोट मे मारे गए मासूमो के दुखद व असामायिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। यह सदन ऐसी जपन्य घटना की घोर निंदा करता है तथा दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है। यह सदन 16 जुलाई, 2004 को तमिलनाडू के कुंभकोणम भाहर के एक विधालय मे हुए भीशण अग्नि कांण्ड मे मारे गए, मासूमो बच्चो के दुखद व असामायिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। अतः मै अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की

तरफ सै ऐसी जपन्य घटना की घोर निंदा करता है तथा दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी ओर से व अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष श्री सतबीर सिं कादियान के ससूर, श्री हरिराम, मुख्य संसदीय सचिव श्री रामपाल माजरा की ताई, श्रीमती सुखेदवी तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री बंता राम की भाभी, श्रीमती **ज्ञान देवी** के दुखद व असामायिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। मै दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, सदन के जो नेता ने जो भाोक प्रस्ताव हाउस मे रखा है और दिवंगत आत्माओ के प्रति विभिन्न पार्टियो के नेताओ ने जो विचार प्रकट किए है, मै भी अपने आपको उनकी भावनाओ के साथ जोडता हू। पिछले सै ान और इस सै ान के बीच मे संसार से हमारे बीच मे बहुत सी हमान विभुतियो चली गई हैै।

सबसे पहले अध्यक्ष महोदय, प्रतिश्ठित परमाणु वैज्ञानिक एवम भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री डा0 राजा रमन्ना के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। वह एक सुप्रशिद्ध वैज्ञानिक वे केन्द्र मे मंत्री थे। उनके योगदान व कार्य को भारत की जनता

सदैव याद करेगी। उनके निधन से दे ा को वि ोशकर विज्ञान के क्षेत्र मे जो कमी हुई है उससे पूरे दे ावासियो को दुख है।

भूतपूर्व सांसद तथा सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य सरदार जागीर सिंह थे उनके निधन से दे ा व खासकर उतरी भारत ने एक अच्छा सामाजिक कार्यकर्ता खो दिया है।

चौधरी लाजपत राय भूतपूर्व सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य थे । उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। उनके निधन से दे ा एक अच्छा सामाजिक कार्यकर्ता खो दिया है।

सरदार कुलतार सिह स्वतंत्रता सेनानी तथा उतर प्रदे ा के भूतपूर्व थे। वह उतर प्रदे ा सरकार मे मंत्री भी रहे। उनके निधन स एक और

सच्चे उपासक एवम अनुभवी प्र ाासक और स्वतंत्रता सेनानी हमारे बीच मे चले गये जिसका हम सबको गहरा दुख है।

इसकी अतिरिक्त जिन स्वतंत्रता सेनानियों के नाम मुख्यमंत्री महोदय ने अपने भाोक प्रस्ताव मे लिये है उन सबके निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। कोई भी दे ा स्वतंत्रता सेनानियों के दिए बलिदान को कभी भूल नही सकता और आज

हम इन्ही स्वतत्रतां सेनानियों द्वारा दी गई कुर्बानियों के कारण आजाद है। इसके अलावा मुझे उन सभी वीर सैनिको के भाहीद होने पर बहुत दुख है जिन सभी के नाम इस हाउस मे आये है। इन्ही भाहीदो की कुर्बानियो से ही आज हम सभी सुरक्षित है किसी भी समाज के कल्याण के लिए भाहीदो कर कुर्बानियो कायोगदान बहुत ही महत्वपूर्ण होता है।

धेमाज बम विस्फोट व कुंभकोणम अग्नि काण्ड ने दे । की जनता को हिलाकर रख दिया। इन दुर्घटना मे मारे गये व्यक्तियों के प्रति यह सदन गहरा दुख प्रकट करता है।

स्दन मे कुछ अन्य प्रतिश्ठित व्यक्तियों श्री हरी राम, श्रीमती सुखदेवी व श्रीमती ज्ञानी देवी जी के निधन के भी भाोक प्रस्ताव आये है। उनमे से कुछ के मै निजी सम्पर्क मे रहा हू। हमे उन सभी के निधन पर गहरा दुखा है।

मै परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्माओ को भाांति प्रदान करने की प्रार्थना करता हू और उन भाोक संतप्त परिवारो तक इस सदन की सवंदेना पहुंचा दी जायेगी। अब मै दिवंगत आत्माओ के सम्मान मे उन्हे श्रद्धाजलि देने के लिए दो मिनट का मौन धारण करने के लिए इस सदन के सभी सदस्यो को खडा होने के लिए अनुरोध करता हू।

(इस समय मे उपस्थित सभी माननीय सदस्यो ने दिवंगतो आत्माओ के सम्मान मे खडे होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

तांराकित प्र ान एवम उतर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल हौगे।

Depieting of Gronud Water Level

1818. Capt. Ajay Singh: Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether the State Government is aware of the fact that ground water level is depleting in the State; if so, the steps taken or proposed to be taken to raise the water level in the State ?

कृशि मंत्री (सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू): जी हां, श्रीमान जी। जो कदम पहलै ही लिए जा चुके तथा प्रस्तावित है उसका विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

भूमिगत जल स्तर की कमी को रोकने तथा जल स्तर को ऊपर उठाने के लिए सरार द्वारा उठाए गए तथा प्रस्तावित कदमो का ब्यौरा निम्न प्रकार से है।

1.सरकार ने माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता मे राज्य जल संसाधन परिशद् का गठन किया है। जल के प्रत्यक्ष या

अप्रत्यक्ष रूप से सबंधित विभाग इसके सदस्य है जिन द्वारा जल का सदुपयोग करने हेतू कार्ययोजनाये बनाई जा रही है।

2. फसल विविधीकरण के अन्तर्गत अधिक पानी वाली फसलो को कम पानी फसलो से बदलने हेतू कार्य बनाया है।

3. भूमिगत जल स्तर की कमी वाले क्षेत्र मे उसको ऊपर उठाने के लिए वर्शा जल भण्डारण की योजनांए कार्यन्वित की जा रही है।

4. सूक्ष्म स्तरीय सिंचाई पर ध्यान दिया जा रहा है। हरियाणा मे जल स्तर के सदुपयोग हेतु 82000 फव्वार संयत्र, 2000 टपका सिंचाई संयन्त्रो की स्थापना की जा चुकी है तथा 90750 मीटर भूमिगत पाइप लाईन बिछाई जा चुकी है।

5. राज्य मे गिरते हुए जल स्तर को ऊपर लाने के लिए सिचाई विभाग ने विभिन्न कदम उठाए है।

6. हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण ने भवन निर्माण की स्वीकति हेतु सभी भवनो जिनकी छत का क्षेत्रफल 100 वर्ग मीटर से अधिक है, के लिए छतो से वर्शा के पानी को एकत्रित करने भू जल स्तर को ऊपर उठाने के लिए सरंचनांए बनाना अनिवार्य कर दिया है।

7. पानी का सदुपयोग करने के लिए जनता को ि ाक्षित करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे है।

कैप्टन अजय सिंह यावव: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि आज हरियाणा प्रदे ा मे 12 जिलो का वाटल लैवल बहुत नीचे चला गया है। अध्यक्ष महोदय, महेन्द्रगढ और गुडगांव मे वाटल लैवल 300 फीट से 700 फीट तक नीचे चला गया है। मंत्री जी आपने अपने जवाब मे दिखाया है कि हरियाणा डिपार्टमैंट ने ग्राउन्ड लैवल को उपर लाने के लिए कई स्टैप्स उठाए है। इस बारे मे मै जानना चाहूंगा कि उन्होने क्या स्टैप्स लिए है मंत्री जी, यह भी बताए कि क्या वाटर मैनेजमैंट के तहत वाटर हारवैस्टिंग के लिए कार्यवाही की गई है, सरकार ने वाटर रि चार्ज करने के लिए क्या कदम उठाए है? इसके अलावा मंत्री जी ने अपने रिप्लाई मे यह भी कहा है कि हुडा ने सभी सरकारी बिल्डिंग, जिनकी छत का एरिया 100 वर्ग मीटर से अधिक है, उसके लिए रेनवाटर हरवैस्टिंग स्ट्रक्चर बनाना अनिवार्य कर दिया है। मै आपके माध्यम से यह पूछना चाहता हू कि गवर्नमैंट की बिल्डिंगज जो ज्यादा जगह घेरती है तो क्या उन पर भी यह लागू होात है। अध्यक्ष महोदय, बरसात के दिनो मे जो पानी जमीन मे चला जाए और वाटर लेवल ऊपर आ जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै यह बताना चाहूगा कि टाऊन्ज मे तालाबो पर जो एन्क्रोचमैट हो रही है जिसकी वजह से वाटर से वाटल लैवल बहुत नीचे जा रहा है इसके बारे मे सरकार ने कोई कदम नही उठाया है। अध्यक्ष महोदय, हमारे एरिये मे ऐसी बहुत दिक्कत है। अध्यक्ष महोदय, दोहान पचीसी का एक ऐसा एरिया है जहां के लोगो ने वाटर लैवल की वजह से पिछले वर्ग चुनावो का

बहिश्कार किया था। क्या सरकार इस बारे मे इरिगे ान के माध्यम से और दूसरे माध्यमो से कोई ऐसा काम करने जा रही है जिसकी वजह से वाटर लैवल ऊपर जा सके।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू: अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने माननीय मुंख्यमंत्री जी की अध्यक्षता की राज्य जल संसाधन परिशद् का गठन किया है। राज्य जल संसाधन परिशद् के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बनी सम्बन्धित विभाग सदस्य है, जिसके द्वारा जल का सदुपयोग करने हेतु कार्य योजनाएं बनाई जा रही है। जैसे फसलो मे डायवर्सीफिके ान करके जो हमारा जीरी का एरिया था उसको बढाने न देना था। स्पिंकलर की वजह से या भूमिगत पाईपलाईन बिछाने की वजह से पानी का कम से कम उपायेग हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, जैसा माननीय कैप्टन साहब ने 100 वर्ग मीटर से अधिक वाली बात पूछी है तो इस बारे मे मै इनको बताना चाहूंगा कि यह सरकारी बिल्डिंगज मे भी लागू होती है। इसके अलावा इन्होने यह भी जानना चाहा है कि भू जल को ऊपर लाने के लिए सरकार क्या कर रही है। अध्यक्ष महोदय, मै इनको बताना चाहूंगा कि मुख्य ड्रैनज से भू जल रि चार्ज के लिए 13 हम्पस पहले ही बनाए जा चुके है। हम टेल्ज पर भी ये हम्परा बनाने का प्रस्ताव रखा है। जिनका विवरण इस प्रकार है अजिना डाइवर्जन ड्रैन से 6.76 किलोमीटर पर रैगुलेटर का हम्पस लगा दिया है, इसके अलावा एक हम्पस जिला फरीदाबाद मे भी है। गांधी मुख्य ड्रैन से आर0डी0 43300 फुट पर रैगुलेटर कम हम्पस

जिला गुडगांव मे लगाया गया है, इन्द्री ड्रैन के आर0डी0 31200 फुट पर जिला करनाल मे लगाया गया है। निर्सिग ड्रैन की 400 फुट पर यह सिस्टम बनाया गया है। नयनारा ड्रैन की आर0डी0 40000 पर जिला सोनीपत मे भी यह हम्पस लगा दिया है, इसके साथ ही नयनारा ड्रैन की आर0डी0 6000 फुट पर जिला सोनीपत मे भी यह बना दिया गया है। स्पीकर सर, ये 13 स्कीमे है। अध्यक्ष महोदय, सबसे बडी बात यह है कि आदरणीय मुख्यमंत्री श्री औमप्रका ा चौटाला जी की अध्यक्षता मे इस प्रदे ा के जितने भी जोहड थे उनकी सभी की खुदवाई करवाई है जो कि पिछले समय की सरकारी के मय मे सिल्ट से भर गए थे। पिछली सरकारों ने इस बारे मे कोई ध्यान नही दिया था। हमारी सरकार ने कोई एक भी ऐसा जोहड नही छोडा है जिसमे ज्यादा नीचे तक खुदवाई करवाकर सफाई न करवाई हो। अध्यक्ष महोदय, हमने काफी एरिया बागवानी के लिए बनवाया है। हमने लोगो को दलहन की, तीलहन की फसलो को बढावा देने के लिए कहा है हमने उनको कहा है कि जीरी को ज्यादा बढावा न दे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से एक तो यह जानना चाहता हू कि भाहरो मे जो पुराने तालाब थे जिनको अब भर दिया गया है तो क्या इस बारे मे कोई कार्यवाही की गयी है ? खास तौर से मेरे एरिया मे एक इसी तरह का तालाब थ। लोगो ने उसको भर दिया था तो इस तरह के तालाबों को प्रोटक ान देने के लिए सरकार

क्या कदम उठा रही है? अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मंत्री महोदय ने क्रांप डायवर्सीफिके ान प्रोग्राम के बारे मे बताते हुए कहा कि जो फसले ज्यादा पानी लेती है जैसे पैडी की फसल है तो इनका एरिया कम करने के बारे मे प्रयास किए जा रहे है ताकि पानी की बचत हो सके। मै आपके माध्यम से उनसे जानना चाहूंगा कि किसान इस तरह की फसल कम बोये इसके लिए कया उनको कोई इंसैटिव देने का विचार क्रौंप डायवर्सीफिके ान प्रोगाम के तहत है या नही? अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से जो ड्रिप इरीगे ान है इसके बारे मे मै जानना चाहूंगा कि ड्रिप इरीगे ान को बढावा देने के लिए कितने केसिज मे किसानों को सबसिडी दी गयी है ताकि किसानो मिनिमम पानी इस्तेमाल किया जा सके?

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, कैप्टन साहब ने क्रोंप डावर्सीफिके ान प्रोग्राम के तहत किसानों को मुआवजा देने के बारे मे जानना चाहा है मै उनको बताना चाहूंगा कि इस तरह का मुआवजा किसानों को देना राज्य सरकार के स्तर पर संभव नही है। यह मुआवजा तो केन्द्र सरकार ही दे सकते है इसलिए हमने केन्द्र सरकार को लिखकर भेजी है कि इसलिए इस मामले से हमारी मदद करे ताकि क्रोंप डावर्सीफिके ान लाने के हम किसानो की मदद कर सके। जहां तक इन्होने ड्रिप इरिगे ान के तहत स्प्रिकलर सैट्स पर सबसिडी देने की बात पूछी है मै इनको बताना चाहूंगा कि हरियाणा इस तरह के 82 हजार सैट्स लगाये गये है। अनुसूचित जाति के किसानों और महिलाओ को

इन पर 33 परसैंट की सबसिडी और जनरल कैटेगरी के किसानों को 25 परसैट सबसिडी सरकार द्वारा दी जा रही है।

श्री अनिल विजः स्पीकर साहब, आज जो पानी का स्तर नीचे गिरने की बात कही जा रही है तो पानी का स्तर गिरन का एक मुख्यकारण यह है कि जो ट्यूबवैल आधारित सिचाई हरियाणा मे हम करनी पड रही है उससे पानी का स्तर नीचे जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, पीछे एक आकडा इस बारे मे प्रकाि ात हुआ था जिसमे बताया गया था कि हरियाणा प्रदे ा मे लगभग एक लाख के करीब विभिन्न स्थानो पर टयूबवैल लगे हुए है। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय को बताना चाहूंगा कि इन ट्यूबवैल की निर्भरता कम करने का एक ही रास्ता है कि हम नहरी पानी प्रदे ा मे लगाए लेकिन कैप्टन साहब सिंह की पार्टी एस0वाई0एल0 कैनाल का पानी हरियाणा मे लाने ही नही दती है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, यह तो सर्वविदित है कि इनकी पार्टी इस कैनाल का पानी हरियाणा मे नही लाने देती। यह किसी न किसी प्रकार इस मामले मे रोडे या अडचन लगाए जा रही है। (विघ्न)

श्री रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, आप हमारी बात सुने।

श्री अध्यक्षः नही नही, कादीयांन साहब, आप बैठिए। (विघ्न) कादियंान साहब, आप बैठे।

श्री रघुबीर सिह कादियानः स्पीकर साहब,.....

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, आप बैठे। इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री रघुबीर सिह कादियानः स्पीकर साहब,.....

श्री अध्यक्षः नही नही, कादीयांन साहब, आप बैठिए। विज साहब, आप कंटीयू करे।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मैने कुछ गलत कहा है। मैने तो यही कहा है कि एस0वाई0एल0 कैनाल का पानी इनकी पार्टी हरियाणा मे लाने नही दे रही है। मैने कोई गलत बात नही की है। यह चिन्ता ठीक ही व्यक्त की गयी है कि हरियाणा प्रदे ा मे पानी का स्तर गिरता जा रहा है और इस गिरते हुए स्तर को दूर करने का एक मात्र उपाय जो है वह केवल यही है कि नहरो के माध्यम से प्रदे ा मे पानी लाकर सिचाई करवायी जाए। एस0वाई0एल0 कैनाल का जो फैसला हमारे हक मे आया है उसका पानी इनकी पार्टी हमारे प्रदे ा मे लाने ही नही दे रही है। मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से प्र ान है कि क्या किसी और साधन से नहरी पानी प्रदे ा मे लाने पर विचार किया जा सकता है ?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदन के सम्मानित सदस्य श्री अनिल विजज का जो प्र ान था उसको अगर गहराई से देखा जाए तो यह बहुत अहम प्र ान है। कांग्रेसी दोस्तो ने भाायद इसको कटाक्ष के रूप मे लिया है। गहराई से अगर आप इसको देखे। तो उनकी सोच और

मं ाा आपकी और कटाक्ष करने की नही थी बल्कि हरियाणा प्रदे ा की जो परिस्थिति है उसके दृश्टिगत सीमित साधनो का सदुपयोग करने इस कृशि प्रधान प्रदे ा के किसान को कैसे राहत पंहुचाई जाए, इस और थी। हमारे पास कोई ऐसे नेचुरल जल प्रपात नही है, कोई ऐसे पहाड नही है जहा सर्दियो मे बर्फ गिरे और गर्मियो मे वह बर्फ पिघलकर हमारे प्रदे ा की भूमि सिचाई कर सके। प्राप्त साधनो मे यहा तो भाखडा नहर का पानी मिलता है या यमुना का पानी मिलता है।

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह दलाल साहब, आप बैठ जाइए। मुख्यमंत्री महोदय प्र ान का रिप्लाई दे रहे है इसलिए आप कार्यवाही मे विघ्न मत डालिये। आप बैठ जाइए और पें ास रखिए। कर्ण सिह दलाल की कोई बात रिकार्ड नही की जाए।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से सम्मानित सदस्य के द्वारा पूछे गए प्र ान का मै उतर दे रहा हू और कुछ ऐसे सदस्य दुर्भाग्य से इन सदन मे आ गए जिनके बारे मे सर्वोच्च न्यायालय ने यह फैसला दे दिया कि उनको वोट डालने का अधिकार भी नही है। (ाोर एवम व्यवधान) जगजीत सिंह, आप भी उसी श्रेणी मे है और इसीलिए इस सम्मानित सदन का समय समय पर ये समय बर्बाद करते है अनर्गल और मिथ्या बाते कह कर के। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, ये टाइम वेस्ट हो रहा है।

श्री अध्यक्षः आप दोनो भी तो टाइम वेस्ट कर रहे है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ये इनकी सोच का विशय नही है। कर्ण सिंह दलाल एक सरकार से मंत्री थी और उससे पहले बडे ही बंलगबांन दावे किया करते थे कि सता मे आने के बाद हम आगरा कैनाल का कंट्रोल अपने हाथ मे लेगे। साढे तीन साल तक ये ट्रेजरी बेचिज मे रहे और मंत्री रहे लेनिक इस बारे मे एक लफज भी नही बोले, मै उन्ही तथ्यो को उजागर करना चाहता हू। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप इन्हे सुनिये।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै उन्ही तथ्यो को उजागर करने जा रहा हू। इनको इस बात की पीडा नही होनी चाहिए जो अनिल विज ने बात कही है। अगर हरियाणा प्रदे ा मे एस0वाई0एल0 नहर समय पर बन जाती तो उससे कितनी भूमि की सिचाई होती, कितनी भूमि रि–चार्ज होती। मै विपक्षी बैचो पर बैठे हुए कांग्रेसी दोस्तो को याद करना चाहूंगा कि .....(ाोर एवम व्यवधान)

(इस समय भारतीय राश्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के कई सदस्य बोलने के लिए खडे हो गए।)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठे जाइए other wise, I will have to take some action . (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप हाउस को थोडा आर्डर मे ले आंए। मै सम्मानित सदस्यों को कहना चाहूंगा कि अपने पद की गरिमा को कायम रखे। (ाोर एवम व्यवधान) कप्तान साहब, आपकी हैसियत मैने नही बिगाडी है, इन्होने बिगाडी है। इन्हे पीडा नही होनी चाहिए। यह रिकार्ड पर आधारित मामला है। अपोजी ान बैचिज पर बैठे हुए कांग्रेसियो ने इसको बिगाडा है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद.....(ाोर एवम व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरी बात तो सुनिए।...

श्री अध्यक्षः कप्तान साहब, आप बैठ जाए, आपकी कोई बात रिकार्ड नही हो रही है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः कैप्टन साहब, मेरा अधिकार है आप जानते नही मै जानकारी दे सकता हू। मेरा अधिकार है, आप इंटरवीन न करे। हम इस मामले पर रो ानी डाल सकते है। इस मामले मे सदन को जानकारी हासिल कराना जरूरी है। अध्यक्ष महोदय, मै दूर मे नही जाना चाहूंगा। सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले के बाद जब पजांब सरकार ने उस नहर का निर्माण नही किया तो हमने सभी विपक्षी दलो की मीटिंग बुलाई थी लेकिन

कांग्रेस के सदस्यों ने उस मीटिंग का बांयकाट किया था। अध्यक्ष महोदय, दूसरी मर्तबा जब सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद जब पजांब सरकार ने उस नहर का निर्माण नही किया। तेा हमने सभी विपक्षी दलो की मीटिंग बुलाई थी लेकिन कांग्रेस के सदस्यों के उस मीटिंग का बायकाट किया था। अध्यक्ष महोदय, दूसरी मर्तबा जब सर्वोच्च न्यायालय मे 4 जून, 2004 को..... (ाोर)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठ जाइये मामला रि चार्ज पानी से ही होता है आप बैठ जाये।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, ...

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर सर.....

श्री अध्यक्षः कोई रिकार्ड न किया जाये। आप बैठ जाइये।

चौ0 भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः कोई रिकार्ड न किया जाये। आप बैठ जाइये।

चौ0 भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः कोई रिकार्ड न किया जाये। आप बैठ जाइये। चौधरी भजन लाल जी, आप बैठ जाये आपको बोलने की इजाजत किसने दी है?

चौ0 भजन लालः अध्यक्ष महोदय,.....

वित मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): अध्यक्ष महोदय, मेरी आप से प्रार्थना है कि अभी हाउस स्टार्ट ही हुआ है परन्तु हाउस की कार्यवाही ठीक तरह से नही चल रही है। कितना पैसा हाउस की कार्यवाही पर खर्च होती है परन्तु विपक्ष के सदस्य सीरियस नही है। आप इनको सीरियस बनाये। माननीय मुख्यमंत्री जी बोल रहे है। अकेले ये ही नही है सुनने के लिए सब को ज्ञान की आव यकात है सब को जानकारी चाहिये, सारे हाउस को जानकारी चाहिये, सभी लोगो को जानकारी चाहिए और जो जानकारी माननीय मुख्यमंत्री जी सदन मे देगे वह जानकारी सारे स्टेट मे जायेगी।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, बैठ जाये, इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः मै जवाब ही नही दे रहा हू बल्कि इस बात से आगाह भी कर रहा हू कि जब पजांब की सरकार ने इस नहर का निर्माण नही किया और केन्द्र मे आपकी सरकार थी आप केन्द्र की सरकार को मजबूर करके उस कानून को निरस्त करा सकते थे। अध्यक्ष महोदय, फिर 4 जून, 2004 को सर्वोच्च न्यायालय ने जब नये सिरे से इस नहर के निर्माण लिए केन्द्र की सरकार को निर्दे ा दिए उसी समय सदन का हमने

अधिवे ान बुलाकर जब सर्वसम्मत रेजोलू ान मूव किया था उसी वक्त कांग्रेस के सदस्य सदन वे वाक आउट करके चले गये थे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, ...

Dr. Raghubir Singh Kadina: Speaker Sir, Under Rule 57 of the Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislatieve Assembly, I demand Hal and hour discussion on this discussion on this topic. (Interruption)

श्री अध्यक्षः इनकी कोई बात रिकार्ड न किया जाए। आप बैठ जाइये। आप मेरे चैम्बर मे आ जाना मै आपको रिकार्ड दिखा दूंगा, यह रिकार्ड तो सदा के लिए रहेगा। बस आप अपने किए हुए पर पछताइये और बैठ जाइये।

चौ0 भजन लालः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः कोई रिकार्ड न किया जाये। आप बैठ जाइये। हाफ एन आवर होने जा रहा है, 25 मिनट हो गये है। आप क्वै चन आवर की इंटरप ान को रोक दीजिए, अपने आप ठीक हो जायेगा। आप बैठ जाये। इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इनको तकलीफ बडी होती है लेकिन ये असलियल को जानने की कोि ा ा करे। मुद्दा एस0वाई0एल0, नहर का और रैली दिल्ली मे करने जा रहे है जेल भरने की बात करने जा रहे है। जेल

भरने की बात करते है। अध्यक्ष महोदय, त्याग पत्र के लिए आपको टेलीफोन करते है चौधरी भजन लाल जी कि हम इस्तीफा देगे। अध्यक्ष महोदय, आप अपना बहुमूल्य समय खर्च करके दफतर मे बैठे और ये इस्तीफा देने भी नही आए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठे, यह मामला चौधरी भजन लाल जी का और मेरा है। मुझे भजन लाल जी ने टेलीफोन किया था कि स्पीकर साहब, आप कहा है, मैने कहा कि मै दिल्ली मे हू। भाई जसविन्द्र जी और अभय सिंह जी भी मेरे साथ थे। इन्होने कहा हम 26–27 एम0एल0एज0 इस्तीफा देना चाहते है। मैने कहा कि मै पैन मे स्याही भरकर अभी चण्डीगढ चलता हू 11. 00बजे मेरे दफतर मे आ जाना मै बाद देखता रहा लेकिन कोई नही आया। भजन लाल जी, आप बताए, मैने आपकी बात को माना या नही माना, आपने टेलीफोन किया या नही किया ?

चौ0 भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपने जो कहा है वही सही है। अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आपने मान लिया है ठीक है तो अब आप बैठिए। (विघ्न) भजन लाल जी की अब कोई बात रिकार्ड न की जाए (ाोर एवम व्यवधान) मै भजन लाल जी के कहने से चण्डीगढ आ गया था, मुझे कांग्रेस पार्टी के प्रैजीडैंट ने कहा था और उनके कहने से मै चण्डीगढ दफतर मे आ गया। (ाोर एवम व्यवधान) मै स्पीकर किसका हुआ, ये आप देख लो। मुझे भजन लाल ने फोन किया और मै तुरत आ गया।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैने भारतीय जनता पार्टी के लोगो ने पूछा कि तुमने ऐसा क्यो किया, वे कहने लगे कि हम इस झूठे के भरोसे फस गए। इन्होने ये बेचारे 6

भाहीद करवा दिए, वे बैंच आज खाली पडे है। आपने तो कुछ करना ही नही था। ये बेचारे गरीब मरवा दिए। आपने अपने आदत ठीक परचाई, इन पर तो अरार नही हुआ, ये तो समझते थे लेकिन वे पंछी फंस गए और पार गए। अध्यक्ष महोदय, इनको एस0वाई0एल. कैनाल की पीडा है। लेकिन मै इनको एक बात कहना चाहूंगा कि ये इस मामले मे सीरियस नही है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप बैठे। कर्ण सिंह दलाल की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री जगजीत सिह सांगवानः सर, यह मामला क्वै चन आवर के बाद ले लिया जाए तो ठीक रहेगा।

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, आप बैठिए, पानी का मामला बहुत ही अहम मामला है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, नहर तो नि चत रू प से बनेगी। एस0वाई0एल0 केनाल हरियाणा की जीवन रेखा है इसलिए यह तो बनेगी। लेकिन आप लोगो की वजह से इसके बनने मे देरी हो गई। यदि आपकी राय होती तो यह बहुत पहले बन सकती थी। (ाोर एवम व्यवधान) आप अपराधियों की श्रेणी मे है। हरियाणा की जनता आपको माफ नही करेगी। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, ...

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह दलाल और कैप्टन साहब आप बैठिए, आप सुनने की हिम्मत रखे, मै आपको वार्न करता हू। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः भजन लाल जी, आप अपनी हैसियत मे रहोगे तो टिकोगे, थोडा सा कंट्रोल मे रही और सदन की गरिमा का ध्यान रखो। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बैठिए। भजन लाल जी की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, मै आपको भी वार्न करता हू कि आप संदन का समय बरबाद न करे, कादियान साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाए। आप बैठ जाए other wise, I will have to take some action . (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी बीमाद आदमी है इसलिए मै इनको ज्यादा परे ाान नही करना चाहूंगा। ये एस0वाई0एल0 कैनाल की बात तो छोडे यह

बात इनके बस की नही है, इन्होने तो सारा खेल ही बिगाड दिया। दादूपुर नलवी नहर स्वर्गीय चौधरी देवी लाल जी के मुख्यमंत्री काल मे भ्रारू की गई थी लेकिन बाद मे चौधरी भजन लाल जी की सरकार आ गई और इन्होने उस नहर का काम कोल्ड स्टोरेज मे रख दिया। कहां गई वो नहर? (विघ्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने कोल्ड स्टोरेज मे नही रखा।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः तो किसने रखा था?

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, प्लीज आप बैठे। आप पहले पूरी बात तो सुन ले।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इन लोगो ने उस नहर की फाईल को उन्हे बस्ते मे रख दिया था। अब हमारी सरकार ने नये सिरे स उस नहर को बनाने का निर्णय लिया है और अक्तूबर के महीने मे उस का काम भ्रारू करने जा रहे है। अध्यक्ष महोदय, मै पूरे सदन को अवगत कराना चाहूंगा कि हमारी सरकार बनने के बाद पांच सालो के अर्से मे 117 नये माइनर और डिस्ट्रिब्यूट्रिया निकाली है। हम पानी की एक एक बूंद को इस्तेमाल करने के पक्षधर है। हमने उन नहरो मे पानी चलाने का काम किया है जो भाखडा सिस्टम से सैहराब होती थी। हम तो बरसात के दिनो मे यमुना नदी का पानी खराब न जाये उसके इस्तेमाल करने के लिए एक नई नहर बनाना चाहते है और उससे

अहीरवाल क्षेत्र की सिचाई करने के पक्षधर है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि कमी कमार जाने अनजाने मे ऐसे लोग सतरा मे आ जाते है जिनके सामने प्रदे ा का हित कुछ नही है। इन लोगो ने प्रदे ा को पूर्ण रूप से बरबाद कर दिया है। ये लोग अपराधियो की श्रेणी मे भुमार है कभी भी हरियाणा की जनता इन लोगो को माफ नही करेगी। हमारी सरकार की सोच यह है कि हम एक एक पानी की बूंद का इस्तेमाल करेगे। (ोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी प्लीज आप बैठे। इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये।

तराकित प्र ान संख्या 1824

यह प्र ान पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री भागीराम जी सदन मे उपस्थित नही थे।

Construction of Community Lavatiory for Women

1825. Abhay Singh Chatuala: & Smt. Vidya Beniwal: Will the Minister be pleased to state-

(a) whether it is fact that community Layatoires for women are being constructed in the State, if so the criteria fixed for the purpose together with expendiuter to be incurred on the construction of a such lavatiories; and

(b) the total number of the lavatories as referred to in part (a) above has been constructed so far in the state.

मुख्य संसदीय (श्री रामपाल माजरा):

(क) जी हां, श्रीमान जी। इस उददे् य के लिए यह मानदण्ड निर्धारित किए गए है कि ग्राम पंचायत 250 से 300 वर्ग गज जमीन बिना मूल्य के उपलब्ध करवाएगी तथा भविश्य मे परिसर की सफाई तथा रखरखाव की जिम्मेदारी लेगी। एक परिसर की अनुमानित कीमत 15000 रूपए है, जिसमे 20 प्रति ात हिस्सा ग्राम पचायत वहन करेगी।

(ख) राज्य मे अब तक 19 महिला परिसरो का निर्माण किया जा चुका है और 57 निर्माणधीन है।

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि जिन ग्राम पचायतो के पास साधन नही है और सुलभ भाौचालय बनवाने के लिए 20 प्रति ात हिस्से के पैसे देने के लिए नही है जिसका कि जिकर मंत्री जी ने किया है तो क्या उन गांवो प्रकार की कठिनाई और दिक्कत न हो?

श्री रामपाल माजरा: स्पीकर सर, मेरे माननीय साथी ने जो प्र ान किया है उसको ध्यान मे रखते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी ने रक्षा बन्धन के दिन 30 अगस्त, 2004 को प्रत्येक गांव मे सुलभ भाोचालय बनाने की स्कीम का भाुभारम्भ किया है। इस स्कीम के तहत राज्य पोल्यू ान कंट्रोल बोर्ड और अन्य अदायरों से पैसा लेकर प्रापधान करेगी कि जहां पर पंचायत के पास 20

प्रति ात पैसा देने के लिए नही है वहां पर भी सरकार इस प्रकारके भौचालय बनायेगी।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी अनुमति से इस सदन को अवगत कराना चाहूंगा कि यह निर्णय सरकार ने बहुत सोच समझकर लिया है। पहले प्रदे ा मे सुलभ भौचालयो के नाम पर इस प्रकार के भौचालये बनाये गये थे कि जिनमे यदि कोई महिला एक दफा भौच के लिए चली जाये तो दोबारा उसमे कोई नही जाता था क्योंकि उनमे साफ सफाई की कोई व्यवस्था नही थी लेकिन अब मौजूदा सरकार ने निर्णय लिया है कि हम इस प्रकार के भौचालय हर गांव मे बनायेगे और खुल्ले मे बनायेगे। उनमे 6–6 फिट की दीवारे चारो तरफ बनायेगे और उसके अंदर 12 भौचालये होगे जिनके दरवाजे भी लगायेगे। इसके अलावा एक महिला भी तनख्वाह पर रखेगे जो इनकी साफ सफाई करेगी और पानी भरेगी। जिन गावों के पास 20 प्रति ात पैसा देने के लिए नही है वहां भी हम ये भौचालये बनवायेगे चाहे हमे किसी और गद मे कटौती करनी पडे। हम महिलाओ को पूरी सुविधांए देगे और उन्हे सम्मानजनक तरीके से जीवन व्यतीत करने का अवसर प्रदान करेगे।

राव दान सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि यह जो स्कीम कम्यूनिटी लैबोट्री की बनायी है यह गांव तक ही सीमित रहेगी या कस्बो मे भी इसका प्रावधान रखा जायेगा? मेरे क्षेत्र के अन्दर 3–4 मौहल्ला के

अन्दर इतना भारी किल्लत है कि वहां पर महिलाओ के लिए लैटरिंग की कोई अच्छी व्यवस्था नही है। मै यह जानना चाहूंगा कि क्या ऐसे कस्बो मे सरकार कोई गौर फरमाया रही है। ताकि महिलाओ को किसी प्रकार की दिक्कत न हो?

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के हर हिस्से मे बडे बडे भाहर है और वहां पर सिवरेज सिस्टम है, सैल्फ भाौचालय है। वहां पर कोई दिक्कत और कठिनाई नही है। जहा पर इस प्रकार की कठिनाई दर पे ा आएगी वहां पर हम एक गांव मे केवल एक भाौचालय ही नही बनाएगे बल्कि अगर कही की ज्यादा आबादी है तो हवां पर अगर कोई भाौचालय बनाने पडेगे तो वह भी सरकार बनाएगी।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद जो आपने मुझे इस सवाल पर सप्लीमैन्ट्री करने का मौका दिया। मै आपके माध्यम से आदरणीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा और जानना चाहूंगा कि सरकार ने स्टेट के अन्दर यह बहुत अच्छी स्कीम लागू की है। कई स्थान ऐसे है जहा पर इस तरह का कोई सिस्टम नही है। मै आपके माध्यम से सारे सदन का ध्यान आकर्शित करना चाहता हू कि फरीदाबाद जो हमारा म्यूनिसिप्ल कारपोरे ान है वह हरियाणा मे अकेला कारपोरे ान है। वहां कई लाख आदमी फ्लोंटिंग पापूले ान के आते है। वहां पर बहुत सारी झुग्गी झोपडी है, रेलवे लाईन है व पार्क आदि है। वहां पर आज हालत यह है कि मलमूत्र की बडी भारी दुर्गन्ध आती

है। वहा पर हुडा की तरफ से सैक्टर 12 मे बहुत अच्छा पार्क डिवैल्प किया है। इस पार्क के चारो तरफ बहुत गन्दगी है। चाहे तो आप किसी सीनियर अधिकारी को भेज कर इस बारे मे पता करवा सकते है। इस पार्क के चारो तरफ कई हजार आदमी जो लेबर के रूप मे गरीब आदमी है वहां टायलेट के लिए बैठ जाते है। मै जानना चाहता हू कि क्या वहां पर कोई ऐसी सुविधा करेगे जिससे उस पार्क की सुन्दरता बनी रहे चाहे इसके लिए आपको सिवरेज डालना पड या लैबोट्री सिस्टम लागू करना पडे? मेरा निवेदन यह है कि इसको गम्भीरता से ले नही तो वहां पर बीमारी फैलेगी। हुडा का 12 सैक्टर का वहां का पार्क सारे हरियाणा मे सबसे अच्छा पार्क है। उस पार्क मे चौधरी देवी लाल जी का स्टैच्यू भी लगा हुआ है। वहां पर 8–10 हजार आदमी रोजना सैर के लिए आते है। उसके चारो तरफ कई हजार लोग ओपन मे लैटरिंग व टायलेट करते है। वहां पर भारी बदबू आती है जिस कारण आप वहां से निकल नही सकते। मेरा निवेदन है कि क्या सरकार इस तरफ कुछ ध्यान देने का कश्ट करेगे?

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने प्र ान तो बहुत अच्छा पूछा है सरकार की तरफ से पहले से तय है कि सार्वजनिक स्थानों पर इस प्रकार की सुविधा दी जाये। यह तो आम लोगो की सोच है कि कौन कहां पर लघु भांका और दीर्घ के लिए बैठ जाए। हमने इसके लिए कुछ अच्छे व्यक्तियो का चयन किया था कि आप उन लोगो को समझाइए।

जब उनको थोडा बहुत एजूकेटिड किया तो वे उधर चले गए। स्थितियों बदलती रहती है। इसमे लोगो की इन्वोल्मेंट करना जरूरी है। इनको बडा तुजर्बा है, सब कुछ सीरवा और बाद मे सारा मलियामेट कर दिया। (हंसी)

Increase in the Power Generation

1828. Dr. Malik Chand Ghambir & Sh. Balbir Singh: Will the Chief Minister be pleased to state the steps taken to increase the power generation in the state; if so, the detail thereof ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा): सरकार ने हरियाणा पावर जनरे ान कार्पो ान द्वारा संचालित अपने उत्पादन केन्द्रो की वर्तमान क्षमता को बेहतर उपयोग करके तथा नये विधुत उत्पादन प्लाटो को स्थापित तथा चालू करके उत्पादन क्षमता मे पर्याप्त वृद्धि करते हुए राज्यो मे बिजली के उत्पादन को बढाने के लिए उच्चतम प्राथमिकता दी है।

हरियाणा पावर जनरे ान कार्पोरे ान अगस्त, 1998 मे अस्तित्व मे आया। 1998–99 से 2003–04 तक राज्य मे बिजली के उत्पादन मे लगभग 85 प्रति ात हुई। उत्पादन केन्द्रो का प्लान्ट लोड फैक्टर भी 1998–99 के दौरान 49.24 प्रति ात से बढकर 2003–04 के दौरान 74.91 प्रति ात हो गया।

डा0 रघुबीर सिंह कादियान: अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्र ान है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, आप अपनी सीट पर बैठे। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, आप अपनी सीट पर बैठे। (ाोर एवम व्यवधान) इसमे व्यवस्था की कोई बात नही है, इसलिए आप अपनी सीट पर बैठे। (ाोर एवम व्यवधान) कादियान साहब, जो भी बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। कैप्टन साहब, आप इनको इनकी सीट पर बिठाए। (ाोर एवम व्यवधान) डाक्टर साहब, आप बैठ कोई बात रिकार्ड नही हो रही है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, जो रिटन रिप्लाई इनको दिया गया है वह इनको पढना पडेगा। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, अगर इन्हे इस बात का पता नही है तो यह इस बारे मे दूसरों से पूछ सकते है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः माजरा साहब, आप अपनी रिप्लाई जारी रखे। (विघ्न)

श्री राम पाल माजराः अध्यक्ष महोदय, ताऊ देवी लल थर्मल पावर स्टे ान, पानीपत की 210 मेगावाट की छटी इकाई को 31.3.2001 को चालू किया गया। पि चमी यमुना नहर पन बिजली परियोजना के चरण–2 के अन्तर्गत दो इकाइया, पत्येक 7.

2 मैगावाट क्षमता की, क्रम ाः 16.4.2004 तथा 12.5.2004 को चालू दी गई। ताऊ देवी लाल थर्मल पावर स्टे ान, पानीपत की 110 मैगावाट यूनिट–2 जो कि 21.1.1999 से बन्द पडी थी, को मार्च, 2003 के दौरान पुनः चालू किया गया। ताऊ देवी लाल थर्मल पावर स्टे ान, पानीपत मे 250–250 मैगावाट क्षमता की दो इकाईया 7 एवम 8 का निर्माण पूर्ण होने की अग्रिम अवस्था मे है ये दोनो इकाईयां दिसम्बर, 2004 तक रिकार्ड समय मे चालू होनी सम्भावित है। इकाई 7 पहले ही 28.9.2004 को चालू की जा चुकी है। इस प्रकार मार्च, 2001 से दिसम्बर, 2004 के बीच मे राज्य मे 834 मैगावाट की उत्पादन क्षमता बढ जाएगी। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय उत्पादन परियोजनाओ मे 1999 से 2004 तक राज्य के हिस्से मे 515.20 मैगावाट बिजली उपलब्धि मे वृद्धि हुई।

राज्य सरकार ने 500 मैगावाट से 600 मैगावाट के बीच की क्षमता के यमुनानगर थर्मल प्रोजैक्ट चरण–2 को स्थापित करने की भी स्वीकृति दे दी है। इस परियोजना का निर्माण कार्य अति भीघ्र भुरू किया जायेगा।

श्री कृश्णलाल पंवारः अध्यक्ष महोदय, माननीय सी0पी0एस0 महोदय ने अभी आउस को अवगत करवाया है कि ताऊ देवी लाल थर्मल पावर स्टे ान, पानीपत के 250–250 मैगावाट के सातवे और आठवे यूनिट्स हो गए है। 25 सितम्बर, 2004 को चौधरी देवी लाल जी के जन्म दिवस पर कल 28.9.2004 को 7वे यूनिट को सिक्रानाईज कर दिया गया है। अध्यक्ष महोदय,

मै आपके माध्यम से इनसे यह जानना चाहूंगा कि 7वी यूनिट कब तक 250 मैगावाट का उत्पादन दे देगी तथा 8वी यूनिट कब तक सिक्रानाईज होकर फुल लोड पर आ जाएगी? अध्यक्ष महोदय, मेरा दूसरा सवाल यह है कि यदि किसी थर्मल पावर स्टे ान का लोड फैक्टर 1000 मैगावाअ या उससे ज्यादा हो जाता है तो भारत के मानचित्र पर वह सुपर थर्मल पावर प्लांट के तौर पर आ जाता है। क्या माननीय सी0पी0एस0 महोदय यह बताने की कृपा करेगे कि क्या इस प्रकार का कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है?

मुख्य मंत्री (श्री औम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सदन को एक भाुभ सूचना से अवगत करवाना चाहूंगा। ताऊ देवी लाल थर्मल पावर प्लांट की 7वी यूनिट 250 मैगावाट की है और कल सुबह 7 बजे कर 20 मिनट पर इसको चालू कर दिया गया है। भारत हैवी इलैक्ट्रिकल लिमिटिड को यह प्रोजैक्ट इस भार्त के तहत सौपां गया था कि 36 महीने मे वे इसको तैयार करने देगे। अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार को यह श्रेया जाता है और खासतौर से भारत हैवी इलैक्ट्रिक्लज लिमिटिड बधाई की पात्र है कि जो काम 36 महीने से पहले नही हो सकता था उन्होने उस काम को 30 महीने मे मुकम्मल करके हरियाणा प्रदे ा के लोगो को राहत प्रदान की है। 31 दिसम्बर, तक 250 मैगावाट की आठवी यूनिट भी तैयार हो जाएगी। जब दोनो यूनिट्स इस साल के अन्त तक तैयार हो जाएगी तो हरियाणा प्रदे ा बिजली क मामले मे आत्मनिर्भर हो जाएगी। अध्यक्ष

महोदय, आपके माध्यम से मै सदन को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि यमुना नगर पावर प्लांट की भाुरूआत चौधरी देवी लाल जी के मुख्य मन्त्रित्वकाल मे की गई थी और चौधरी भजन लाल जी के मुख्यमंत्री जी बनने के बाद इस प्रोजैक्ट को कोल्ड स्टोरेज मे लगा दिया गया था। हरियाणा प्रदे ा के लोगो ने जब इसका विरोध किया तो उस वक्त के केन्द्र के प्रधान मंत्री श्री0 पी0वी0 नरसिम्हा राव जी ने फरीदाबाद से यमुना नगर थर्मल पावर प्लांट की रिमोट कण्ट्रोल के द्वारा आधरि ाला रखी थी। विघ्न

15.00 बजे

यह कब रखी थी, आपको पता है। वह कब रखी गई थी। (विघ्न) रिमो कंट्रोल द्वारा रखी हुई आधारि ाला का जो हश्र होना था, वह आपके सामने है। अब कल भााम को हमने नए सिरे से उसके बीच मे ग्लोबल टैण्डर काल करके उसको नए रिसे से फाईनल कर दिया है। अब उसको 600 मैगावाट का बनाने जा रहे है। हमने 3495 के हिसाब से यानि कि आज तक जितने भी थर्मल प्लांट के ठेके दिए गए है हमने उन सबसे कम रेट पर ठेका दिया है और जिनको ठेका दिया है उनसे भी भार्त रखी है कि 30 महीने के अन्दर अन्दर वे हमे 600 मैगावाट बिजली पैदा करके देगे। आप इसी से अन्दाजा लगाए कि सरकार इस मामले मे कितनी सीरियस है। आज हरियाणा मे सिचाई की समुचित व्यवस्था हो, चाहे वह नहर की हो या चाहे बिजली की हो। चाहे वह दादूपुर नलवी से हो सरकार को यह श्रेय देना चाहिए कि हम बाजार मे बाजरा 500

रूपए क्विंटल के हिसाब से खरीद रहे है। हमने पैडी भी कल से खरीदनी भुरू कर दी है। आपको इस बात से और ज्यादा खु ी रहे है कि गरीब आदमी मोटा अनाज इस्तेमाल करता है। (विघ्न) मै आपको बताना चाहूंगी कि मक्की है, बाजरा है, और ज्वार है, उसके आटे पर 10 प्रति ात टैक्स लगा हुआ था, वह टैक्स भी हमने माफ कर दिया है ताकि गरीब आदमी को सस्ते दाम पर अनाज मिल सके। हमारी एक सोच है कि किस तरह से गरीब आदमी को फायदा दिया जो सके। मौजूदा सरकार ने आज ही कैबिनेट की मीटिंग बुलाकर एक निर्णय लिया है । हमारी पार्टी प्रो पूअर, प्रो पिजैन्टरी और प्रो फार्मर है। हम चाहते है कि कृशि प्रधान दे ा का जो कृशक है वह सम्मपन्न हो, समृद्ध हो और खु ाहाल हो। हम तो आपके पिछले कांटे चुनने मे लगे हुए है और इस सबके बावजूद भी हम लोगो को राहत प्रदान कर रहे है। (विघ्न)

Introducting of Slab System

1831. Sh Lila Ram: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is fact that the rate of electricity charges is higher in the following villages of district Kaithal:-

(b) Barot: (ii) Teek;(iii) Geong: (iv) Shergarh; (v) Devigarh; (vi) Dodhkheri; (viii) Seelakhera, (viiii) Patti Chaudhary; and (ix) Francewala; and

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा): नही श्रीमान जी, कृशि बिजली टैरिफ की वर्तमान स्लैब प्रणाली राज्य मे मई 1998 से अस्तित्व मे रही है। टैरिफ स्लैब को लागू करना एक पटवार सर्कल मे बहुतायत नलकूपो की गहराई द्वारा निि चत किया जाता है। प्र ान मे उद्धृत गावों मे लागू टैरिफ निम्न प्रकार से है:–

क्रम संख्या	गावो के नाम	टैरिफ स्लैब दरे रूपये / बी0एच0पी0 / मास	पटवार सर्कल का नाम
1.	बरोट	63.00	टीक
2.	टीक	63.00	टीक
3.	गियोंग	48.00	गियोंग
4.	भोरगढ	48.00	पट्टी खोदरा
5.	देवीगढ	48.00	पट्टी खोदरा
6.	ड्योढ खेडी	104.00	सेग्गा
7	ड्योढ खेडी	104.00	पट्टी चौधरी
8.	पट्टी चौधरी	104.00	पट्टी चौधरी
9.	फ्रान्सवाला	48.00	पट्टी कोथ

नलकूपो के लिए स्लैब प्रणाली की समीक्षा करने का मामला राज्य सरकार के विचारधीन रहा था जिस ने टैरिफ दरो के सरलीकरण के लिए उच्च अधिकारी समिति का गठन किया। इस समिति की रिपोर्ट पर विचार करने के प चात नलकूपो की बिना मीटर श्रेणी के लिए 35 रूपये प्रति बी0एच0पी0 प्रतिमास तथा मीटर श्रेणी के लिए 25 पैसे यूनिट की समान दरे 15 अगस्त 2004 से लागू की जा रही है।

श्री लीला रामः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार को धन्यवाद करना चाहूंगा कि इन्होने हरियाणा प्रदे ा के किसानो की समस्या को ध्यान मे रखते हुए किसानों के लिए नलकूपो की बिना मीटर श्रेणी के लिए 35 रूपये प्रति बी0एच0पी0 प्रतिमास और जिन्होने टयूबवैल्ज पर मीटर लगाए हुए है उन पर 25 पैसे प्रति यूनिट का रेट लगाया गया है। मै समझता हू कि इससे हरियाणा प्रदे ा के किसान को बहुत राहत मिलेगी। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इसके लिए हरियाणा सरकार और आदरणीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः नैक्सट प्र ान। (विघ्न)

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुने।

श्री अध्यक्षः जिस मैम्बर ने प्र ान पूछा था उसकी तसल्ली हो गई है। वह सैटीसफाई हो गया है आपको इससे क्या लेना देना है? (विघ्न) नही नही आप बैठ जांए। (विघ्न) कन्सर्न्ड मैम्बर सैटीसफाई है और सरकार का धन्यवाद कर दिया है तो मेरा इस बारे मे किसी और को सप्लमैंटरी पूछने के लिए कहने की कोई बात नही है। (विघ्न) नही नही आप बैठ जांए। आपन अपने प्र ान कयों नही देते है? (विघ्न) आपने प्र ान नही दिया होगा तभी तो लगा नही है। अगर दिया होगा तो जरूर लगा होगा। (विघ्न) कैप्टन अजय सिंह यादव से पूछो उनको दो दो प्र ान लगे है। (विघ्न) आप बैठ जांए। डा0 साहब, आप जो भी बोल रहे है वह कुछ रिकार्ड नही हो रहा है। (विघ्न) आपने प्र ान रिजैक्ट करने वाले होगे तो ही तो रिजैक्ट करे होगे। (विघ्न) रमे ा खटक जी, अब आप अपना प्र ान पूछे। (विघ्न)

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुने।

श्री अध्यक्षः नही नही, आप बैठिए अब अगला प्र ान होगा।

Repair of Roads

1833. Sh. Ramesh Kumar Khatak: Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that there is any proposal under consideration of the Government to repair the following roads in Boards constituency:

(i) Sapurtkheri Gangan (ii) Butana-Gangana (iii) Jind Road, Gohana-Jagsi via Bichpari; and (iv) Widending of Julana- Gohan Road?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा): हां, श्रीमान जी।

श्री रमे ा खटक: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सी0पी0एस0 महोदय से जानना चाहूंगा कि मेरे बडोदा हल्के मे इ ाापुरखेडी से गंगाण, बुटाना से गंगाण, जींद सडक, गोहाना जागसी वायी बिचपडी को बनाने और जुलाना गोहाना सडक को चौडा करने की कार्यवाही कब तक कर दी जाएगी और इन पर कितना खर्च आएगा?

श्री रामपाल माजरा: अध्यक्ष महोदय, पूरे प्रदे ा मे ही सडको को जो जाल तंत्र है उसे बहुत ही मजबूत, बहुत ही अच्छे ढंग से ठीक किया गया है और बडौदा हल्का भी उससे अछूता नही रह सकता। मेरै साथी ने जो प्र ान किया है उसका तो जवाब खैर उनको पता भी है क्योंकि उनके हल्के मे बहुत अच्छी सडके बनायी गयी है। जो इ ाापूरखेडी से गंगाण की सडक है वह 4.10 किलोमीटर की है इसकी 28.5.2005 तक रिपेयर कर दी जाएगी और इस पर 17.19 लाख रूपये खर्च होगे। यह सडक मार्केटिंग बोर्ड की है। इस तरह से बुटाना से गंगाणा की सडक 5.20 किलोमीटर की है और इस पर 6.58 लाख रूपये खर्च होगे तथा दिसम्बर, 2004 तक इसकी कारपेटिंग कर दी जाएगी। जींद

सडक, गोहाना–जगाधरी वाया खिचडी का भी टैडर फ्लोट कर दिया गया है। इस पर 8 करोड 28 लाख 69 हजार रूपया खर्च होगा। इस सडक की ऐडमिनिस्ट्रेटिव ऐप्रुवल मिल गयी है इसलिए इस पर बहुत जल्द काम भुरू कर दिया जाएगा। इसी तरह से जुलाना गोहाना सडक को चौडा करने की बात है, यह 37.35 किलोमीटर सडक है इस पर 5 करोड 91 लाख 61 हजार रूपये खर्च होगे और यह अप्रैल 2005 तक पूरी कर दी जाएगी। अध्यक्ष महोदय, सडको की रिपेयर पर पूरे प्रदे ा मे 1220 करोड रूपये का खर्च किये गये है। इसके अलावा राश्ट्रीय उच्च राजमार्गो पर 404 करोड रूपये खर्च किये गये है। आज हरियाणा प्रदे ा की सडक पूरे हिन्दुस्तान मे ही नही बल्कि दूसरे दे ाो के मुकाबले की ज्यादा उच्च स्तर की है जो कि बडे ही गर्व की बात है अगर किसी भाई के पास जहाज हो तो वह इन पर जहाज भी उडा सकता है।

चौ0 नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदे ा के अनुसार दिल्ली के अदर से बडे व्हीकल्ज क्रास नही कर सकते। मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि क्या सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदे ा के मद्देनजर कोई सुपर हाई वे बनाने जा रही है? मुझे अखबारो के माध्यम से पढने को मिला है कि यह हाई वे दुनिया का सबसे चौडा हाईव होगा। अगर सरकार का इस तरह को हाई वे बनाने का विचार है

तो मै उनसे जानना चाहूंगा कि इस पर कब से कार्यवाही भाुरू होने जा रही है ? (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात तो सुन नही रहा है।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप बैठ जांए। (विघ्न)

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, डा0 साहब और कर्ण सिंह आपसे अब यह पूछ रहे है कि वर्निग के बाद आपको अगला कदम क्या है। अध्यक्ष महोदय, मै पूरे सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा मे हम पलवल से लेकर कुंडली तक एक एक्सप्रेस हाई वे बनाने जा रहे है। यह एक्सप्रेस हाई वे भाायद हिन्दुस्तान की सबसे बडी हाई वे होगी। इसके लिए सारी प्रक्रियांए लगभग पूरी हो चुकी है, बहुत जल्द हम इस पर काम भाुरू करने जा रहे है। इस सडक के बनने के बाद हरियाणा पूर्ण रूप से विकसित प्रदे ा की श्रेणी मे भाुमार हो जाएगा। क्योकि उस सडक के दोनो तरफ उधोग धंधे स्थापित होगे, व्यापारिक संस्थान स्थापित होगे और लोगो को आवागमन की ज्यादा से ज्यादा सहूलियते होगी।

Amount Sanctioned/Released by the H-R-D-F Board

1834. Sh. Bhagwan Sahai Rawat: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the date on which HRDF Board was constiuted and;

(b) the details of the amount sanctioned/released by the said Board for the developed work in rural areas of the State upto July, 1999 and during the period for August, 1999 to 30th June, 2004?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा): श्रीमान जी।

(क) दिनांक 15 जनवरी, 1987 को।

(ख) हरियाणा ग्रामीण विकास निधि प्र ाासन बोर्ड द्वारा जुलाई 1999 तक 37484 करोड रू0 स्वीकृत किए गए तथा 337.43 करोड रू0 रा ि ा जारी की गई। अगस्त 1999 से 30 जून 2004 तक बोर्ड द्वारा 81736 करोड रूपये की रा ि ा स्वीकृत की गई जिसमे 72178 करोड रूपये की रा ि ा विभिन्न ग्रामीण विकास कार्यो के लिए जारी की जा चुकी है।

श्री भगवान सहाय रावत: आदरणीय अध्यक्ष महोदय, माननीय माजरा साब ने जो उतर दिया है उसमे जो स्पश्ट तुलनान्मक दृश्टि से अवधि और पैसे के खएर्च की रा ि ा द ार्ाई गई है, उसके लिए धन्यवाद करते हुए मै कहना चाहूंगा कि जनवरी 1987 से जुलाई 1999 तक 12 वर्श की अवधि बनती है उस 12 वर्श की अवधि के लिए 37484 करोड रूपये की रा ि ा स्वीकृत की गई व 33743 करोड रूपये की रा ि ा जारी की गई

और माननीय मुख्यमंत्री जी श्री ओमप्रका ा चौआला जी के द्वारा संता संभालने के बाद सिर्फ पांच वर्श की अवधि मे 817.36 करोड रूपये की रा ि ा स्वीकृत की गई व 721.78 करोड रूपये की रा ि ा जारी की गई है, इसे यदि मै मैथमैटिक्स की दृश्टि से देखता हू तो इसमे बहुत भारी अंतर पाता हू। **इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।** उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से जानना चाहूंगा कि 15 जनवरी, 1987 को गठित जो ग्रामीण विकास निधि प्र ाासन बोर्ड है इसके अर्न्तगत किन किन स्कीम्ज मे सबसे अधिक यह रा ि ा विकास के लिए खर्च की गई है। इसको क्रमवार मंत्री जी बताने का कश्ट करेगे?

श्री रामपाल माजराः उपाध्यक्ष महोदय, ग्रामीण विकास निधि प्र ाासन बोर्ड द्वारा अपनी मीटिंग मे यह तय किया गया है कि विभिन्न स्कीमो के लिए अनुदान रा ि ा दी जाएगी। यह कार्यक्रम विकास के लिए एक मील पत्थर साबित हुआ है। माननीय सदस्य ने यह जानना चाहा है कि यह रा ि ा किन किन मदों मे दी जाती है, मै बताना चाहूंगा कि गांव की गलियों के निर्माण के लिए यह रा ि ा दी जाती है। गांव की गलियों के निर्माण के लिए अब से पहले यह देखने मे आता था कि बहुत बडे बडे भाहरो जैसे बम्बई, कलकता और चण्डीगढ जैसे भाहरो मे सीमेन्ट की गलियां बनती थी। उपाध्यक्ष महोदय, उसकी वजह से और हरियाणा प्रदे ा की सरकार के मुखिया श्री चौटाला जी की वजह से गांव के कीचड भरे रास्तो मे सीमेन्ट की गलियों का निर्माण हो सका

है। इसके अतिरिक्त स्कूल जो ि ाक्षा के मदिर होते है उन स्कूलो के कमरों का, स्कूल की चारदीवारी का निर्माण भी इसकी रा ि ा से किया गया है। इससे पहले उन स्कूलो की हालत ऐसी थी कि उनमे बच्चे बैठ नही सकते थे। अब स्कूलो की हालत इस प्रकार की है कि वहां की मनमोहक बिल्डिंग बच्चो को खुद वहां बुलाती है और बच्चे उनकी तरफ खिंचे चले जाते है आज एच0आर0डी0एफ0 की वजह से स्कूल फाइव स्टार होटलों जैसे हो गए है इसके अलावा गंदे पानी की डिस्पोजल के लिए नाला, सामान्य चौपालो के निर्माण के लिए, नयी हरिजन चौपालो के निर्माण व मरम्मत के लिए, बैकवर्ड चौपालों का कम्पली ान, हरिजन चौपाल की चार दीवारी, बैकवर्ड चौपाल की चार दीवरी चौधरी देवी लाल जी के सपने को साकार करती है। कुछ वर्ग पिछडे हुए थे। और उनका भाादी विवाह के लिए और बारात के लिए चौपाल बनाने और चौपालो को कम्पलीट करने के लिए, उनको सजाने के लिए ग्रामीण विकास निधि से पैसा दिया गया है और मेरे ख्याल से रिकार्ड तोड चौपले इस भाासन काल मे गरीबी की बस्तियों मे बनाई गई है। इसी प्रकार से पंचायत घर, पंचायत घर की चार दीवारी, पंचायत घर का कम्पली ान और मरम्मत, भाम ाान घाट कब्रिस्तान की चार दीवारी, भाम ाान घाट को जाने वाला रास्ता, भाम ाान घाट के भौड का निर्माण, हाडा रोडी की चार दीवरी, जोहड मे पानी भरने के लिए खाल, स्कूल की चार दीवारी, स्टाफ रूम, साईस रूंम, रिटेनिंग वाल, ग्रामीण सडके, जल वितरण, गऊ घाट, आयुर्वेदिक डिसपैसरी, सार्वजनिक स्थानो पर

जाने वाले रास्ते, पार्क, कम्यूनिटी सैटर, नई डिस्पैसरी, एस0एन0सी0 प ा डिसपैसरी, एस0एन0सी0 की चार दीवारी, एस0एनसी0 की मरम्मत, नया प ा अस्पताल, प ा अस्पताल की चार दीवारी, प ा अस्पातल की मरम्मत, ग्रामीण स्वच्छता व अन्य काम करवाने का काम भी ग्रामीण विकास निधि की रा ि ा से किया है।

श्रीमती अनिता यादवः डिप्टी स्पीकर सर, मै माननीय सी0पी0एस0 महोदय से आपके माध्यम से पूछना चाहती हू कि ढालनवास गांव मे कोई हरिजन चौपाल नही है ओर मुढाडा मे जो हरिजन चौपाल है उसका अभी तक कोई काम पूरा नही हुआ है।

श्री उपाध्यक्षः अनिता जी, आपका प्र ान एच0आर0डी0एफ0 से सबंधित नही है।

श्री रामपाल माजराः डिप्टी स्पीकर साहब, इनका यह प्र ान से संबधित नही है ये अलग से इस बारे मे नोटिस दे दे। फिर भी मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने यह घोशणा की हुई है कि कोई भी हरिजन चौपाल, कोई भी बैकवर्ड चौपाल, कोई भी स्कूल की बिल्डिगंज और चार दीवारी का कम्पली ान और उसकी बाकी नही रहेगी सबका काम कम्पलीट कर दिया जायेगा। अगर ऐसी घोशणा के बाद वहां चौपाल का एस्टिमेंट वगैरहा बन गया तो हमे बता दे वह भी कम्पलीट कर दिया जायेगा।

Communiction System of Police Department

1837. Sh. Rambir Singh: Will the Chief Minister be pleased to state the steps taken or likely to be taken to provide effective communictiaon system in the Police Department; if so, the details thereof?

मुख्यसंसदीय (श्री रामपाल माजरा): श्रीमान जी, सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

पुलिस विभाग की मौजूदा संचार प्रणाली को सुदृढ बनाने, ध्वनि एवम डाटा सीानान्तरण करने के लिए कम्पयूटकृत संचार प्रणाली जिसे वाईड एरिया नेटवर्क वैन का नाम दिया गया है। पुलिस बल की आधुनिकीकरण योजना के तहत स्थापित की जा रही है। इस योजना के अधीन राज्य पुलिस मुख्यालय पंचकूला, सभी पुलिस मण्डल कार्यालया, जिला मुख्यमालय, हरियाणा भवन, नई दिल्ली एवम् हरियाणा सिविल सचिवालय, चण्डीगढ को भारत संचार निगम लिमिटिड से किराये पर ली गई वी0पी0एन0 से परस्पर जोडा जायेगा।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार एक उपग्रह आधारित संचार नेटवर्क स्थापित करने जा रही है जिसे पोलनेट के नाम से जाना जायेगा। इस प्रणाली द्वारा दे ा के सभी राज्यो की राजधानियों सभी जिलो मुख्यालय, सभी पुलिस थानों को परस्पर

जोडा जायेगा जिसमे हरियाणा राज्य की ध्वनि एवम् डाटा संचार व्यवस्था भी भाामिल है।

श्री रामबीर सिहः उपाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मै माननीय सी0पी0एस0 महोदय से जानना चाहता हू कि जो आजकल संचार प्रणलियों हमारे पुलिस विभाग मे देने जा रहे है उनको कब तक कम्पलीट कर दिया जायेगा।

श्री रामपाल माजराः डिप्टी स्पीकर साहब, दो तरह की व्यवस्था है, उसको चुस्त दुरूस्त करने के लिए वाइड एरिया नैटवर्क (WAN) जिसका आधा आधा खर्चा हरियाणा सरकार और केन्द्र की सरकार वहन करेगी। माननीय सदस्य ने पूछा है कि यह कार्य कब तक पूरा हो जायेगा तो मै इनको बताना चाहूंगा कि यह नेटवर्क इस वर्श के अन्त तक सूचारू रूप से कार्य करना आरम्भ कर देगा। पुलिस स्टे ांज, उप पुलिस अधीक्ष कार्यालय, जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस नियंत्रणकक्ष पुलिस, पुलिस महानिरिक्षक मण्डल कार्यालय और पुलिस मुख्यालय, पंचकूला यानी 400 जगहो को कम्पयूटर से जोडा जा रहा है। ये सभी पूरी तरह कम्पयूटारईज्ड हो जायेगे और जहां तक वैन स्कीम की बात है वह इस वर्श के अन्त तक काम करना भाुरू कर देगी। दूसरा स्पीकर सर, पोलनेट उपग्रह से सचालित संचार व्यवस्था पूरे दे ा मे लागू होने जा रही है यह 1150 पुलिस स्टे ानो को जोडने की स्कीम है। इस प्रकार से हरियाणा प्रदे ा उतर भारत मे सबसे आगे है। इस बारे मे इनफ्रास्ट्रक्चर स्टेट गवर्नमैंट ने देना था उस पर 75

लाख रूपये राज्य सरकार के खर्च होगे और बाकी का पैसा केन्द्र सरकार देगी और यह स्कीम मार्च 2005 तक सुचारू रूप से काम करना प्रारम्भ कर देगी।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब प्र ान काल समाप्त होता है।

नियमो 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तरांकित प्र नो के लिखित उतर

Outstanding Payment of Sugarcane

1839. Sh. Bishan Lal: Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that the payment of farmers on account of sugarcane is outstanding against the various cooperative Sugar Mills in the State: if so, the details thereof ?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): हरियाणा राज्य मे किसी भी सहकारी चीनी मिल की तरफ गन्ने की कोई अदायगी बकाया नही है।

20- Point Programme

1840. Sh. Puran Singh Dabra: Will the Chief Minister be pleased to state the achivement made by the State Government under 20 Point Programme during the period from April, 2002 to March, 2004.

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला):

विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

वार्शिक प्रगति रिपोर्ट हरियाणा राज्य 20 सूत्रीय कार्यक्रम 2002–03 (दे ा मे चौथा स्थान)

क्र0स0	सूत्र का नाम	इकाई	लक्ष्य	प्राप्ति	प्राप्ति प्रति ात
1	2	3	4	5	6
1.	गरीबी के खिलाफ संघर्श सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार	मजदूरो की संख्या	.	11918000	....
2.	वर्शा पर निर्भर कृशि विकास	परिमाण न सम्भव नही			
3.	सिचाई जल का बेहतर उपयोग	परिमाण न सम्भव			

		नही।			
4.	उन्नत कृशि अधिक उत्पादन	परिमाण न सम्भव नही।			
5.	भूमि सुधार अधिवे ान भूमि का वितरण	एकड	200	18	9
6.	ग्रामीण श्रमिको के लिए वि ोश कार्यक्रम	परिमाण न सम्भव नही।			
7.	पीने का साफ पानी पीने के पानी का वितरण गांव सख्ंया	संख्या	48	753	1569
8.	सभी के लिए स्वास्थय सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र	सख्ंया	3	1	33

	सी0एच0सी0				
	प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र पी0एच0सी0	संख्या	2	2	100
	बाल प्रतिरक्षण डी0पी0टी0, पोलियो, बी0सी0जी0	संख्या	545000	539155	99
9.	दो बच्चों का परिवार एकीकृत बाल विकास सेवा खंड प्रचालन	संख्या	116	116	100
	आगंनबाडी प्रचालन संचयी	संख्या	13546	13546	100
10.	ि ाक्षित राश्ट्र	परिमाण न सम्भव नही।			
11.	अनुसूचित जातियो/जनजातियों को न्याय	संख्या	82000	93555	114

	अनूसचित जाति के परिवारों को सहायता				
12.	महिलाओ को समानता	परिमाण न सम्भव नही।			
13.	युवा वर्ग के लिए नए अवसर	परिमाण न सम्भव नही।			
14.	सबके लिए मकान इन्दिरा आवास योजना	संख्यास	9384	9840	105
	निम्न आय वर्ग को आवास	संख्या	1500	1255	84
15.	तंग बस्तियों का सुधार गंदी बस्तियो का सुधान	भाामिल व्यक्तियों की संख्या	41500	62771	151

	जनं संख्या				
16.	वन विस्तार निजी भूमि पर वृक्षारोपण	संख्या	12500000	28004000	224
	भाामिल क्षेत्र एवम भूमि	हैक्टयर	10000	20563	206
17.	पर्यावरण की रक्षा	परिमाण न संभवन नही			
18.	उपभोक्ता कल्याण	परिमाण न संभव नही			
19.	गांव के लिये उर्जा भाक्तिचालित पंपसेट	संख्या	2200	8115	369
	उन्नत चूल्हे	संख्या	1000	1254	125
20.	सवेदन ाील प्र ाासन	परिमाण न सम्भव			

		नही			

वार्शिक प्रगति रिपोर्ट हरियाणा राज्य 20 सूत्रीय कार्यक्रम 2003–04 (दे ा मे पहला स्थान)

क्र0स0	सूत्र का नाम	इकाई	लक्ष्य	प्राप्ति	प्राप्ति प्रति ात
1	2	3	4	5	6
1.	गरीबी के खिलाफ संघर्श सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार	मजदूरो की संख्या	.	6847000	....
2.	वर्शा पर निर्भर कृशि विकास	परिमाण न सम्भव नही			
3.	सिचाई जल का बेहतर उपयोग	परिमाण न सम्भव नही।			

4.	उन्नत कृशि अधिक उत्पादन	परिमाण न सम्भव नही।			
5.	भूमि सुधार अधिवे ान भूमि का वितरण	एकड	80	102	127
6.	ग्रामीण श्रमिको के लिए वि ोश कार्यक्रम	परिमाण न सम्भव नही।			
7.	पीने का साफ पानी पीने के पानी का वितरण गांव सख्ंया	संख्या	...	557	.....
8.	सभी के लिए स्वास्थय सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र सी0एच0सी0	सख्ंया	9	0	0

	प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र पी0एच0सी0	संख्या	2	2	100
	बाल प्रतिरक्षण डी0पी0टी0, पोलियो, बी0सी0जी0	संख्या	561364	534327	95
9.	दो बच्चों का परिवार एकीकृत बाल विकास सेवा खंड प्रचालन	संख्या	116	116	100
	आगंनबाडी प्रचालन संचयी	संख्या	13546	13546	100
10.	ि ाक्षित राश्ट्र	परिमाण न सम्भव नही।			
11.	अनुसूचित जातियो/जनजातियों को न्याय अनूसचित जाति के	संख्या	82000	82205	100

	परिवारों को सहायता				
12.	महिलाओ को समानता	परिमाण न सम्भव नही।			
13.	युवा वर्ग के लिए नए अवसर	परिमाण न सम्भव नही।			
14.	सबके लिए मकान इन्दिरा आवास योजना	संख्यास	10626	9286	87
	निम्न आय वर्ग को आवास	संख्या	500	545	91
15.	तंग बस्तियों का सुधार गंदी बस्तियो का सुधान	भाामिल व्यक्तियों की संख्या	31375	43783	140

	जनं संख्या				
16.	वन विस्तार निजी भूमि पर वृक्षारोपण	संख्या	12800000	31726000	113
	भाामिल क्षेत्र एवम भूमि	हैक्टयर	25000	18309	73
17.	पर्यावरण की रक्षा	परिमाण न संभवन नही			
18.	उपभोक्ता कल्याण	परिमाण न संभव नही			
19.	गांव के लिये उर्जा भाक्तिचालित पंपसेट	संख्या	2200	15101	686
	उन्नत चूल्हे	संख्या	1500	1433	96
20.	सवेदन ाील प्र ाासन	परिमाण न सम्भव			

		नही			

Crop Insuracne Scheme

1843. Sh Padam Singh Dahiya: Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether the State Government have introduced Crop insuracne Schem in the State; if so, the details thereof?

कृशि मंत्री (स0 जसविन्द्र सिंह संधू): जी हां, श्री मान जी। विवरण सदन के पटल पर रखा है।

विवरण

राज्य सरकार ने हरियाणा मे फसल बीमा योजना खरीफ 2004 से मक्की, बाजरा, कपास तथा अरहर की फसलों पर लागू कर दी है इस योजना को भारत सरकार द्वारा रबी 1999–2000 मौसम से लागू किया गया था तथा यह योजना अब 23 राज्यो तथा केन्द्र भाासित प्रदे ाो मे लागू की जा रही है परन्तु हरियाणा राज्य द्वारा इस योजना की खरीफ, 2004 मौसम से लागू किया गया है। फसल बीमा योजना के अन्तर्गत हरियाणा मे अधिक वाली फसले ली गयी है।

1. इस योजना के मुख्य उद्दे ाय निम्नलिखित हैः–

(i) प्राकृतिक आपदाओ, कृमियों एवम रोगो के कारण किसी भी संसूचित फसल के नश्ट होने की स्थिति मे किसानो को वितीय सहायता एवम बीमा कवरेज देना।

(ii) किसानो को कृशि मे प्रगति ील कृशि तरीको उच्च मूल्य आदानों एवम उच्चर प्रौधोगिकी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहन देना।

(iii) वि ोश कर आपदा वर्शो मे कृशि आया को स्थिर रखना।

2. कवर किये जाने वाले किसान

इस योजना के अन्तर्गत सभी किसानो, जैसे बटाईदार और का तकार इत्यादि को कवर किया जायेगा। यह योजना ऋणी किसानों के लिए अनिवार्य है और गैर ऋणी किसानो के लिए स्वैच्छिक है।

3. योजना के अन्तर्गत कवर किये जाने वाले जोखिम

(क) प्राकृतिक रूप से आग लगना और बिजली का गिरना

(ख) तूफान, ओलावृश्टि, चक्रवात, टाईफून, समुद्री तुफान, हरीकेन, टोरनाडो इत्यादि।

(ग) बाढ, जल प्लावन एवम भू स्खलन।

(घ) सूखा, भाुश्क अवधि।

(ड) कीट/रोग इत्यादि

4. बीमित रा ि ा/प्रारम्भिक पैदावार

बीमित रा ि ा किसानों की इच्छा अनुसार फसल की प्रारम्भिक पैदावार के स्तर के मूल्य तक बढाई जा सकती है। बीमा इकाई मे किसी फसल के लिए प्राकृतिक पैदावार या गांरटी ाुदा पैदावार पांच वर्शो की औसत उपज, क्षतिपूर्ति के स्तर से गुणित, के आधार पर संचालक औसत होगी। ऋणी किसानो के लिय बीमित रा ि ा कम दिये गये फसल ऋण के बराबर होगी।

5.योजना का कार्यान्वयन

योजना के क्षेत्र दृश्टिकोण के आधार पर व्यापक आपदाओ के लिये प्रत्येक ससूचित फसलो के लिए नि ि चत क्षेत्र आधार पर कार्यान्वित किया जायेगा तथा स्थानिय आपदाओ के लिए व्यक्तिगत आधार पर योजना क्रियान्वित की जायेगी। राज्य सरकार के खण्ड को बीमा इकाई के रूप मे लिया है जिसको बाद मे ग्राम पंचायत स्तर तक ले जायेगा।

6. प्रीमियम दरे

राश्ट्रीय स्तर पर खरीफ मौसम मे बाजरा एवम तिलहन फसलों के लिए बीमित रा ि ा का 3.5 प्रति ात तथा अन्य खाध फसलो के लिए बीमित रा ि ा का 2.5 प्रति ात की प्रीमियम दरे लागू है।

हरियाणा राजय मे लागू की गयी प्रीमियम दरो का विवरण निम्नानुसार है:–

सारणी

फसल	मक्का	बाजरा	कपास	अरहर	चना	सरसों
प्रीमियम दर	2.5 प्रति ात	3.5 प्रति ात	4.05 प्रति ात	1.45 प्रति ात	2.0 प्रति ात	2.0 प्रति ात

7. प्रीमियम सबसिडी

योजना के अनुसार छोटे एवम सीमान्त किसानो कों प्रीमियम रा ि ा पर 50 प्रति ात सबसिडी देने के लिए राज्य सरकार द्वारा भारत सरकार के अनुरोध किया गया है। क्योंकि दे ा मे राश्ट्रपति कृशि बीमा योजना लागू किये जाने का पांचवा वर्श है इसलिए इस समय 10 प्रति ात दर से प्रीमियम रा ि ा पर सबसिडी दी जा रही है।

8. फसल पैदावार के अनुमान

पैदावार का अनुमान फसल कटाई प्रयोगो के आधार पर लगाया जायेगा। राज्य सरकार फसल पैदावार का अनुमान लगाने के लिए, योजना के अनुसार हर एक अधिसूचित फसल के लिए प्रति अधिसूचित इकाइ मे 16 फसल कटाई प्रयोग नियोजित तथा

अयोजित करेगी। इस फसल पैदावार को वास्तविक पैदावार कहा जायेगा।

9. दावो/मुआवजो को निर्धारित करने की प्रक्रिया

यदि बीमे वाले मौसम मे परिभाशित क्षेत्र फसल कटाई प्रयोगो की अपेक्षित संख्या के आधार पर के लिए बीमित की प्रति हैक्टेयर वास्तविक पैदावार विनिर्दिश्ट प्रारम्भिक पैदावार से कम रहती है, तो परिभाशित क्षेत्र मे उस फसल के उत्पादक सभी किसानो को अपनी पैदावार मे कमी का सामना करता हुआ माना जायेगा। इस प्रकार की आकस्मिकता के लिए यह योजना निम्नलिखित कवरेज प्रदान करेगी

<table>
<tr><td>पैदावार मे कमी</td><td rowspan="2">xकिसान की बीमित राि ा</td></tr>
<tr><td>प्रारम्भिक पैदावार</td></tr>
<tr><td colspan="2">पैदावार की कमी = प्रारम्भिक पैदावार– वास्तविक पैदावार</td></tr>
</table>

10. वितीय भागीदारियों का बंटवारा

योजना के क्रियान्वयन पर हुये खर्च, जैसे किसानो को क्षतिपूर्ति, प्रीमियन राजसहायता, संग्रह कोश तथा प्र ाासकीय खर्चों आदि का वहन केन्द्र सरकार एवम राज्य सरकार द्वारा 50:50 के आधार पर किया जायेगा।

11. कार्यान्वयन करने वाला अभिकरण

यह योजना भारतीय कृशि बीमा कम्पनी लिमिटेड भारत सरकार का उपक्रम के द्वारा सहकारी बैको, व्यवसायिक बैको एवम क्षेत्रीय ग्रामीण बैकों के माध्यम से लागू की जायेगी।

12. राज्य सरकार ने धान, गेहू, व गन्ने की फसले को इस योजना मे सम्मिलित न करने का निर्णय लिया है, क्योकि इन फसलो की औसत पैदावार मे किसी वर्श वि ोश मे खास कमी नही हुई है, जिस कारण हरियाणा के किसानो को इस फसलों के लिये इस योजना से वि ोश लाभ नही मिलोगा।

13. दावो का निबटान (मुआवजे का भुगतान)

दावों की स्वीकृति व निपटान की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है तथा किसानो को बहुत औपचारिकताए पूर्ण करने की आव यकता नही है। राज्य सरकार से पैदावार के आंकडे प्राप्त होते ही दावे तैयार किये जायेगे, जिनका निपटान भी भारतीय कृशि बीमा कम्पनी, जो वि ोश रूप से फसल बीमा के लिए बनाई गई है, द्वारा कर दिया जायेगा। दावो के लिए दावो सम्बन्धी चैको को दावो के विवरण सहित बीमा कम्पनी द्वारा सम्बन्धित नोडल बैको को भेज दिया जायेगा। आगे यह बैक निचले स्तर पर अलग अलग किसानो के खातो मे उनकी रा ि। जमा करेगे तथा अपने सूचना पर पट पर लाभार्थीयों का विवरण प्रद ि र्ित करेगे।

14. खरीफ 2004 मे योजना प्रगति

बीमित फसलो के लिए खण्डो का चुनाव बीमित इकाई मे उस फसल के अधीन क्षेत्र के आधार पर किया गया है। कपस के लिए 39, मक्का के लिए 8, बाजरा के लिए 81 तथा अरहर के लिए 14 खण्ड के लिए है 1 अगस्त 2004 के अन्त तक कुल 150702 किसानो की फसलो का 130.91 करोड रूपये की रा ि का बीमा किया गया है।

Opening of Shaheed Udham Singh Polytechnic, College Tohana

1846. Sh. Nishan Singh: Will the Chief Minister be pleased to state whether is any proposal under consideration of the Government to set up the Shaheed Udhan Singh Memorial Polytechnic College in Tohana. If so the time by which the construction work of the said College in likely to be started?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): श्रीमान जी, भाहीद उधम सिंह राजकीय बहुतकनीकी, टोहाना मे खोलने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है। निर्माण कार्य आरम्भ करने हेतू समयावधि नही दी जा सकती क्योकि अभी तकनीकी ि ाक्षा विभाग के नाम भूमि स्थानान्तरण होनी है।

Cases of Malaria & Dengu Fever

1845. Sh. Dev Raj Dewan: Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that some cases of Malaria and Denug fever have been reported recently in the

State; if so, the steps taken so far or proposed to be taken to control the said disease?

स्वास्थय राज्य मंत्री (डा0 एम0एल0 रंगा): जी हां, श्रीमान जी। हरियाणा राज्य मे 1 जनवरी, 2004 से 23 सितम्बर 2004 के दौरान 6990 मलेरिया के कन्फर्म मामले एवम 5 डेंगू के कन्फर्म मामले पाए गए है।

इन बीमारियों की रोकथाम हेतु बनाये गये एक ान प्लान की दृढता से लागू किया जा रहा है। इन बीमारियों की रोकथाम हेतु उठाये जा रहे पग बतौर अनुबंध सदन क पटल पर रखे गये है।

अनुबंध

मलेरिया तथा डेंगू की रोकथाम हेतु उठाया जा रहे पग

मलेरिया

. ज्वर रोगियो की रक्त पट्टिकायें बनाई जाती है। रक्त पट्टिकाये बनाते समय ज्वर रोगियों को अनुमानित उपचार हेतु क्लोरोक्वीन की गोलियां उपलब्ध करवाई जाती है। एकत्रित की गई रक्त पट्टिकाओ का निरीक्षण 482 मलेरिया क्लीनिक्स मे किया जाता है और जिन रोगियों मे मलेरिया के कीटाणु पाये जाते है, उन्हे मूल उपचार भी दिया जाता है।

. राज्य मे ग्राम पचांयतो/अध्यापको/आंगनवाडी वर्करो इत्यादी के पास दवाई वितरण केन्द्र खोले गये है, जंहा पर ज्वर रोगियो को मुफ्त मे क्लोरीक्वीन की गोलियां दी जाती है।

. जिन 49 गावों मे गत वर्श मलेरिया के केस अधिक मात्रा मे पाये गये थे, वहां पर नियमित मैलाथीन कीटना ाक दवाई का छिडकाव किया जा रहा है।

. भोश क्षेत्रो मे मास जुलाई के उपरान्त जहां कही भी मलेरिया का रोगी पाया जाता है, वहां पर उस घर तथा इर्द गिर्द के 50 घरों मे मैलाथीन फौगिंग की जा रही है।

. जिन क्षेत्रो मे मलेरिया के अधिक केस पाये जा रहे है वहां पर चिकित्सा अधिकारी एवम पैरामैडीकल की टीम नियमित तौर पर दौरा कर रही है और फीवर मास सर्वे एवम फौगिंग की जा रही है।

. जनता को स्वास्थय ि ाक्षा दी जा रही है और मलेरिया रोग तथा इनकी रोकथाम के तरीके भी बताये जा रहे है।

डेंगू

. इस बीमारी तथा इसके फेलाने वाले मच्छरो की निगरानी तेजी से की जा रही है।

. डेंगू ग्रस्त क्षेत्रो मे लोगो को जानकारी दी जा रही है कि वह सप्ताह मे एक बार अपने घर के सभी पानी से भरे बर्तनों

को खाली करे व उन्हे ढक कर रखे। जहां पर यह सम्भव न हो, वहां पर उन्हे पानी मे एक चम्मच मिट्टी का तेल पैट्रोल डालने का सुझाव दिया जा रहा है।

. डेंगू फेलाने वाले मच्छरों की रोकथाम हेतु फौगिंग की जा रही है।

. मास मीडिया कार्य तेजी से किया जा रहा है।

इन रोगो की स्थिति की समीक्षा प्रति दिन राज्य मुख्यालय से लेकर पी.एच.सी. स्तर की जा रही है। इस वर्श राज्य मे अभी तक इन रोगो से कोई भी मृत्यु नही हुई है।

Change in Master Plan

1817. Capt. Ajay Singh Yadav: Will the Minister for Town and Country Planning be pleased to state whether the State Government has made any changes in the master plan of Gurgaon, Faridabad, Sonipat, Panchkula, and other cities of the State, if so, the details thereof?

नगर तथा ग्राम आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग राज्य के भाहरो के म्यूनिसिपल क्षेत्रो के ईर्द गिर्द घोशित नियंतित्र क्षेत्रो के लिए विकास योजना तैयार करता है। गुडगांव नियत्रित क्षेत्र के लिए विकास योजना 2001 मे समाप्त हो गई थी और 2021 ई0 के परिक्षेप्य वर्श के लिए नई विकास योजना राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड की सलाह से तैयार की जा रही है। इस दौरान सूचना प्राधौगिक नीति,

आधरभूत सरंचना तंत्र को अपग्रेड करने तथा पुनर्स्थापना योजनाओ आदि की आव यकाताओ को देखते हुये कुछ परिवर्तन किये गये/किये जा रहे है। फरीदाबाद भाहर के लिए विकाय योजना, जिसमे कि नियंत्रित क्षेत्र भाामिल है, पहले ही परिक्षेप्य वर्श 2011 के लिए तैयार की जा चुकी है। पिछले लगभग एक द ाक के दौरान अंचल विनियामो मे कुछ परिवर्तन, समाज के कमजोर वर्ग के पुनर्वास, क्र ार जोन की स्थानांतरित करने, जिला कारागार को स्थापित करने आदि के लिए भूमि उपयोग की आव यकता के मद्दे नजर किए गए हैं। सोनीपत और कुण्डली के लिए नई विकास योजना 2003 मे, परिक्षेप्य वर्श 2021 ई0 के लिए, प्रकाि ात की जा चुकी है। पंचकूला पैराफेरी क्षेत्र की भाहरीकरण योजना पहले ही तैयार करके प्रदि ात की जा चुकी है।

जहां तक हरियाणा के अन्य भाहरों की विकास योजना का सबंध है उनमे कुछ परिक्षेप्य वर्श 2021 ई0 के लिए विभिन्न स्तरों पर तैयार की जा रही है/प्रकाि ात कर दी गई है।

Repair of Chaupals

1826. Dr. Malik Chand Gambhir: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total numeber of chaupals of all the categories has been repaired in the State during the period from the year 2000 to dated; and

(b) whether there is any chaupals in the State which are yet to be repaired; if so, the number of thereof, together with the time by which these remaining chaupals are likely to be reparied?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): श्रीमान जी,

(क) राज्य मे वर्श, 2000 से आज तक की अवधि के दौरान सभी श्रेणियो की 9640 चौपालो की मुरम्मत की गई है तथा

(ख) हा, राज्य मे भोश 1248 चौपालो की मुरम्मत दिसम्बर 2004 तक पूरी होने की संभावना है।

District wise detail of repair of Chaupals from 2000 to till date (27-9-2004)

Sr. No.	**Name of Distirct**	**No. of Chaupals of all Categories**		**Estimated Cost of**	
		Repaired 2000 to till date	**Yet to be repaired (upto which date will be Reparied)**	**Repaired Chaupals**	**Yet to be Reparied Chaupals**
1.	Ambala	387	0	174.03	0.00

2.	Bhiwani	906	104	357.83	81.57
3.	Faridabad	968	71	355.86	36.21
4.	Fatehabd	277	17	132.69	7.84
5.	Gurgaon	415	87	172.99	53.96
6.	Hisar	535	79	314.05	59.00
7.	Jhajjar	460	70	250.31	35.00
8.	Jind	917	115	485.64	164.26
9.	Kaithal	768	25	313.79	14.92
10.	Karnal	592	37	322.22	29.95
11.	Kurukshetra	293	0	111.53	0.00
12.	Mohindergarh	273	0	79.16	0.00
13.	Panchkula	103	58	47.53	14.50
14.	Panipat	339	100	153.86	20.58
15.	Rewari	248	99	77.96	64.56
16.	Rohtak	287	199	124.10	122.69
17.	Sirsa	367	53	106.41	11.90
18.	Sonipat	1058	134	325.42	70.68
19.	Yamunanagar	447	0	68.54	0.00

Total	**9640**	**1248**	**3973.92**	**787.62**

Construction of new Bye-Pass

1830. Sh. Lila Ram: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Governemnt to constuct a new bye-pass from jind road to Khanori road in Kaithal City; if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be implemented?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): हां, श्रीमान जी, उपरोक्त विशयाधीन मामले मे भूमि अभिग्रहण कार्यवाही हेतू प्रक्रिया जारी की जा रही है। भूमि अधिग्रहरण की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद डेढ वर्श मे कार्य पूर्ण कर दिया जायेगा।

Widening of Bridge

1832. Sh. Ramesh Kumar Khatak: Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact there is a very narrow bridge on Kanoree Distributory near Village Rindhana Sonepat on Sonepat Julana Tohana State Highway; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government for widening of the said bridge.?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): हां, श्री मान जी, यधपि वर्तमान मे इस 10.5 फीट चौडे पुल को चौडा करने की कोई योजना नही है।

Opening of Kanya Maha Vidhyalaya in Hathin

1835. Sh. Bhagwan Sahai Rawat: Will the Minister of state for Education be pleased to state whether there is any

proposal under consideration of the Governemnt to open a Kanya Maha Vidhyalaya in Hathin Constituency?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह): नही, श्रीमान जी।

Boosting of Morale of Police Force

1838. Sh. Rambir Singh: Will the Chief Minister be pleased to state whether the state Government have made any policy to boost the morale of the Police Force in the State; if os, the details thereof?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): हां, श्रीमान जी।राज्य सरकार ने पुलिस बल के मनोबल को बढावा के लिए विभिन्न कदम उठाये है, जिनको विस्तृत विवरण सदन के पटल पर रखा है।

विवरण

राज्य सरकार द्वारा पुलिस कर्मचारियों के मनोबल को बढाने के लिये तथा उनके कल्याण हेतू उठाये गये कदमो बारे विवरण निम्नानुसार है–

1. राज्य सरकार द्वारा वि ोश अनुकम्पा अनुदान के सम्बन्ध मे एक नीति बनाई गई है। जिसके अन्तर्गत 5 लाख रूपये की वि ोश अनुकम्पा अनुदान रा ि ा उन मृतक कर्मचारियों के आश्रितो को दी जाती है जो कि उग्रवादियो एवम असाजिक तत्वों का मुकाबला करते हुए भाहीद हो जाते है और मुकाबले के दौरान

गंभीर रूप से घायल हो जाने पर जिन कर्मचारियों के बाजू या टांग बिल्कुल नाकारा हो जाये या रीड की हड्डी को जख्म हो जाये या भारीर का कोई अंग नश्ट हो जाने पर अधिक रूप से नाकार हो जाये तो ऐसे कर्मचारियों को 3 लाख रूपये की दर से वि ोश अनुकम्पा अनुदान रा ि ा दी जायेगी। यह रा ि ा निदे ाक, स्वास्थय विभाग, हरियाणा द्वारा जारी किये गये प्रमाण पत्र के आधार पर दी जायेगी। इसके अतिरिक्त ऐसे मृतकों को परिवारो को कर्मचारियो के अन्तिम वेतन के बराबर सेवानिवृति की आयु तक पैन् ान दी जायेगी। तत्प चात् सामान्य पारावारिक पैन् ान दी जायेगी।

2. माह जुलाई, 1999 से अब तक 605 मृतको कर्मचारियो के आश्रितो को अनुकम्पा नीति के अन्तर्गत नौकरी दी जा चुकी है। हरियाणा मृतक सरकारी कर्मचारियों के आश्रितो को अनुकम्पा सहायता निगम 2003 के अन्तर्गत अनुग्रहपूर्वक अनुकम्पा वितीय सहायता ढाई रूपये की दर से दी जा रही है जिन्होने नौकरी के लिये आवेदन नही किया है।

3. दिनांक 7.1.2000 के सभी सिपाहियों तथा मुख्य सिपाहियों जो कि रिजर्व मे तैनात हे, उनको नियमानुसार मकान किराया भता दिया जाता है।

4. दिनांक 7.1.2000 के सभी सिपाहियों/मुख्य सिपाहियों तथा मुख्य सिपाहियो तथा अराजपत्रित अधिकारियो का

वाहन भता तीन गुणा कर दिया गया है जो कि निम्नानुसार बढाया गया है।

		पुरानी दरे	**नई दरे**
1.	सिपाही/प्रधान सिपाही	20	60
2.	सहायक उप निरीक्षक	50	150
3.	उप निरीक्षक	60	180
4.	निरीक्षक	75	225

5. वर्दी रख रखाव बढाकर दो गुणा कर दिया गया है जो कि निम्नानुसार बढाया गया है।

		पुरानी दरे	**नई दरे**
1.	सिपाही/प्रधान सिपाही	25	50
2.	सहायक उप निरीक्षक	40	80
3.	उप निरीक्षक	60	120
4.	निरीक्षक	80	160

6. दिनांक 6.4.2000 से हरियाणा पुलिस के सभी जवानो को मिलने वाली रा ान मनी की रा ि ा दो गुणा कर दी गई है जो कि निम्नानुसार है।

		पुरानी दरे	नई दरे
1.	हरियाणा स ास्त्र पुलिस के सभी जवान सिपाही से लेकर उप पुलिस अधीक्षक तक	150	350
2.	हरियाणा जिला पुलिस के सभी जवान सिपाही से लेकर उप पुलिस अधीक्षक	100	250

7. उप पुलिस अधीक्षक को प्रारम्भिक वर्दी भता 1200 बढाकर 5000 रूपये कर दिया गया है। सात वर्श का सेवाकाल पूरा करने पर यह वर्दी भता 1000 से बढाकर 2000 रूपये किया गया है।

8. फरवरी, 2001 से हरियाणा पुलिस के सभी सिपाहियों को 50 रूपये प्रतिमाह की दर से कठिनाई भता का भुगतान वेतन के साथ किया जा रहा है।

9. हरियाणा सरकार ने उनके पत्र क्रमांक 22/8/2002–03 एज0जी0–1 दिनांक 12/6/2003 द्वारा निर्णय लिया है जो कि अराजपत्रित अधिकारियो/कर्मचारियों को सेवानिवृत के प चात् दो वर्श/एक वर्श की सेवाकाल मे वृद्वि की जाएगी, जिन्होनें निम्नलिखित पुलिस पदक प्राप्त किए है–

क्रमांक	पद का नाम	सेवाकाल मे बढोतरी
1.	वीरता के लिये राश्ट्रपति पुलिस पदक मिलने पर या वि ाश्ट सेवाओं के लिये राश्ट्रपति पुलिस पदक मिलने पर	सेवाकाल मे दो वर्श की बढोतरी
2.	वीरता के लिये पुलिस पदक मिलने पर या सरहानीय सेवा के लिए पुलिस पदक मिलने पर	सेवाकाल मे एक वर्श की बढोतरी

10. हरियाणा राज्य परिवहन बसों मे रियासती बस सुविधा निरीक्षक के पद तक दी जा रही है।

11. राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि जिन सिपाहियो का सेवाकाल 16 वर्श हो चुका है उन्हे Exemptee मुख्य सिपाही पद पर पदौन्नति दी जाएगी, सभी Exemptee मुख्य सिपाही जिनका सेवाकाल 30 वर्श हो चुका है उनको Exemptee सहायक उप निरीक्षक के पद पर पदौन्नति दी जायेगी तथार 35 वर्श का सेवाकाल पूर्ण करने वाले सभी Exemptee सहायक उप निरीक्षकों को Exemptee उप निरीक्षक के पद पर पदौन्नत कर दिया जायेगा। इस नीति के अन्तर्गत 2/ई/एस.आई., 600/ई/ए.एस.आई/ तथा 4465 यू.जी.सी./ई.एच.सी. पदौन्नत किये गये है।

12. हुड्डा (HUDA) ने मृतक अधिकारियों/कर्मचारियों जो असामाजिक तत्वों का मुकाबला करते हुये भाहीद हो गये है, के आश्रितो के लिये सैक्टरो मे मिलने वाले विभिन्न प्रकार के प्लाटो मे 2 प्रति ात कोटा आरक्षित किया गया है जो कि निम्नानुसार है–

(i) मृतक उप पुलिस अधीक्षक और उससे ऊपर रैंक के 10 मरला

के अधिकारियो के आश्रितो के लिये

(ii) अन्य पदों के मृतक कर्मचारियों के आश्रितो के लिए 4 से 8 मरला

13. पिछले 5 वर्शो के दौरान पुलिस विभाग द्वारा टाईप के 3838 रिहाय ाी मकानो का निर्माण किया गया है तथा 3176 मकान निर्माणाधीन है।

14. कमाण्डो के जवानो की डाईट मनी 10 रूपये प्रति माह से बढाकर 20 प्रतिमाहन प्रति दिन कर दी गई है तथा कमाण्डो मे नियुक्त कुक व जलवाहक की डाईट मनी 5 रूपये से बढाकर 10 रूपये प्रति दिन की दी गई है।

15. पुलिस जवानो की भलाई के लिए हरियाणा पुलिस वैलफेयर एण्ड स्पोर्ट्स सोसाईटी का गठन किया गया है जिसके अन्तर्गत पुलिस कर्मचारियो तथा उनके परिवार को विभिन्न प्रकार

की रियासते दी गई है जैसे कि डैथ रिलीफ मनी, डिस्एबलिटी ग्रान्ट, रिटायमैन्ट बैनिफिट बच्चो को उच्च ि ाक्षा के लिए छात्रवृतियां और जरूरत पडने पर ऋण देना।

Providing of Industrial Security

1841. Sh. Puran Singh Dabra: Will the Chief Minister be pleased to state the stpes taken or likely to be taken to provide industrial security force in the state; if so, the detail thereof ?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): श्री मान जी, विवरण सदन के पटल पर रखा है।

विवरण

राज्य मे हरियाणा राज्य औधोगिक सुरक्ष बल को उपलबध कराने के लिए सरकार ने अधिसूचना दिनांक 13.10.2003 द्वारा हरियाणा राज्य औधोगिक सुरक्षा बल एक्ट 2003 को अधिसूचित राज्य विधान मण्डल द्वारा मन्जूर करने के उपरान्त किया था। उपरोक्त अधिसूचना के उपरान्त सरकार ने हरियाणा राज्य औधोगिक सुरक्ष बल की पांच वाहिनी स्वीकृति की। इन पांच वाहिनीयों मे से एक वाहिनी ने अपना कार्य आरम्भ कर दिया जिसमे सुपरवाईजरी स्टाफ, सहायक एवम लिपिक समेत वर्तमान साधनो से उपलब्ध करवाया गया है। सहायक उप निरीक्षक, प्रधान सिपाही तथा सिपाही जो जिला पुलिस और स ास्त्र पुलिस वाहिनीयो द्वारा सुरक्षा कार्यो पर भेजे गये थे उन्हे हरियाणा राज्य

औधोगिक सुरक्षा बल की वाहिनीयों मे प्रतिनियुक्त आधार पर तब तक स्थानान्तरित किया गया है जब तक नियमित प्रबन्ध नही किये जाये।

इन हरियाणा राज्य औधोगिक सुरक्षा बल की पांच वाहिनीयो के लिए निम्नलिखित 3450 सिपाहियों का चयन विभिन्न चयन बोर्डों द्वारा किया जा रहा है।

क्रम संख्या		पुरूश सिपाही	महिला सिपाही	कुल
1.	सामान्य डियुटी सिपाही	2367	646	3013
2.	सिपाटी (ड्राईवर)	250	.....	250
3.	सामान्य डियुटी सिपाही खिलाडी	83	20	103
4.	वायरलैस ओप्रेटर	68	16	84
	कुल	2768	682	3450

भर्ती की प्रक्रिया अम्बाला, गुडगांव, रोहतक, हिसार, यमुनानगर, झज्जर, जीन्द, पानीपत, सोनीपत, पंचकुला एमव

जी0आर0पी0 अम्बाला मे चयन बोर्डो द्वारा चल रही है तथा जो लगभग एक महीने मे पूरी हो जायेगीं जवानो की भर्ती एवम प्र ि ाक्षण पूर्ण होने के प चात ये पांचो वाहिनीयों राज्य के सरकारी या गैर सरकारी विभागो आदि मे उनकी मांग एवम उपलब्धता के आधार पर उपलब्ध कराई जायेगी।

घोशणाएं

(क) उपाध्यक्ष द्वारा –

(i) चेयर पर्सन्ज के नामो की सूची

Mr. Deputy Speaker: Now, there are some important annoucements.

Hon'ble Members, under Rule 13(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, the Hon'ble Spaeker nominated the following members to serve on the Panel of Chairpersons:-

1. Sh. Balwant Singh Maina, MLA

2. Sh. Purna Singh Dabra, MLA

3. Sh. Anil Vij, MLA

4. Sh. Balbri Pal Singh; M.L.A

(ii) याचिका समिति

Mr. Deputy Speaker: Hon'ble Members, under Rule 303 (1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in

the Haryana Legislatie Assembly, the Hon'ble Speaker nominated the following members to serve on the Committee on Petitions:-

1	Sh. Gopi Chand Gahlot, Deputy Speaker	Ex-officio Chairperson
2	Prof. Ram Bhagat, M.L.A	Member
3	Shri. Puran Singh Dabra. M.L.A	-do-
4	Sh. Jasbir Mallour, M.L.A	-do-
5	Sh. Jitender Singh Malik, M.L.A	-do-

(At this stage, the Hon'ble Speaker occupied the Chair)

(ख) अध्यक्ष द्वारा –

(i) सदस्यो के त्याग पत्र

Mr. Speaker: Hon'ble Members, under Rule 58 (2) of the Rule of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly. I have to infrom the House that Shri Krishan Pal Gurjar, M.L.A, Smt. Veena Chhibber, M.L.A, Shri Kapoor Chand, M.L.A, Smt, Sarita Narain, M.L.A, Shri Chander Bhatia, M.L.A and Shri Kanwar Pal, M.L.A have resigned their seats in Haryana Legilsative Assembly vide their letter dated 18th July, 2004, which were accepted by me 19th July, 2004.

(ग) सचिव द्वारा

Mr. Speaker: Now, the Secretary will make a announcement.

सचिव: महोदय, मैं उन विधेयकों को दर्शाने वाला विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने अपने फरवरी, 2004 तथा जून 2004 में हुए सत्र में पारित किए थे तथा जिन पर राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हूं।

February Session, 2004

The Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill, 2004,

June Session, 2004

1. The Haryana Appropriation (No. 3) Bill, 2002.

2. The Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill, 2004.

3. The Punjab Scheduled Roads and Controlled Areas Restiction of Unregulated Development (Haryana Second Amendment) Bill, 2004.

4. The Regtriction of Habitual offenders (Punjab) Haryana Repeal Bill, 2004.

5. The Punjab Habitual Offenders (Control and Reform) Haryana Repeat Bill, 2004.

6. The East Punjab Molasses (Control) Haryan Amendment Bill, 2004.

7. The Haryana Legilsative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill, 2004.

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव तथा उस पर वक्तव्य

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a calling attention notice No. 5 from Cpat. Ajay Singh Yadav, M.L.A and 4 other M.L.As. regarding declaration by the Government to apply the slab system for the tubewells in the State. I admit it. Cpat. Ajay Singh may read out his notice.

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव/स्थगन प्रस्तावो की सूचनांए

कैप्टन अजय सिंह यादवः सर मैने Bungling in the auction of Governement land in Gurgaon के बारे मे एडजर्नमैंट मो ान दिया था, उसमे बहुत बडी धांधली हुई है।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठे, आपने जो एडजर्नमैंट मो ांज दिए है मै उनका जवाब देता हू। पहला एडजर्नमैंट मो ान श्री कर्ण सिह दलाल का है। regarding decrease the share of water of district Faridabad in Agra Canal that has been disallowed. इनका दूसरा एडजर्नमैंट मो ान है। regarding the permission by the Haryana Government to open slaughter house in Gurgaon District that has been disallowed.

श्री कर्ण सिंह दलालः सर, मै यह जानना चाहता हू कि यह एडजर्नमैंट मो ान क्यो डिसअलाउ की गई है?

Mr. Speaker: Hear say is no evidence, थोडी देर पहले एक माननीय सदस्य ने सडक के बारे मे कहा आपको जानकारी है। उसके बारे मे आपने कहा कि सुना सुनाया कोई प्र ान ही नही है। आप लिखते ही सुना सुनाया है इसलिए हमने आपका यह मो ान डिसअलाउ कर दिया (ाोर) कैप्टन साहब, आप बैठिये और भी सुन ले क्योंकि आपका काफी मामला है।

Notice of Calling Attention Motion No. 3 regarding degradation of standard of education due to wrong policy of the Governement in Haryana, received form Capt. Ajay Singh Yadav and 4 other M.L.As. has been disallowed. Notice of Calling Attention Motion No. 4 received form Capt. Ajay Singh Yadav and 4 other M.L.As. regarding acqusiition of land in I.M.T manesar District Gurgaon, has been disallowed. Notice of Calling Attention Motion No. 5 regarding declaration by the Government to apply slab system for tubewells in the State of Haryana, received from Cpat. Ajay Singh Yadav and 4 other M.L.As. has been admitted for today.

Notice of Calling Attention Motion No. 6 regarding implemenatition of 85th amendment in Constitution of India regarding seniority of SC/ST Governement Servants, received form Capt. Ajay Singh Yadav and 9 other M.L.As. has been disallowed. Notice of Calling Attention Motion No. 7 regarding sitting up a University in the backward area of South Haryana received form Capt. Ajay Singh Yadav and 8 other M.L.As. has been disallowed.

Notice of Calling Attention Motion No. 8 regarding allotment of plots at Gurgaon by draw of lots by Estate officers

of HUDA, received from Capt. Ajay Singh Yadav and 4 other M.L.As. has been to Government for Comments.

Notice of Adjorunment Motion No. 1 regarding equitable distribution issue of water for irrigation in Haryana received from Capt. Ajay Singh Yadav and 3 other M.L.As. has been disallowed. Notice of Adjorunment Motion No. 2 received form Capt. Ajay Singh Yadav and 4 other M.L.As. has been disallowed. Notice of Calling Adjorunment Motion No. 3 regarding misuse of the Government to fund and machinery for celebration of Devi Lal jayanti at Fatehabad on 25th September, 2004 received from Cpat. Ajay Singh Yadav and 4 other M.L.As. has been disallowed.

Notice of Adjorunment Motion No. 4 regarding the issue of irregular supply of power being supplied to the Agriculture and domestic sector received from Capt. Ajay Singh Yadav and 8 other M.L.As. has been disallowed. Notice of Adjorunment Motion No. 5 regaridng to prepone of election of Panchayati Raj institutions and Local Bodies in Haryana, received form Capt. Ajay Singh Yadav and 9other M.L.As. has been disallowed. Notice of Calling Adjorunment Motion No. 3 regarding the alleged irregulatrities in auction of Governmen land receiced from Cpat. Ajay Singh Yadav and 7 other M.L.As. has been disallowed.

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर सर, मै आपसे जानना चाहूंगा कि जो मो ान आपने डिसअलाए किए है वे किस बेस पर किए है?

श्री अध्यक्षः आपको कारण लिखकर भेज दिए है और यदि किसी एक आध का कारण रह गया है तो वह भी आपको भेज दिया जायेगा।

कैप्टन अजय सिंह यादवः मुझे नही मिले है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः अब कैप्टन साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाये। कैप्टन साहब, ये Administrative मामले है इनमे आप दखल न करे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय,..... (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः दलाल साहब की कोई बात रिकार्ड नही की जाए। (ाोर एवम व्यवधान) उदयभान जी, प्लीज आप बैठे। मेरी परमि ान के बगैर खडे न हो।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, एक दिन का सै ान है और आप कह रहे है कि मेरा एक कांलिग अटै ांन मो ान आपने कंसीड्रै ान के लिए भेजा हुआ है।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, एक दिन के सैं ान मे कोई 6–6 एडजर्नमैंट मो ान थोडी दिए जाते है। आपके विभाग की तारीफ करनी होगी कि आप एक दिन के सै ान मे 6–6 एडजर्नमैंट मो ान देते हो। आप अपनी पार्टी के डिप्टी लीडर है, डिप्टी लीडर ऐसा नही करते। 6–6 एडजर्नमैंट मो ान का डिसीजन अभी थोडी ही हो जायेगा।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, प्लीज आप बैठे। आप आपकी कोई बात रिकार्ड नही हो रही है।

कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, ...(ाोर एवम व्यवधान)

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय,..... (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः प्लीज आप बैठे। इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए। (ाोर एवम व्यवधान)

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पेश करना

Mr. Deputy Speaker: Hon'ble Members, now I report the time table of various Business fixed by teh Business Advisory Committee.

The Commitee meet at 10.30 A.M. on Wednesday, the 29nd September, 2004 in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

"The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs, the Assembly, whilst in session, shall meet on Wednesday, 29nd September, 2004 at 2.00 P.M. and adjourn after teh conclustion of the Business entered in the list of Business for the day without quesiton being put.

The Committee after some discussion also recommends that the business on Wednesday, the 29nd September, 2004, be transacted by the Sabha as follows:-

Wednesday, the 29nd September, 2004 (2.00 P.M.)	1	Obituary Referecnes.
	2	Question Hour.
	3.	Presentation and adoption of First Report of the Business Advisory Committee.
	4.	Motion under Rule-15 regarding Non-Stop sitting

	5.	Motion under Rule-16 regarding adjournment of the Sabha Sine die.
	6.	Papers to be laid/re-laid on the Table of the House.
	7.	Presentation, of four Preliminary Repoats of the Committee of Privileges and extension of time for the presentation of final reports thereon.
	8	Legislative Business."

Mr. Deputy Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion that this House agrees with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Finance Minsiter (Prof. Sampat Singh): Sir I beg to move-

That this House agrees with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House agrees with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, यह प्वायंट आफ आर्डर का समय नही है। आपको बोलने के लिए मौके का पता नही है कि किस समय बोलने के लिए खडा होना चाहिए। (ाोर एवम विघ्न) आप बोलना नही चाहते तो बैठ जाए। आपको बोलने से पहले मुझसे पूछना पडेगा और फिर मै आपको मौका दूंगा।

चौ. भजन लालः स्पीकर साहब,.....

वित मंत्री प्रो0 सम्पत सिंहः इन्होन जो अनापार्लियामेंटरी भाब्द इस्तेमाल किए है वे कार्यवाही मे से निकालवांए जांए।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी ने जो अनापार्लियामेंटरी भाब्द इस्तेमाल किए है वे कार्यवाही मे से निकाल दिए जाएं। (ाोर एवम विघ्न) अब मैने मो ान मूव कर दिया है। अब आप बोलना चाहते हो तो बोल सकते हो। आपकी बीफोर टाईम गाडी चलती है, ध्यान रखे कि बीफोर टाईम चलने वाली गाडी का एक्सीडैंट हो जाता है। (ाोर एवम विघ्न)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मुझे प्वायंट आफ आर्डर पर बोलने का अधिकार है।

श्री अध्यक्षः ठीक है, लेकिन मो ान मूव होने के बाद ही आप बोल सकते है। सम्पत सिंह जी ने मो ान मूव कर दिया है, इसलिए अब आप बोल सकते है। पहले आप समय से पहले बोल रहे थे। आपको यह पता नही कि किस समय बोलना चाहिए। आप बोलने का मौका चूक जाते हो। (ाोर एवम विघ्न)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब,.....

श्री अध्यक्षः इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये। आपने कुछ कहना ही नही है इसलिए आप बैठ जाए। (ाोर एवम विघ्न) किसी की कोई बात रिकार्ड न की जाये। (ाोर एवम विघ्न) आप लोग बतांए कि चौधरी भजन लाल जी ने बोलना है या आपके डिप्टी लीडर ने बोलना है ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, आप सुनने की कृपा करे। पहले यह सै ान 3 दिन के लिए बुलाया जाना था। इस बारे मे मेरी पहली बात यह है कि अभी अढाई महीने पहले ही सै ान बुलाया गया था इसलिए इस सै ान को बुलाये जाने की आव यकता नही थी। इन्होने यह सै ान इसलिए बुलाया है कि अगर इनका यह आखिरी सै ान है। आप लोग दुबारा नही आ पाओगे। (ाोर एवम विघ्न) ..... (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः इनकी यह बात रिकार्ड न करे। भजन लाल जी आप चेयर को सम्बोधित करके बात कहे। पहले आप बतांए कि आप लड रहे है या बोल रहे है। आप मुझे सम्बोन्धित करके बोले न कि किसी विधायक की तरफ देख कर बोले। (ाोर एवम विघ्न)

चौधरी भजन लालः आपके मेरी इज्जत करनी चाहिए क्योंकि मै उम्र मे मुख्यमंत्री जी से भी बडा हू।

श्री अध्यक्षः आपने जो भी बात कहनी है वह सिर्फ आज की कार्यवाही का एजेंडा जो सदन के सम्मुख रखा गया है यानि जो बी0ए0सी0 की रिपोर्ट पे ा हुई है उस बारे मे कहे।

चौधरी भजन लालः आपने आज एक दिन का सै ान कर दिया जबकि पहले हमे बताया गया था कि 3 दिन का सै ान चलेगा। इससे बुरी बात और क्या हो सकती है कि सै ान का समय आज 3 दिन से कम करके केवल एक ही दिन का कर दिया। मुख्यमंत्री जी का काम करने का तरीका बहुत ही खेदजनकर है। इस तरह का काम करना इन्हे भाोभा नही देता। ... ...

श्री अध्यक्षः इनके ये भाब्द रिकार्ड न किए जाये। चौधरी भजन लाल जी आपको क्या हो गया है, आप ठीक ढंग से बोले।

चौधरी भजन लालः मुख्यमंत्री जी द्वारा इस तरह से सै ान बुलाये जाने के बारे मे बाहर के लोग क्या महसूस करते होगे? अखबारो के माध्यम से लोगो के सामने आपका क्या रवैया

जायेगा? एक दिन सै ान बुला लिया और आज ही खत्म कर देगे तो लौग क्या सोचगे और सरकार की और हाउस मे बैठे हुए लोगो की क्या इज्जत रहेगी ? अध्यक्ष महोदय, वैसे तो 10 दिन का सै ान बुलवाया जाना चाहिए था लेकिन अगर 10 दिन का सै ान नही बुलाना था तो कम से कम सात दिन का सै ान तो जरूर होना चाहिए। आज बुधवार को सै ान बुलवाया गया है और आज बुधवार को ही सै ान खत्म हो जाएगा यह बडी ही खेदजनक बात है जो कि भाोभा नही देती है इसलिए हम डटकर इसका विरोध करते है और सरकार से यह कहते है कि कम से कम सात दिन का सै ान जरूर बुलवांए। इनको किस बात का खतरा है, इनको क्या डर है, ये भाग क्यो रहे है (विघ्न) जनता का डर तो है, जनका तो इनको भगा ही देगी इसमे कोई सदेंह नही है कि यो जाने वाले है लेकिन कृपा करके हाउस को एक हफते के लिए बुलांए ताकि सारे मैम्बर्ज इनके घोटालो के बारे मे चर्चा कर सकें (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इनके बडे भारी घोटाले है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप बैठिए। (ाोर एवम विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनिये।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप अपनी सीट पर बैठे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी की रिपोर्ट हाउस मे सबमिट की गई है और मै इस पर बोलना चाहता हू। अध्यक्ष महोदय, हमने आपकी सेवा मे सात ऐडजार्नमैंट मो ान्ज और छः कांलिग अटै ांन मो ान्ज दी हुई है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः क्या सात ऐडजांर्नमैंट मो ान्ज एक ही दिन मे टेकअप करना सम्भव हो सकतो है ? (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुन लीजिए। मै यह कहना चाहता हू कि जैसे बांड इ ू का मामला और दूसरे मुद्दे है आपने यह बताया है कि वे अण्डर कंसिड्रै ान है लेकिन अगर एक दिन का सै ान होता है तो उन पर डिसक ान कब होगा? अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से गुडगांव मे सरकारी भूमि की आक ान मे बंगलिंग की बात है इस पर कब डिसक ान होगी? आठ बिल्ज है और इनमे से चार बिल हमे यहां आ कर मिले है। मैने इस बारे मे आपको एक चिट्ठी भी लिखी थी जिसमे हमने कहा था कि "As per rule 129 (c) of the Ruls of Procdure and Conduct of Business in the Haryana legislative Assembly, it is mandatory of that the Bill is to be moved in the Assembly be made available to the Members, 5 days before the day on which the motion is made." अध्यक्ष महोदय, आज आपने यहां पर बिल ला कर रख दिये है और आप कह रहे है कि आज ही इन पर डिस्क ान भी हो जाए। केवल एक दिन का सै ान है, आप बताइये कि मैम्बर्ज बिल्ज को कब पढेगे? कुछ बिल्ज हमारे

पास रात को ही पहुचे ह। अध्यक्ष महोदय, आठ बिलो पर डिस्क ान होनी है और सबसे अहम बिल पंचायती राज बिल है जिनके बारे मे हम डिस्क ान करना चाहेगे। एक कुरूक्षेत्र भाराईन बिल है उस पर भी हमे अपनी बात कहनी है।

श्री अध्यक्षः जब वह बिल पे ा होगा तो आप जो कहना चाहते है वह कह लीजिए, अब आप अपनी सीट पर बैठे।(ाोर एवम विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुन लीजिए। 14 तारीख का कैबिनेट मीटिंग थी और 29 तारीख को आपने सै ान बुला लिया। मैम्बर्ज को अपने क्वै चन देने के लिए 14 दिन का समय भी नही मिला। लेकिन अब आप मैम्बर्ज को ही कह रहे है कि उन्होने क्वै चन नही दिए। अध्यक्ष महोदय, बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी की मीटिंग मे मैने रिक्वैस्ट की थी कि कम से कम 10 दिन का टाईम सै ान के लिए रखा जाए लेकिन आपने हमारी बात नही सुनी तथा मुख्यमंत्री जी भी कहने लगे कि कोई वर्क नही है। इतना सारा वर्क पडा है काफी ऐसी मैम्बर्ज है जो भाायद एक दफा भी नही बोले है, उनको आप बोलने का मौका दे ताकि वे अपनी बात कह सके। एक दिन का सै ान आपने रखा है संविधान के मुताबिक तेा आप यह एक भद्दा मजाक कर रहे है। स्पीकर साहब, मैने बी0ए0सी0 की मीटिंग मे भी कहा था तथा मै यह कह कर मीटिंग से उठ कर आ गया था कि अगर आपने हमारी बात नही सुननी है तो मै जा रहा हूं। आपने

हमे बिजनैस एडवाईजरी कमेटी का मैम्बर बनाया है लेकिन आप हमारी बात न सुने तो यह अच्छी बात नही है। हमारी जो ऐडजार्नमैंट मौ ान्ज है आप कम से कम उन पर ध्यान दे और एक हफ्ते का सै ान कम से कम हो। आपसे मेरा अनुरोध है कि आप हाउस के कस्टोडियन है और इस कुर्सी पर बैठे हएु है हांलांकि थोडे समय के लिए ही आप बैठे हुए है। आने वाले दिनौं मे तो आप आने वाले नही है। मेरी आपसे विनती हे कि अगर थोडी बहुत मर्यादा है तो आप गवर्नमैंट की डायरैक्ट कीजिए कि सै ान की अवधि बढांए। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुने। सै ांन के लिए 14 दिन के नोटिस का समय होता है लेकिन नोटिस के 14 दिन नही बनते है। सरकार ने अपने फायदा के लिए यह सै ान बुलाया है। मै आपसे विनती करता हू कि अपनी मान मर्यादा के लिए सै ान की अवधि बढांए।

श्री कर्ण सिंह दलाल (फरीदाबाद): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हू कि एक दिन का सै ान तो मखौल बन कर रह गया है। आज तक हरियाणा के इतिहास मे कभी ऐसा नही हुआ होगा कि सै ान तो बुलाया जाए तीन दिन के लिए और उसे एक दिन मे ही समाप्त कर दिया जाए। स्पीकर साहब, सरकार का पांच साल का लेखा जोखा है, इतने भूमि के घोटाले है उन पर सब के अपनी बात कहनी है।.....
.....

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप बिजनस एडवाईजरी कमेटी की रिपोर्ट पर नही बोल रहे है इसलिए आप अपनी सीट पर बैठे। (विघ्न अब आप जो भी बोल रहे है वह कुछ भी रिकार्ड नही है। इसलिए आप बैठे। (ाोर एवम विघ्न) क्या आप ठीक बात कर रहे है आप कभी ठीक बात तो कहते नही नही है। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप अपनी सीट पर बैठे। (ाोर एवम विघ्न) हर बात पर खडा होने की आपकी आदत सी हो गई है लेकिन आप फिर भी सब्जैक्ट पर नही बोल रहे है इसलिए आप बैठे। (विघ्न) ये जो कुछ भी ये बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। (ाोर एवम व्यवधान)

परिवहन मंत्री श्री अ ाोक अरोडाः आप तो उसके साथ साजि ा मे भाामिल हो। आप पंजाब सरकार मे भाामिल हो, केन्द्र की सरकार मे भी भाामिल हो। आप उनके साथ मिलकर साजि ा कर रहे हो। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठ जांए। (ाोर एवम व्यवधान) कादियान जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाए। जगजीत सिंह जी, आप भी अपनी सीट पर बैठे जांए। (ाोर एवम व्यवधान) प्रोफेसर साहब, आप बोले। (ाोर एवम व्यवधान) आप सब बैठ जांए, वित मंत्री जी बोलने के लिए खडे है।

वित मंत्री (प्रो सम्पत सिंह): सर, आप इनको बिठाए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः राम कि ान फौजी, आप बैठ जांए। (ाोर एवम व्यवधान) जगजीत सिंह जी, आप बैठ जाए। (ाोर एवम व्यवधान) नही, नही, आप सब बैठ जाएं। आप मेसे किसी का कुछ भी रिकार्ड नही हो रहा है क्योकि आपसब बिना इजाजत के बोल रहे है।इसलिए आप सब अपनी सीट पर बैठ जाए। (ाोर एवम व्यवधान)

वाक आउट

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी इजाजत से अन्डर रूल 30 पर बोलना चाहता हू। स्पीकर साहब, इक्वीटे ान डिस्ट्रब्यू ान पर बोलना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः कादियान जी, यह विशय दूर चल गया है। आप बहुत लेट हो गए हो। अब तो टाईम टेबल का जिकर है। (ाोर एवम व्यवधान) आप बैठ जांए, आप तै ा मे न आएं । (ाोर एवम व्यवधान) मै आपको वार्न करता हू।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, ...

श्री अध्यक्षः इनकी कोई भी बात रिकार्ड नही की जाए।(ाोर एवम व्यवधान) आप बैठ जाए, आपका कुछ भी रिकार्ड

नही हो रहा है। (ाोर एवम व्यवधान) आप बैठ जाए। मै आपको वार्न करता हू। इनका कुछ भी रिकार्ड न किया जाए।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, ...

श्री अध्यक्षः कादियान जी, आप अपनी सीट पर बैठे जांए, मै आपको आखिरी वार्निग देता हू। आप लोकतंत्र का मजाक न उडाए। आप सीमा मे रहे। (ाोर एवम व्यवधान) इनका कुछ भी रिकार्ड न करे क्योकि ये सब्जैक्ट पर नही बोल रहे है। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब,.....

चौ0 भजन लालः स्पीकर सर, ...

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आपकी बात हो चुकी है। आप बिना परमि ान के बोल रहे है। आपका कुछ भी रिकार्ड नही किया जा रहा है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात नही सुन रहे है। और न ही हमारी बात मान रहे है। इसलिए हम सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय सदन मे उपस्थित इण्डियन नै ानल कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्य एवम आजाद सदस्य श्री जय प्रका ा गुप्ता जी, श्री राजेन्द्र सिंह बिसला, श्री देव राज, श्री दीवान, श्री भीम

सेन मेहता, श्री दरियाव सिंह, श्री तेजवीर सिंह और श्री उदयभान सदन से वाक आउट कर गए।)

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट (पुनरारम्भ)

श्री राम कि ान फौजी (बवानी खेडा): अध्यक्ष महोदय, सदन का समय बहुत ही कीमती समय है और एस0वाई0एस0 का मुद्दा बहुत ही गम्भीर मुद्दा है। अध्यक्ष महोदय, सुप्रीम कोर्ट का फेसला हमारे हक मे आया है। और इस सरकार के हम के आया है। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से सभी सदस्यों से और कांग्रेस के भाईयो से निवेदन है कि ये भाोर न मचांए। मेरे कांग्रेस के भाई सोनिया जी से कहे कि वे हरियाणा मे पानी लाए। अगर ये पानी नही ला पाते है तो इसके लिए दोशी है। (ाोर एवम व्यवधान) यहां पर पानी के बारे मे और दूसरी बातो के बारे मे सबसे ज्यादा अनिता जी भाोर मचाती है। (ाोर एवम व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, ये क्या बात कर रहे है?

श्री अध्यक्ष: कैप्टन साहब, आप बैठ जांए। (ाोर एवम व्यवधान) अब कैप्टन साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाए। कैप्टन साहब, आप फौजी साहब को बोलने दे।

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, ...

श्री राम कि ान फौजी: अध्यक्ष महोदय, मै कांग्रेस पार्टी की या सिकी दूसरे की बुराई नही कर रहा हू। मै केवल इतना ही कर रहा हू कि कांग्रेस के 9 एम0पीज0 है लेकिन इन मे किसी ने भी एस0वाई0एल0 कैनाल के पानी लाने के बारे मे एक बार दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री से बात नही की है कि आप हमे इसका पानी दिलवांए। इनको उनसे कहना चाहिए था कि अगर आप हमे इसका पानी नही दिलवांएगे तो हम इसके विरोध मे इस्तीफा दे देगे। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से अगर मौजूदा सरकार चाहती तो आज से तीन साल पहले ही एस0वाई0एल0 कैनाल का पानी हरियाणा मे आ सकता था लेकिन मौजूदा सरकार चाहती ही नही थी। अगर कैन्द्र सरकार हमे इसका पानी नही दे रही थी यह रोड रोक देते, बसे फूंक देते लेनिक मौजूदा सरकार ने इस बारे मे आज तक एक कदम भी नही उठाया।

श्री अध्यक्ष: फौजी साहब, आप यह बताए कि इस मामले मे दिल्ली की सरकार का क्या रोल है ?

श्री राम कि ान फौजी: अध्यक्ष महोदय, दिल्ली की सरकार ने तो बिल्कुल तबाह कर दिया है । हरियाणा की जनता ने मौजूदा सरकार को यहां पर और काग्रेंस के 9 एम0पीज0 को हरियाणा के हित मे बचाने के लिए चुनकर भेजा था कि उनके हितो पर कुठाराघात करने के लिए। कांग्रेस वालो को 9 एम0जी0 का वहम हो गया है लेकिन मै इनको बताना चाहूंगा कि अब उनकी किसी की भी जमानत नही बचेगी। (ाोर एवम व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा विकास पार्टी नाम की चिडिया प्रदे ा मे नही रहेगी। क्योकि इनकी सारी पार्टी टूट रही है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप दोनो लडो मत। दोनो के हाल ठीक हो जाएगा। आप चिन्ता न करे। फौजी साहब, कैप्टन साहब ने ठीक ही कहा है। आप दोनेा ही नही रहेगे।

श्री राम कि ान फौजीः अध्यक्ष महोदय, आप भी नही रहेगे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप कौन सी पार्टी मे है।

श्री अध्यक्षः मै आपकी पार्टी मे हू मै सभी की पार्टी मै हू। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री राम कि ान फौजीः अनिता जी, आप बता दे के पानी लाने के लिए आपकी पार्टी ने क्या किया है ? (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः फौजी साहब, ये आपकी बात से सहमा है क्योंकि इनमे से आपकी बात का कोई जवाब नही दे रहा है।

वित मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर साहब, अभी चौधरी भजन लाल जी, कैप्टन साहब, दलाल साहब, और दूसरे अन्य साथियो ने ऐतराज उठाया कि एक ही दिन का सै ान है

जब कि पहले तीन दिन का काल किया गया था और यह सै ान कम से कम दस दिन बारह दिन या पन्द्रह दिन का होना चाहिए। स्पीकर साहब, इन्होने यह प्र ान आपके सामने उठाया है। आप हरियाणा विधान सभा की प्रोसीडिंग्ज का रिकार्ड देख ले। पौने पांच साल से जिस तरह से इनकी कार्यवाही रही है, योगदान रहा है, कंट्रीब्यू ान रहा है, वह सब को पता ही है। जांतत्र के अंदर अकेली रूलिंग पार्टी नही होती है। बल्कि विपक्ष भी होता है। जब अधिवे ान होता है तो जनता भी देखती है कि रूलिंग पार्टी के लोग क्या जवाब देते है और अपोजी ान वाले क्या पूछते है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, आप बैठ जाऐ।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैने तो कभी भी किसी को इंट्र ान नही की। मै कभी किसी मैम्बर को एड्रैस करके नही बोलता और न ही कभी किसी को इंट्रप्ट करता। मै आपको एड्रैस करके ही बोलता हू। मै कहना चाहता था कि सैल्फ कंट्राडिटरी बयान इनकी पार्टी के प्रधान ने दिए है। भजन लाल जी ने बोलते हुए पहली बात यह कही है कि इस सै ान को बुलाने की आव यकता नही थी। अध्यक्ष महोदय, यही से इनकी मं ाा हो जाती है। मुझे बडे खेद के साथ कहना पडता है कि प्रजातंत्र के अंदर जंहा एक तरफ हाउस का लीडर होता है जिनको हम मुख्यमंत्री कहते है और दूसरी तरफ विपक्ष के नेता भी होता है कांग्रेस पार्टी अपने आपको ने ानल पार्टी कहती है ।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः सिर्फ कही नही है असम मे ने ानल पार्टी है।.....

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मै डा0 रघुबीर सिंह कादियान को बताना चाहता हू कि .....

Dr, Raghubir Singh: I am addressing to the Speaker not to you.

Prof Sampat Singh: Sir, out of 550 seats, the Congress has got only 145 seats. So Congress Party is not a national party. रीजनल पार्टी वाले भी 140–145 सीट्स ले जाते है।

श्री अध्यक्षः रघुबीर सिंह कादियान, आप बैठ जांए, आपकी कोई बात रिकार्ड नही हो रही है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप यह बात कैसे कह रहे है।.....

श्री अध्यक्षः कप्तान साहब, आप बैठ जांए। आपकी कोई बात रिकार्ड नही हो रही है। अग्रेजो की बनाई पार्टी है अंग्रेजो का कब्जा है। आप बैठ जाइए। (ोर एवम व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, पहली बात मैने बता दी थी कि ने ानल पार्टी जो मुख्य विपक्ष कहलाता है उनके अध्यक्ष ने अपनी बात स्टार्ट करते ही कहा था कि पहली बात तो इस सै ान को बुलाने की आव यकता नही थी। मुझे यह बात

इसलिए दोहरानी पड रही है कि पहले भजन लाल जी बैठे नही थे।

चौधरी भजन लालः सै ान क्यो बुलाना पडा क्या आप यह भी बताएगे ?

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी एक हैबिट है कि मै चेयर को ऐड्रस करता हू। भजन लाल जी मुझे अपनी बात कह लेने दे उसके बाद वे अपनी बात कह दे।

आई0जी0 (से0नि0) श्री भोर सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह जो अग्रेज का राज वाली बात कही गई थी that has be expunged.

श्री अध्यक्षः राज नही पार्टी जो कि अग्रेजों ने बनाई थी। कांग्रेस पार्टी के पहले प्रधान अग्रेज थे और अब इटली की है। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मै इनको बताना चाहता हू कि चौधरी देवी लाल जी ने भी तो आधी उम्र कांग्रेस पार्टी मे बिताई है।

प्रो0 सम्पत सिंहः चौधरी देवी लाल जी उस पार्टी के सदस्य रहे है जिसके बैनर के नीचे दे ा की आजादी की लडाई लडी गई। उस आजादी की लडाई के बाद कांग्रेस ने आजादी का जो सुख भोग उस पार्टी मे चौधरी देवी लाल जी नही रहे है। जब

आजादी की लडाईलडी गई उस वक्त चौधरी देवी लाल जी मैंबर थे, इस बात को हम फरख है कि हमारे नेता स्वतंत्रता सेनानी रहे है। छोटी सी उम्र मे, 14 साल की उम्र मे जेल जाना और अग्रेजो के खिलाफ लडाई लडना इस बात को इनको ऐप्री ाएट करना चाहिए कि कांग्रेस पार्टी ने जब दे ा की आजादी की लडाई लडी तक चौधरी देवी लाल जी भी ये लडाई लड रहे थे। दे ा आजाद होने के बाद दे ा की आजादी के नाम फायदा उठाकर कांग्रेस ने जिस तरीके से दे ा का भाोशण किया है उस काग्रेस के चौधरी देवी लाल जी मैंबर नही थे।

चौधरी भजन लालः चौधरी देवी लाल काफी समय तक कांग्रेस के मैंबर रहे है।.....

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी कोई बात रिकार्ड न की जाए।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हम और आप भी विपक्ष मे होते थे तब हम आपने सवाल जब हाउस एडजर्न होता था उसके अगले वीक मे भेज दिया करते थे। इसका मतलब तो यह है कि ये 15 दिन पहले ही सीरियस होते थे बाकी साल सीरियस नही होते केवल मात्र भाोर माचाते है। हरियाणा विकास पार्टी के सदस्य फौजी साहब ने एक बात कही। हालांकि मै यहा पर उनकी बात दोहनाना नही चाहता उन्होने कहा था कि एस0वाई0एल0 नहर के मामले मे कांग्रेस पार्टी सीरियस नही है।

कांग्रेस पार्टी ने इस बारे मे कुछ नही किया कि, ना ाा कर दिया मै सारी बाते रिपीट नही करना चाहता। लेकिन उन्होने इधर भी इ ाार किया कि यह सरकार भी इस मामले मे सीरियस होती तो अब तक नहर बन जाती। स्पीकर साहब, 24.7.1999 को जिस दिन चौधरी ओमप्रका ा चौटाला की सरकार ने कार्य भार संभाला उसी दिन से एस0वाई0एल0 नहर के मामले को जो बस्ता बन्द पडा था उसको ढूंढा और उसे खोलने का काम किया और सिर्फ खोलने का ही नही किया बल्कि बडे से बडे वकील को एनगेज किया और कानूनी लडाई लडी और उसका नतीजा आया 15.1.2002 को। इससे बढिया और क्या हो सकता है? उस नतीजे मे कहा गया कि एक साल के अन्दर उस नहर को पजांब सरकार बनायेगी अगर पजांब सरकार नही बनायेगी तो केन्द्र की सरकार बनायेगी।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै प्वायंट आफ आर्डर पर बोलना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः आप बैठिये आपका कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, इनको बोलने दे ये प्वांयट आफ आर्डर पर बोलना चाहते है।

श्री अध्यक्षः आप अपने नेता की सिफारि ा कर रहे है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै प्वायंट आफॅ आर्डर पर बोलना चाहता हू। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप बैठिये कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है। कैप्टन साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाये।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय,.....

प्रो0 सम्पत सिंहः लीगल बैटल लडी गई थी। चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी को ता था कि पजांब मे इस नहर के मामले मे राजनीतिकरण हो रहा है। और इस राजनीतिकरण के होते पजांब मे कोई भी पार्टी इस नहर को नही बनायेगी चाहे वह पार्टी सुबह सवरे उठी हो और उसके अपनी आखे भी नही धोई हो, चाहे वह काग्रेस पार्टी हो, चाहे अकाली पार्टी हो, चाह भारतीय जनता पार्टी हो।

16.00 बजे

कोई भी पार्टी हो सभी एक ही बात कहती है कि हम हरियाणा की जनता को एक बूंद पानी नही देगे, सारी पार्टियों इस मामले मे एक है। यह सोचते हुए ही हमारे मुख्यमंत्री जी महोदय ने सोचा कि इसका कोई राजनीतिक हल नही हो सकता इसका हल तो कानूनी होगा। हाईस्ट कोर्ट आफ दि लैंड सुप्रीम कोर्ट मे पैरवी करके हम इस केस को जीतकर आए। 15 जनवरी को हम जीते, उसके बाद स्पीकर साहब, आपको पता है कि फरवारी मे पजांब मे चुनाव हो चुके थे और वहां सता परिवर्तन के बाद कांग्रेस की सरकार आ गई थी और आने के बाद मालूम चला कि नवम्बर तक कोई काम नही हुआ। मेरे ये साथी कोई नही बोले,

कोई चुस्के नही, कांग्रेस की सरकार पजांब थी, ये पजांब के मुख्यमंत्री जी से मिले नही, ये कैप्टन अमरेन्द्र सिंह जी से मिलते और नहर बनवाते। पजांब की कांग्रेस की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदे ा को भी नही माना। हमारे मुख्यमंत्री जी चौधरी औमप्रका ा चौटाला जी जानते थे कि पजांब की सरकार यह नहर नही बनवाएगी तो नवम्बर मे चौधरी औम प्रका ा चौटाला की सरकार सुप्रीम कोर्ट मे यह डायरैक ान लेने के लिए गई कि गवर्नमैंट आफ इडिया का डायरैक्ट किया जाए और उनको टाइम बांउड किया जाए कि इस नहर को बनाया जाए। चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी को पहले ही मालूम था कि वहां 15 पार्टियो है वे नहर नही बनवाएगी। (ाोर एवम व्यवधान) मै फौजी के सवाल का जवाब दे रहा हू जो उन्होने बेसिक सवाल उठाया था कि 4 साल तक सरकार क्या करती रही, I am telling about that कि सरकार क्या कर रही है। (ाोर एवम व्यवधान) उसके बाद 14 जनवरी, 2003 आई, डे वन था कि गवर्नमैंट आफ इडिंया के पाले मे गेंद जानी थी, हमारे मुख्यमंत्री महोदय पहले की कोर्ट मे चले गए, ये लोग साल बाद धरना देते है। 4 जून, 2004 को फेसला आया। वह फैसला अपने आप मे एक इतिहास बन गया। जैसे एक नवम्बर, 1966 एक इतिहास है जब चौधरी देवी लाल जी ने हरियाणा बनवाया था वैसे ही 4 जून, 2004 को भी एक इतिहास रचा गया जब सुप्रीम कोर्ट ने आर्डर दिया कि within one month सैन्ट्रल एजैंसी एप्वायंट की जाए उसके बाद within 14 days काम को एक्जीक्यूट किया जाए। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय,

भजन लाल जी कोर्ट में without notice of 80 CPC गए। अब ये कह देगे 80CPC क्या है? इन्होने एक तारीख भी नही भुगती, जब तक इनकी सरकार रही, क्या किसी को इन्होने कोई नोटिस दिया, इन्होने कोई तारीख नही भुगती। केवल औपचारिकता पूरी करने के लिए ये कोर्ट मे गए थे। इनकी कोई याचिका कानूनी तौर पर वहां ठहर नही सकी। इन्होने मात्र यही काम किया कि ये without 80 CPC कोर्ट मे गए, कोई इनका नोटिस नही था। जो कुछ भी किया आदरणीय ओम प्रका ा चौटाला जी ने किया, प्रजैट गवर्नमैंट ने किया। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मै फौजी के सवाल का जवाब दे रहा हू।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, इस समय तो बी0ए0सी0 पर डिस्क ान चल रही है, क्या इस समय यह डिस्क ान आप ठीक मानते है ? (ाोर एवम व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अनुमति दी और फोजी ने यह पूछाा था इसलिए यदि उसका जवाब हम नही देगे तो यह हमारे पार्ट पर कोताही होगी।

Mr Speakder: Question is-

That this House agress with the recommendations contained in the first Report of the Business Advisory Committee.

The motion was carried.

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the Motion under Rule 15.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That the proceedings on the items of Business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule Sitting of the Assembly idefnitely.

Mr Speakder: Motion moved-

That the proceedings on the items of Business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule Sitting of the Assembly idefnitely.

Mr Speakder: Question is-

That the proceedings on the items of Business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule Sitting of the Assembly idefnitely.

The motion was carried.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the Motion under Rule 16.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjournde sine die.

Mr Speakder: Motion moved-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjournde sine die.

Mr Speakder: Question is-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjournde sine die.

The motion was carried.

सदन की मेज पर रखे जाने वाले/पुनः रखे जाने वाल कागज पत्र

Mr Speakder: Now, a Minister will re-lay/lay the papers on the Table of the House.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to re-lay/lay the papers on the Table of the House.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 21/H.A 20/1973/S. 64/2003, dated the 7th February, 2003, regarding the Haryana General Sales Tax Rules, 1975, as requried under Sections 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 32/H.A 20/1973/S. 64/2003, dated the 11th March , 2003, regarding the Haryana General Sales Tax Rules, 1975,

as requried under Sections 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 36/H.A 20/1973/S. 64/2003, dated the 26th March, 2003, regarding the Haryana General Sales Tax Rules, 1975, as requried under Sections 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 132/H.A 13/2000/S. 26/2003, dated the 31st October, 2003, regarding the Haryana Local Area Development Tax Rule, 2001, as requried under Sections 27 of the Haryana Local Area Development Tax Act, 2000.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 135/H.A 13/2000/S. 11/2003, dated the 13th November, 2003, regarding the Haryana Local Area Development Tax Rule, 2001, as requried under Sections 27 of the Haryana Local Area Development Tax Act, 2000.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 10/H.A 13/2000/S. 11/2004, dated the 22nd January, 2004, regarding , exemption/reduction of tax with effect from 22nd January, 2004 payable under the Haryana Local Area Development Tax Rule, 2001, as requried under Sections 27 of the Haryana Local Area Development Tax Act, 2000. in exicercise of te powers conterred by section (11)1 of the Act ibid and all other enabling powers and in supersession under section 27 of the Haryana Local Area Development Tax Act, 2000.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 11/H.A 13/2000/S. 11/2004, dated the 22nd January, 2004, regarding , the amendment in Haryana Government Excise and Taxation Department Notification No. S.O 118/H.A 13/2000/ S. 11/2000 dated 29nd September, 2000 as required under Section 27 of the Haryana Local Area Development Tax Act, 2000.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 12/H.A 13/2000/S. 11/2004, dated the 22nd January, 2004, regarding , exemption/reduction of tax with effect from 22nd January, 2004 payable under the Haryana Local Area Development Tax Rule, 2001, as requried under Sections 27 of the Haryana Local Area Development Tax Act, 2000. in exicercise of te powers conterred by section (3)1 of the Act ibid and all other enabling powers and in behalf and in supersession of Haryana Government Excise and Taxation Department Notification No. S.O 9/H.A 13/2000/S. 11/2003, dated the 27th January, 2003 regarding the Haryana Local Area Development Tax Act, 2000.

The Parliamentary Affairs Department Notfication No. S.O 45/ H.A 9/1979/S. 8/2004, dated the 29 April, 2004, regarding the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Rules, 1979, as required under section 8(3) of the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Act, 1979

Sir, I also beg to lay on the table of the House.

The Education and Languages Departement Notification No. S.O 22/H.A 12/1999/S, 24/2001, dated the

20th February, 2004 regarding Haryana School Education (Amendment) Rules, 2004, as required under Section 24(3) of the Haryana School Education Act, 1995.

The Education and Languages Departement Notification No. S.O 67/H.A 12/1999/S, 24/2001, dated the 11 August, 2004 regarding Haryana School Education (Second Amendment) Rules, 2004, as required under Section 24(3) of the Haryana School Education Act, 1995.

The Annual Report of Haryana Chaudhary Chara Singh Haryana Agricultural University, Hisar for the year 2002-2003, as required under sub para (5) of para II of the Scheduled with the Haryana Electricity Refrom Act, 1998 and Section 105(2) of the Electricity Act, 2003.

The Audit Report of the Haryana Labour Welfare Board for the year 2001-2002 as required under section 19-A (3) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers ad Conditions of Servive) Act, 1971.

The 4th Annual Reports of the Haryana Powers Generation Corporation Limited for the year 2000-2001, as required under Section 619-A (3) (b) of of the Companies Act, 1956.

The 36th Annual Reports of the Haryana State Industrial Development Corporation for the year 2002-2003, as required under Section 619-A (3) (b) of of the Companies Act, 1956.

The 31th Annual Reports of the Haryana Tanneries Limited, Jind for the year 2002-2003, as required under Section 619-A (3) (b) of of the Companies Act, 1956.

The Report of the Commission of Inquiry headed by Justice J.C Verma (Retd) regarding imposition and the subsequent withdrawal of the Prohibition Policey in Haryana alongwith Memorandum of Action Taken Report thereon by the State Government, as Action Taken Report thereon by the State Government, as required under sub section (4) of Section 3 of the Commission of Inquiry Act, 1972.

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव तथा उस पर वक्तव्य (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a calling attention notice Capt. Ajay Singh Yadav, MLA and 4 other M.L.As. regarding declaration by the Government to apply the slab system for tubewells in the State. I admit it. Capt. Ajay singh Yadav may read out his notice.

वित मंत्री प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर सर, मै आपसे प्रार्थना करता हू कि आप इस कालिग अटे ान मो ान को प्रिविलेज कमेटी की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद मे टेकअप कर ले।

विशेशाधिकार मामलों के संबंध में विशेशाधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना

(i) श्री जय प्रका ा बरवाला , एम.एल.ए. के विरूद्ध

Mr. Deputy Speaker: Now, Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Committee of Privileges will present the Seventh Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Shri Puran Singh Dabra, MLA and Sh. Padam Singh, MLA against Shri Jai Parkash, Barwala (Now M.P) M.L.A regarding taking of mock Chair in the well of the House and Showing himself as Speaker of the Assembly, defying the orders of the Chair and challenging and protesting against the ruling of the Chair constantly, thus, committing the contempt of the House/Breach of privilege etc. by Shir Jai Parkash Barwala, M.L.A on 5th March, 2002 and will also move that the time for the presentaiton of the final report to the House be extended upto the first sitting the next Session.

Sh. Bhagwan Sahai Rawat, (Chairperson Privileges Committee): Sir I beg to present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Shri Puran Singh Dabra, MLA and Sh. Padam Singh, MLA and Shri Padam Singh Dahiya, M.L.A against Shri Jai Parkash, Barwala M.L.A regarding taking of mock Chair in the well of the House and Showing himself as Speaker of the Assembly, defying the orders of the Chair and challenging and protesting against the ruling of the Chair constantly, thus, committing the contempt of the House/Breach of privilege etc. by Shir Jai Parkash Barwala, M.L.A on 5th March, 2002.

Sir, I also beg to move –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Speaker: Motion moved –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Question is –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

The motion was carried.

(ii) श्री कर्ण सिंह दलाल एम.एल.ए. के विरूद्ध

Mr. Deputy Speaker: Now, Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee will present the Seventh Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Shri Bhagi Ram, M.L.A and Shri Pawan Kumar, M.L.A for coming to/remaining in the well of the House in under defiance of the Chair and continuously arguing with the Speaker, trying to may handly with the watch and ward staff and throwing a book towards the Chair by Capt. Ajay Singh Yadav. M.L.A, breaking a light box while rushing to the well of the House, causing damage to the Government property by Shri Dharamvir Singh M.L.A, and using unparliamentary words and uncalled for remarks etc. in

the House by Shri Jagjit Singh Sangwan, M.L.A and thereby committing the contempt of the House/Breah of privilege etc. by Capt Ajay Singh Yadav, M.L.A, Shri Dharamvir Singh, M.L.A and Shri Jagjit Singh M.L.A on 5th March, 2002 and will also move that the time for the presentaiton of the final report to the House be extended upto the first sitting the next Session.

Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee: Sir I beg to the Seventh Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Shri Bhagi Ram, M.L.A and Shri Pawan Kumar, M.L.A for coming to/remaining in the well of the House in under defiance of the Chair and continuously arguing with the Speaker, trying to may handly with the watch and ward staff and throwing a book towards the Chair by Capt. Ajay Singh Yadav. M.L.A, breaking a light box while rushing to the well of the House, causing damage to the Government property by Shri Dharamvir Singh M.L.A, and using unparliamentary words and uncalled for remarks etc. in the House by Shri Jagjit Singh Sangwan, M.L.A and thereby committing the contempt of the House/Breah of privilege etc. by Capt Ajay Singh Yadav, M.L.A, Shri Dharamvir Singh, M.L.A and Shri Jagjit Singh M.L.A on 5th March, 2002.

Sir, I also beg to move –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Speaker: Motion moved –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Speaker: Question is –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

The motion was carried.

(iii) डा0 रघुबीर सिंह कादियान, एम.एल.एज. के विरूद्ध

Mr. Deputy Speaker: Now, Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Committee of Privileges will present the Seventh Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Dr. Sita Ram, MLA and Sh. Jasbir Mallour, MLA against Dr. Raghubir Singh M.L.A for coming to/remaining to the well of the House, tearing of book of Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assmbley, leading to grave misconduct and grave disorder, breaking a light box in the House thereby committing the contempt of the House/Breach of privilege etc. by Dr. Raghubir Singh Kadian, M.L.A on on 5th March, 2002 and will also move that the time for the presentaiton of the final report to the House be extended upto the first sitting the next Session.

Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee: Sir I beg to present the Seventh Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Dr. Sita Ram, MLA and Sh. Jasbir Mallour, MLA against Dr. Raghubir Singh M.L.A for coming to/remaining to the well of the House, tearing of book of Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assmbley, leading to grave misconduct and grave disorder, breaking a light box in the House thereby committing the contempt of the House/Breach of privilege etc. by Dr. Raghubir Singh Kadian, M.L.A on on 5th March, 2002 Sir, I also beg to move –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Motion moved –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Question is –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

The motion was carried.

(iv) डा0 रघुबीर सिंह कादियान, एम.एल.ए. के विरूद्ध

Mr. Deputy Speaker: Now, Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee will present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Dr, Sita Ram, M.L.A adn Shri Jasbir Mallour, M.L.A against Dr. Raghubir Singh Kadina M.L.A for coming to/remaining in the well of the House, tearing the book of Rules of Proceudre and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, leading to grave misconduct and grave disorder, breaking a light box in the House thereby committing contempt of the House/Breach of privilege etc. by Capt. Dr. Raghubir Singh Kadian, M.L.A Shri Dharamvir Singh, M.L.A and Shri Jagjit Singh Sangwan, M.L.A on on 5th March, 2002 and will also move that the time for the presentaiton of the final report to the House be extended upto the first sitting the next Session.

Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee: Sir I beg to present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Dr, Sita Ram, M.L.A adn Shri Jasbir Mallour, M.L.A against Dr. Raghubir Singh Kadina M.L.A for coming to/remaining in the well of the House, tearing the book of Rules of Proceudre and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, leading to grave misconduct and grave disorder, breaking a light box in the House thereby committing contempt of the House/Breach of privilege etc. by Capt. Dr. Raghubir Singh Kadian, M.L.A Shri Dharamvir Singh, M.L.A and Shri Jagjit Singh Sangwan, M.L.A on on 5th March, 2002

Sir, I also beg to move –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Motion moved –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Question is –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

The motion was carried.

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव तथा उस पर वक्तव्य (पुनरारम्भ

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a calling attention notice regarding by the Governemnt to apply salb system for tubewells in the State of Haryana form Capt. Ajay Singh Yadav, MLA and 4 other M.L.As. I admit it. Now, Cpat. Ajay Singh Yadav, may read out his notice and the Concerned Minister will make a statement thereafter..

Capt. Ajay Singh Yadav: Sir, I alos want ot draw the attention of this August House towards a matter of urgent public importance for discussion in the Current Session of Haryana Vidhan Sabha on 29th September, 2004.

Recently, the State Governement has made an announcement for implementing the slab system for the tubewells based on electricity. According to which the farmers will have to pay for tubwell bill Rs. 25 paise per unit of Rs. 35 per horse power. But unfortunately like the other remaining announcements this announcement has also not been implemented. But even if the said announcement is implemented there is no hope of getting and relief therefrom to the faremers of Rewari, Mahendergarh, Jhajjar, Gurgaon, Bhiwani, and Faridabad districts. Firstly the farmers have to wait for years to get the tubewell connection. Secondly, an amount of Rs. 20000 have to be deposited per tubwells conncetion as a security. Not only this, Rs. 7000 per pol will also have to be deposited separately after getting the tubewell conncetion. As the water level has gone down from 300 feet to 700 feet in the above said districts, therefore only submersible pumps can be installed there for which the farmers have to spent more than Rs. One lace for its installation.

The slab systeme which is going to be implemented by the Sttate Government is the misdemernour to provide benefit only to the farmers of a particular area. As the areas of Rewari, Mahenderagh, Jhajjar, Bhiwani and Mewat etc. are such areas where the water level is very low and the agriucltural land is not more fertile. There is no sources of irrigation like canals. etc. The farmers have to depend on the electricity tubewells and they make both ends to meet. The agricultural land is not properly levelled in these districts due to which the farmers have to spent the money on the sprikler irrigation separately. On the other hand there are such districts where the farmers are taking 3 crops in a year and

the water level is alos available up to 70-80 feet. Besides it, the farmers are not only dependent on the tubewells because there is also abudant of canal water. In this way, the southern Haryana is facing a shortage of irrigation facilities as compare to the remaining part of Haryana and is backward completely.

Therefore, the announcements which has now been made by State Government for implementing the slab system for the tubewells is a mere announcement and the farmers of the southern Haryana will not get any special relief therefrom. If the Government is really worried about the farmers than the Government should provide some relief by charging the electiricity bills of the tubewells @ 15 paise per unit or Rs. 15 per horse power in the above said districts of suthern Haryana.

Therefore, they request the Government to clarify its position by making a statement in this regard on the floor of this House.

वक्तव्य

Finance Minister (Prof Sampat Singh): Sir, the concessional tariff to the tubewells conumers based on depth of tubewells was introduced w.e.f 1-5-1998 all over State. The tariff rates applicable for metered and un metered tubewells were as under:

Depth	Tariff	
	Metered Category	Un metered Category

Upto 100 ft.	62 P/unit	Rs. 100/BHP Per month
101 to 150 ft.	50 P/Unit	Rs. 75/BHP per month
151 to 200 ft.	43 P/Unit	Rs. 60/BHP per month
Above 200 ft.	34P/Unit	Rs. 54/BPH per month

These rates were futher decided to be revised with effects from 1st September, 2001 as follows:

Depth	Tariff	
	Metered Category	Un metered Category
Upto 100 ft.	62 P/unit	Rs. 100/BHP Per month
101 to 150 ft.	50 P/Unit	Rs. 75/BHP per month
151 to 200 ft.	43 P/Unit	Rs. 60/BHP per month
Above 200 ft.	34P/Unit	Rs. 54/BPH per month

The above rates were based on Patwar circle as a unit, governed by the majority tubewells falling in a depth Zone. However, the concessional agricultural tariff under slab

system led to wide spread discontentment among the farmers on because the water table in the State had generally gone down since 1998. Agricultural consumers therefore represented for a re-survey. There was resnetment also as different tariff rates were applicable to the neighbouring tubewells consumers falling in different Patwar circles although the depth of such neighbouring tubewells was nearly similar.

Several consumers filed a writ petition before the High Court contesting the tariff policy. The State Government accordingly constituted a High Powered Committee under the Finance Minister Haryana which met several times. It was observed that the slab system of tariff was not relevant as the water level in the State had generally receded and consequently majority of tubewells were haveing depth of more than 200 ft. Re-surveys of the tubewells for ascertaining their depth was not possible as the survey originally carried out by the Agricultural Department was based on recall method.

Keeping in view the above factors and the recommendations of the High Powered Committee the State Government abolished the slab system of tariff in the State and recommended substitution of the same with a uniform tariff of Rs, 35/BHP/month for flat rate tubewells and 25 P/Unit for metered tubewells with effect from 15th August, 2004. These tariff rates are substantially lower than lowest slab under the existing slab system for agricultural tubewells for which the State Government has agreed to provide additional subsidy to the extent of Rs. 138 crores annually.

The annual minimum charges have also been lowered to Rs. 200 per annum from Rs. 540 per annum.

The new tariff rates announced are presently under consideration by the Haryana Electrictiy Regulatory Commission. The Commission has been entrusted the function of determination of tariff under legislation and no change in tariff can be made without the approval of the Regulatory Commission.

It is incorrect to say that the farmers of Rewari, Mohindergarh, Jhajjar, Gurgaon, Bhiwani and Faridabad will not be benefited as the sub soil water level in these districts is very and no other source of irrigation is available. It may be pertinent to point out that an estimated 128073 consumers having tubewells of various depth zones pertaining to above districts as mentioned will be benefited becuase of the reduction. The total estimated number of tubewells in the State is 384344 units 1/3rd of total tubewells in the State are in this Zone.

It may also be observed that all the consumers in various depth zone would be benefited with the new tariff policy.

It may further be pointed out that the depth of water table of 70 to 80 ft. in the state as indicated by the Hob'ble Member is no longer applicable for majority of tubewells in the State. The basic purpose of removing the slab system was to eliminate in differnital tratment to the conusmers and to lower the tariff rates, to a levle where all

the tubewells consumers in the State are substantially benefited.

it may also be mentioned that from the year 1993-94 to 1999-2000, a total number of 14546 agriculture connections were released whereas from the year 2000-2001 to August, 2004 a total number 45133 agriculture conncetions have been released.

it would thus be amply clear that the Calling Attention Motion of the Hon'ble Members is Misinformed and without merit. The Goverment has taken unprecedented measures to benefit the agriculturists using tubewells in the State and the same is widely welcomed.

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जैसा कि मैने अपने ध्यानाकर्शण प्रस्ताव मे कहा है कि एक तरफ तो आबियान माफ कर दिया गया और जंहा पर टयूबवैल नही है केवल नहरों पर आधारित सिंचाई व्यवस्था है वहां पर तो इनहोने बिल्कुल फ्री पानी की घोशणा कर दी वही दूसरी तरफ इन्होने अपने जवाब मे फिगर्ज देते हुए यह भी बताया कि 128073 कंज्यूमर्ज ऐसे है जो डैप्थ जोन मे है। इन्होने अपने जवाब मे यह भी बताया कि 384344 टयूबवैल्ज यानी वन थर्ड टयूबवैल्ज ऐसे डैप्थ जोन मे है। मै कहना चाहूंगा कि यह फिगर्ज तो पांच जिलों की है जबकि हरियाणा मे 19 जिले है। 19 जिलो के मुकाबले यह केवल पांच जिलो के बारे मे बता रहे है। अध्यक्ष महोदय, जैसा मैने बताया है

कि कई जगह ऐसी है जहां पर पानी 800 या 900 फुट नीचे चला गया है। मुख्यमंत्री जी जो फ्री बिजली और पानी की बात कर रहे थे तो मै अपने स्पैसिफिक क्वै चन के माध्यम से उनसे जानना चाहूंगा कि हमारे क्षेत्र मे उन इलाको मे जहां पर खारा पानी है या जहां पर पानी बहुत नीचे चला गया है और जो इलाके केवल टयूबवैल बेस्ड है वहां के लोगो को आप स्पैसिफिक रिलीफ देग या नही देगे त्र यह मेरा प्र ान है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्होने जिकर किया पांच जिलो का। चूंकि मेरा यह जवाब अग्रेंजी मे दिया जा रहा था और मै उसको थोडा जल्दी भी पढ रहा था इसलिए कई बार आदमी की टंग स्लिप भी हो जाती है इसलिए हो सकता है कि ये मेरी बात को समझ न पाए हो। जैसा मै पहले कर रहा था कि अच्छा होता कि ये उनकी रिकोगने ान एज ए अपोजी ान लीडर आफ दी हाउस कर देते क्योंकि अपोजी ान का लीडर होता तो अच्छी बात होती लेकिन स्पीकर साहब, मेरे कहने काम मतलब यह था कि इनहोने खुद कांलिंग अटै ांन मो ान दिया है इसलिए इनको पता होना चाहिए कि उसमे भी इन्होने सिर्फ पांच जिलो का जिकर किया है। ऐसा करके ये तो खुद हरियाणा को भी बाटंना चाहते थे जबकि सुबह ये ने ानल पार्टी वाली बात कर रहे थे। लेकिन इनकी इस तरह की बाते देखकर तो अब इनकी ने ानल पार्टी बात भी नही रह गयी है। यह तो हरियाणा के अंदर भी रीजन बना रहे है लेकिन मै इनको बताना चाहूंगा कि बडी

मुि कल से हरियाणा बना है और इस हरियाणा को बनाने मे बहुत लम्बी लडाई लडी गयी है। लेकिन ये हरियाणा को नोर्थ, साउथ, ईस्ट और वेस्ट जोन्ज मे बांटना चाहते है। मै इनसे कहना चाहूंगा कि सारे का सारा हरियाणा एक यूनिट है। सारे हरियाणा का एक साथ ख्याल करते हुए मुख्यमंत्री जी ने एक कमेटी बनायी और कमेटी बनाने के बाद इस मामले को थोरोली जांच किया गया। मेरे मित्र राजेन्द्र सिंह बिसला जी जो अब कांग्रेस मे बैठे है, वे भी इस कमेटी की मीटिंग मे आते थे, इनके अलावा और भी हमारे साथी आते थे। असैम्बली के आधे के करीब मैम्बर्ज को बुलाया गया था और उनसे इस बारे मे पूछा गया था कि आप इस बारे मे किस किस्म की बात चाहते है। अध्यक्ष महोदय, मांग यह थी कि इसके दो स्लैब सिस्टम कर दिए जाने चाहिए। एक तो 200 फिट की गहराई तक का स्लैब कर दे 200 फुट तक गहराई का जो रेट है वह दूसरा रख दिया और 200 फूट से ज्यादा गहराई का है वह दूसरा रख दिया। उसके अंदर यह मांग थी कि 200 फूट से ज्यादा गहराई के जो टयूबवैल है वहां नीचे का स्लैब 48 रूपये पर हांर्स पांवर वाला और 38 पैसे पर यूनिट वाला है वहां तो उस हिसाब से कर दे और इससे ऊपर वाले का 46 से 63 रूपये हांर्स पांवर के हिसाब से कर दे यह मांग थी सबकी तरफ से, इसको देखते हुए ये दोनो बाते छोड दी हांलाकि वे इससे ज्यादा रेट पर राजी थे। लेकिन यह सोचकर कि टयूबवैल का पानी बहुत नीचे चला गया है और हर एरिया मे नीचे गया है। जहां 200फुट से नीचे था वहां भी और नीचे गया है सारी स्टेट मे

पानी नीचे गया है इसमे कोई दो राय नही है और इधर लिटिगे ांज भी आ रहे थे। जगह जगह लोग कोट्र्स मे जा रहे थे लेकिन सवाल कोट्र्स मे जाने का नही था। पब्लिक के अंदर एक किनारे पर जो उसका पटवार सर्कल है उसका खेत आता है उसके टयूबवैल का रेट 104 रूपये था और साथ वाले खेत मे क्योंकि दूसरा पटवार सर्कल आ जाता है उसका रेट 48 रूपये पर हार्स पावर के हिसाब से था इतनी बडी ऐनोमली थी अध्यक्ष महोदय, आप भी फार्मर है आपके सामने भी ये बाते बार बार आई है कि इस तरह से रेटस अलग अलग टयूबवैल के अलग अलग आ रहे है। इसका सिस्टम बनांए। बडी मेहनत करने के बाद कमेटी ने रिपोर्ट दी और उसके बाद मुख्यमंत्री जी ने बडी ही फिराखदिली दिखाई उसको सारे हाउस को ऐप्रोि ाएट करना चाहिए। बजाय इसके इनको यह नही करना चाहिए कि फलां जिल मे फायदा नही हो रहा है। जो 200 फुट से नीचे गहरा बना है उसका रेट पहले 38 पैसे था उसे 38 फायदा नही हो रहे है। जो 200 फुट से नीचे गहरा बना है उसका रेट 38 पैसे था उसे 38 पैसे से घटाकर 25 पैसे पर यूनिट कर दिया है सौ पर करेगे तो it will amount to 37 or 38% . 37 or 38% परसैंट का सीधे बैनिफिट फार्मर को दिया गया है तो भी कहना कि रिलीफ नही दिया है। यह गलत है। बाकायदा रिलीफ दिया गया है और हर कैटगरी मे सबको रिलीफ मिला हैं। जो किसानो टयूबवैल से खेती करते है उनके लिए इससे बढिया फेसला कोई हो नही सकता। इनको तो इसका वैलकम करना चाहिए और सारे हाउस को यूनैनिमसली वैलकम

करना चाहिए कि यह जो घोशण मुख्यमंत्री जी ने की है इसको हम सोर के सारे वैलकम करते है और दूसरी तरफ इन्होने कहा कि इसको लागू नही किया है। वहं मैने जवाब मे बताया है कि यह 15 अगस्त से लागू माना जाएगा। कैबिनेट ने इसकी अप्रूवल दे दी है और इसके लिए 138 करोड रूपये की की जरूरत पडेगी इसके लिए हमने हरियाणा स्टेट इलैक्ट्रिसिटी रैगुलेटिरी कमी ान को सरकार की तरफ से लिखकर दे दिया है कि 138 करोड रूपया कै ा सबसिडी के रूप मे स्टेट गवर्नमैंट की तरफ से उनको देगे, अब उनका आर्डरा अवेटिड है एक दिन मे हो जाए, दो दिन मे हो जाए या तीन दिन मे हो जाए। हमारी तरफ से 15 अगस्त के बाद जिस रेट की घोशणा मुख्यमंत्री जी की तरफ से की गई है वह रेट लागू होगे। यह कसै ानल रेट्स है। They should welcome these conessional rates.

श्री भाादी लाल बंत्राः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार द्वारा एक तरफ तो किसानो को राहत देने के लिए स्लैब रेट लाए गए है दूसरी तरफ यह नही दिखा कि अगर तीन एकड का किसान है वह 20 हजार रूपये सिक्योरिटी देगा और जितने पोल लगेगे उनका सात हजार रूपये प्रति पोल के हिसाब से देगा तो क्या किसान इतने चार्जिज देकर टयूबवैल के कनैक ान ले पाएगा, इसकी तरफ ध्यान देना चाहिए। वित मंत्री जी ने बताया है कि 1994 से 1999–2000 तक 14544 कनैक ान दिए गए थे और इन्होने 45133 कनैक ान दिए है। मै जानना चाहूंगा कि बकाया कितने है और कितने फार्मर्स ने एप्लाई कर रखा था जिनको

कनैक ान नही मिला और क्या कारण थे। मेरे विचार से उसकी दो वजह थी एक तो पानी की कमी थी, नहरो मे पानी आना नही था। हमारे एरिया मे रोहतक और झज्जर जिले मे पानी की इक्वल डिस्ट्रीब्यू ान होती तो नहरो मे पानी आता और नहरों मे पानी आता तो किसान कुछ इस बारे मे सोचता लेकिन पानी न आने के कारणप होल्डिंग छोटी हो गई, तीन एकड की हो गई, चार एकड हो गई तब उसने टयूबवैल लगाने चाहा लेकिन टयूबवैल लगवाने के लिए सिक्योरिटी इतनी होगी, पोल के चार्जिज इतने ज्यादा होगे तो ऐसे मे किसान कैसे कनैक ान ले पाएगे यह मै वित मत्री से जानना चाहता हू?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, जहा तक सिक्योरिटी की बात बत्रा साहब कह रहे है है कि 20 हजार रूपये सिक्योरिटी है, 30 हजार रूपये सिक्योरिटी है कोई 20 हजार या 30 हजार रूपये सिक्योरिटी नही है। 30 रूपये पर बी0एच0पी0 सिक्योरिटी है जहा तक कनैक ान्ज की बात है कनैक ान जो बकाया है आज करीबन पांच हजारा या 5400 कुछ के करीब कनैक ान बकाया है। सरकार ने चाहा है कि चाहे रिपीटडली काम करना पडे और ईवेन, प्राइवेट कम्पनी को इसमे इन्वोल्व करे और आउटसोर्स कर ले मै आज सदन से यह कमिटमैंट करता हू कि 15 अगस्त तक के जितने कनैक ान बकाया हे वे 31 दिसम्बर, 2004 तक दे दिए जायेगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आपमे माध्यम से आदरणीय सम्पत सिह जी से पूछना चाहता हू कि जो इन्होने जवाब मे यह माना है कि किसानो को दिक्कत है। स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा मे कई तरह के इलाके है एक इलाका तो ऐसा है जहां नहर का पानी जरूरत से ज्यादा उपलब्ध है और एक इलाका ऐसा है कि उसमे नहर का पानी तो दूर पीने का पानी भी उपलब्ध नही है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी यह निवेदन करना चाहूंगा और पूछना चाहूंगा कि क्या यह सरकार इस प्रकार का विचार करेगी कि जिन जिलो ने नहर का पानी उपलब्ध नही है। क्या उन जिलो को बिजली के मामले मे कोई रियासत देगी। दूसरी बात स्पीकर साहब, इन्होने अपने रिप्लाई मे कहा है कि

"That new tariff announced is pressently under consideration of the Haryana Electiricty Regulartory Commission. The Commission has been entruted the funtion of determination of tariff and under legislation no change can be made without the approval of the Regulatory Commission."

स्पीकर साहब, विधान सभा ने बिजली के मामले मे कानून बनाकर बिजली बोर्ड के स्थान पर लिमिटेड कम्पनी बनाया और इस तरीके से क्या सरकार को उस कम्पनी के मामले मे दखल देना चाहिएं। जब प्राइवेट कम्पनी बनाई है तो जो सरकार ने बिजली के मामले मे घोशणांए की है क्या उस कम्पनी से इस बारे मे पूछताछ की है या एक तरफा घोशणा कर दी है कि यह काम अण्डर कसीड्रै ान है क्या कानून मे ऐसा प्रावधान है।

(ाोर) सरकार अपनी घोशणा को मानेगी या अपनी पोलिसी को मानेगी। इस बारे मे जवाब मंत्री जी देगे। दूसरा स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री से एक निवेदन करूंगा कि इन्होने घोशणा की है सारे किसानो का आबियान माफ करेगे।

श्री अध्यक्षः आप क्वै चन पूछिये।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आगरा कैनाल का आबियान जो हम यू0पी0 की सरकार को देते हे क्या यह सरकार यह आबियान देने का काम करेगी क्योकि यह आबियान फरीदाबाद और मेवात के किसानो को देना पडता है। क्या इस बारे मे सरकार विचार करेगी। स्पीकर साहब, इस बारे मे मै एक सुझाव देना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः आप क्वै ाचन पूछिये। सुझाव तो मंत्री दे देगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, यह एक अहम सवाल है जिस तरीके से किसानो की दिक्कत हरियाणा के अंदर है क्या मंत्री जी इस बारे मे सदन की एक कमेटी बनायेगे जिसमे सभी दलों के सदस्य सम्मिलित हो जो किसानो की समस्या से वाकिफ हो और सबंधित विभाग के साथ बैठकर विचार विम र्ा करे और दूसरे प्रदे ाो मे जाकर किसानों को दी जाने वाली सुविधाओ के बारे मे पता करे कि किस प्रकार से किसानो को सुविधाए दी जा रही है। आज दे ा के अन्दर पजांब का किसान

सबसे ज्यादा तरक्की कर रहा है जबकि हरियाणा का किसान बर्बाद हो रहा है, बेकार हो रहा है, क्या सरकार इस बारे मे विचार विम र्श करेगी।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाये। आप अपने सब्जैक्ट मैटर तक ही लिमिटेड रहे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै तो सुझाव दे रहा हू कि सदन की कमेटी बनाई जाये और उस कमेटी को एक महीने का समय दे दिया जाये हम उसमे सरकार को सुझाव देगे।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाये। इनकी कोई बात रिकार्ड न करे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय,.....

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, पहली बात तो यह है कि मै सोच रहा था कि मेरे साथी बहुत सीरियस प्र ान पूछेगे और हम उसका जवाब देगे और पब्लिक इंट्रस्ट की बात हम करेगे लेकिन कोई पब्लिक इंट्रस्ट की बात नही आई। जंहा तक पानी की बात ये कह रहे है कि नहरी पानी की कमी है तो मै कहना चाहूंगा कि इसमे कोई दो राय नही कि हरियाणा मे नहरी पानी की कमी है और बहुत से एरियाज ऐसे है जहां नहरी पानी से इरीगे ान नही होती। इसलिए चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने एस0वाई0एल0 की लीगल लडाई लडी है और जीते। अगर केन्द्र सरकार की नीयत साफ होती तो यह नहर तीन महीने मे बनकर

तैयार हो जाती। लेकिन इनको यह तकलीफ है कि अगर नहर तीन महीने मे बन जाती तो इसका श्रेय चौधरी ओम प्रका ा चौटाला को मिला जाता। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि एस0वाई0एल0 नहर बनने मे कमी जिस बात की है वह है सिरा एक्वाडैट उस नदी के ऊपर जो पुल बनना है उसके दो पिलर्ज इन्होने बनाकर छाप दिए बाकी बीच का पो र्न रह रहा है और कुछ नै ानल हाईवे के और 2 रेलवे के पुल रह रहे है। अध्यक्ष महोदय, आपको मालूम ही है कि आजकल पुल कितने जल्दी बन जाते है। स्लैब अलग से बनते है और पिलर्ज अलग बनते है और लाकर एकदम रख देते है। लैटस्ट टैक्नोलोजी मे एस0वाई0एल0 का काम 3 महीने मे हो सकता था। अगर 4 जून के बाद काम भाुरू हो जाता तो जून से सितम्बर तक तीन महीने मे काम हो जाता और सितम्बर महीने मे एस0वाई0एल0 का पानी हरियाणा मे आ जाता और सुप्रीम कोर्ट के आर्डर्ज के अनुसार हरियाणा के चप्पे चप्पे मे सिचाई होती। ये आज पजांब सरकार की बडाई करते है, पजांब सरकार ने क्या किया? (ाोर एवम व्यवधान) कहते है सुखबीर सिंह के साथ रिले ान है। हरियाणा प्रदे ा के पब्लिक इंट्रस्ट का जंहा तक सवाल है उसमे कोई कम्प्रोमाईज नही है और किसी सुरत पर कोई कम्प्रोमाइन नही करेगे। अकाली सरकार , जिसके सामने हमने लडाई लडी, it is on the record पजांब मे अकाली दल की सरकार थी जब चौधरी देवी लाल जी 30 अप्रैल, 1980 मे सुप्रीम कोर्ट मे गए, ये हरियाणा के इंट्रस्ट के कार्य है सामाजिक रिले ान अलग बात है जहां तक राजनैतिक सवाल है और

हरियाणा के इंट्रस्ट का सवाल है हम बादल के मुख्यमंत्री जी होते हुए कोर्ट मे गए, इनके काग्रेस के मुख्यमंत्री जी पजांब बने, हरियाणा मे इन के मुख्यमंत्री जी बने, तब हरियाणा प्रदे ा का बेडा गर्क कर दिया और कोर्ट केस को वापस ले लिया, 1979 का केस अगर रह जाता तो आज 20 साल मे नहर बनकर तैयार हो जाती, इसके अपराधी कौन है, ये लोग अपराधी है, इसी तरीके से हमने अब सुप्रीम कोर्ट मे केस जीता है, 15 जनवरी, 2002 को आप रिकार्ड देखे तो उस समय भी पजांब मे अकाली दल की सरकार थी, उनके सामने भी हम लीगल बैटल जीतकर आए। एक तरफ अकाली दल की सरकार की सरकार थी, उनके सामने भी हल लीगल बैटल जीतकर आए। एक तरफ अकाली दल की सरकार के वकील पैरवी करने के लिए जाते थे और दूसरी तरफ हरियाणा सरकार के वकील जाते थे। हरियाणा सरकार के वकीलो ने जो पैरवरी की वह अकाली सरकार के वकीलों के मुंह पर थपेडा था। 15 जनवरी, 2002 को सुप्रीम कोर्ट ने उसका जवाब दे दिया इसलिए ये कैसे कह सकते थे कि फलांना दल डिकणा दल, हमारा किसी दल से कोई वास्ता नही, हमे तो पब्लिक इंट्रैप्ट प्यारा है। 4 जून, 2004 को हम सुप्रीम कोर्ट मे जीते, अब ये कहेगे कि मै बार बार 4 जून का ही जिकर कर रहा हू, आज इरीगे ान मे पानी की जो दिक्कत है, वह इनके अपराधो की वजह से है क्योकि इन लोगो को पब्लिक इंट्रैप्ट प्यारा नही है। अध्यक्ष महोदय, आप भी वकील है और इनकी पार्टी मे भी कई वकील है, कास्टीच्यू ान का ि ाडयूल 7 जो है उसमे लिस्ट न0 1 मे अनलिस्टेड आइटम है,

एक्ट न0 56 मे इटर स्टेट वाटर का मामला है, जहां तक वह सैट्रल लिस्ट मे है, इस पर पार्लियामैंट कानून बना सकती है, असैम्बली उस पर कानून नही बना सकती। ये पजांब सरकार की बडाई करते है। जिन्होने कानून बना दिया। (ाोर एवम व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, ये बताएं कि ये रिलीफ क्या देगे?

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठे, आपने पानी की कमी जो बताई है ये उसी को एलोब्रेट कर रहे है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, सैन्ट्रल लिस्ट मे होते हुए पंजाब की सरकार ने बिल पास किया और बाद मे सैन्टर की सरकार ने गवर्नर पर दबाव डालकर उसको कानून बनाया जबकि कानून नही बन सकता था और उसी सरकार की आज ये बडाई कर रहे है कि पजांब की सरकार यह कह रही है, वह कह रही है, चाहिए तो यह था कि सैन्टर की सरकार उस कानून को निरस्त करती। (ाोर एवम व्यवधान) स्पीकर साहब, मै यही कर रहा था कि जो कानून पजांब की सरकार ने बनाया था वह असवैंधानिक था। भारत सरकार को चाहिए था कि उसको अनल करते, निरस्त करते और सुप्रीम कोर्ट ने जो आर्डर दिए हुए थे कि within 14 days नहर के काम काज को टेकओवर करेगे, पोजै ान मे लेगे लेकिन आप इनकी नीयत देख लीजिये बारहवे दिन यह बिल पास किया गया और 12वे दिन मे ही इसको कानून बनाया गया। इससे

इनकी इनटै ांन जाहित होती है। स्पीकर साहब, यह जानबूझकर किया गया था। (विघ्न) स्पीकर साहब, दूसरा इसको अनल करके सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को राईट दिया था कि (विघ्न) स्पीकर साहब, मै आपकी परमी ान से बोल रहा हू, प्लीज इन्हे बिठाये। (विघ्न) स्पीकर साहब, मै पूरा जवाब दूंगा और इनकी तसल्ली कराऊगां। स्पीकर साहब, भारत सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने जो आर्डर दिया था उसकी लाईन यह थी कि आप इसको अपने पोजै ान मे लेकर नहर पर काम भाुरू करेगे, मौनीटरिंग कमेटी मौनीटरिंग करेगी कि हर दिन कितना काम हुआ है। अगर कोई अडचन डालेगा चाहे कोई पौलिटिकल पार्टी हो, चाहे सरकार हो यह कोई भी ABCD हो, अडचन डालेगे तो भारत सरकार सिक्योरिटी प्रोवाइड करायेगी। मेरे कहने का मतलब यह है कि भारत सरकार CPWD को पजांब मे क्यो नही भेजती और यदि पजांब सरकार अडचन डालती है तो they can send there CRPF और अगर CPRF से काबू नही आते है तो they can sent there BSF और BSF से काबू नही आते है they can snd there Military. मिलिटरी भी सैट्रल सिक्योरिटी मे ही आती है। Speaker Sir, Central Government can even send Military there to implement the judgment of Supremen court. वे भेज सकते है और उसके बावजूद भी यदि वे अपने वहां इन्ट्री नही देते है तो then Central Government has a right under Article 365 of the Costitution कि अगर भारत सरकार सवैधानिक दायित्व निभाते हुए कोई डायरैक ान राज्य सरकार को देती है और राज्य सरकार उसको

नही मानती है तो उस राज्य की सरकार भंग की जा सकती है। लेकिन भारत सरकार ने ऐसा नही किया और वहां नहर का काम भी भाुरू नही कराया गया। इस तरह से भारत सरकार ने अपराधा किया और हरियाणा की जनता के अधिकारो को सैक्रीफाईस किया है। यदि यह नहर बन जाती तो भाई कर्ण सिंह दलाल को यह प्र ान उठाने की जरूरत ही नही पडती कि पानी की दिक्कत आ रही है। स्पीकर साहब, हरियाणा गवर्नमैंट is very much interested. especially the Chief Minister and he is having personal interest in this case. स्पीकर साहब, ये कहते है कि हाउस की एक कमेटी बन जाती। इस बारे मे मै कहना चाहात हू कि हाउस की कमेटी बनी थी। (विघ्न) और कमेटी ने रिपार्ट दी थी। इससे बडा कोई रिलीफ नही हो सकता कि दोनो तरफ रिलीफ दिया गया है। एक तरफ टयूबवैल ओनर्ज को रिलीफ दिया गया है और दूसरी तरफ नहरी रिलीफ दिया गया है। एक तरफ टयूबवैल ओनर्ज को रिलीफ दिया गया है और दूसरी तरफ नही नहरी कन्जूयमर्स को नहरी पानी मुफ्त देकर रिलीफ दिया गया है इनको इस बात की तकलीफ क्यों हो रही है। हमारी सरकार ने एक तरफ टयूबवैल ओनर्ज की रिलीफ दिया है और दूसरी तरफ नहरी कन्ज्यूमर्स को रिलीफ दिया है। 35 करोड रूपये का वहां रिलीफ है और 138 करोड रूपये का यहा रिलीफ है। स्पीकर साहब, जहां तक रैगुलेटरी कमी ान की बात आई है। We are committed और हमने कहा कि 15 अगस्त से यह लागू होगा। पैसे्र के लिए हमने लिख दिया है रैगुलेटर कमी ान को कि 138 करोड

रूपये का जो सालाना खर्चा होगा उसको हरियाणा सरकार वहन करने के लिए तैयार है इसलिए रैगुलेटरी कमी ान को इस बात पर कोई ऐतराज नही है। उनको तो पैसे से मतलब होता है कि Cross subsidization न हो, किसी और सैक्टर से पैसे लेने की जरूरत न पडे इसलिए सरकार खुद अपने खजाने से नगद सबसिडी दे रही है क्योकि रैगुलेटरी कमी ान हमारी सरकार के हम मे बना हुआ है और पूरी तरह से काम कर रहा है तथा इसमे जो रिलीफ दिया गया है उस बारे सभी मिलकर ऐप्रीि ायट करे। स्पीकर साहब, एक बात मै कहता हू कि कैप्टन साहब, और दलाल साहब, और दूसरे जिन भाईयो ने यह मो ान रखा है they should speak out कि फलाने जिले के हित के लिए ये किया गया है। ये लोग इस तरह का भाशण हरियाणा मे हर जगह पर जाकर देगे लेकिन ये यहां बताये कि कौने से जिले को फायदा पहुचानें के लिए किया गया है और कौने से जिले को इसका फायदा नही मिलेगा। ये झूठे ऐलीग्रे ान क्यों लगाते है। यदि इनकी बात सही है तो they should speak out.

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, प्लीज आप बैठे। आपके नोटिस मे ऐसा ही लिखा हुइा है। आप चाहे तो यह आपको पढकर सुना देते है। मंत्री जी आप इनको नोटिस पढकर सुना दे।

Prof. Sampat Singh: In this notice, it is mentioned—

"This slab system which is going to be implemented by the State Governement in the misdemeanour to provide benefit only to the farmers of a particular area."

यह नोटिस तो आपका दिया हुआ है। (ाोर एवम विघ्न) They should speak out about a particular area. They should speak out.

श्री अध्यक्षः धर्मबीर जी बता देगे कि पार्टिकुलर एरिया कौन सा है।

प्रो0 सम्पत सिंहः इसमे इन्होने पार्टिकुलर एरिया लिखा है। He Should speak out.

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आपने इसमे पार्टिकुलर एरिया बताया है आपके पांच लोगो ने यह प्रस्ताव दिया है। (ाोर एवम विघ्न) आप सभी बैठिये। अब मुख्यमंत्री जी कुछ कहेगे।

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, सदन मे कांलिंग अटै ांन मो ान आया करती है और सदन मे उसका जवाब दिया जाता है। कहने का मतलब यह है कि फ्लोर आफ दी हाउस सारी चीजे सही बताई जाती है। एक सम्मानित सदन ने जिसके साथ कुछ और सदस्य भी है उन्होने सारे हरियाणा प्रदे ा को अलग से बटांने का प्रयास किया है बल्कि सरकार के ऊपर एक इल्जाम लगाया गया है कि सरकार ने किसी पार्टिकुलर एरिया को लाभ देने के लिए यह रियायत दी है। मै आपके माध्यम से इस कांलिंग अटै ांन मो ान देने वालो से

कहना चाहता हू कि उन्हे खडे होकर स्पश्टीकरण देना चाहिए कि यह कौन सा एरिया है जिसकी बात ये करते है और इनकी दिलचस्पी कौने से एरिया मे है।

श्री अध्यक्षः धर्मबीर जी आपने यह कांलिंग अटै ांन मो ान दिया है उसको आप एक बात हिन्दी मे पढ दे। (ाोर एवम विघ्न)

श्री धर्मबीर सिहः मुझे पढने की जरूरत नही है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः चलो ठीक है, आपने दिया है तो फिर ठीक है।

श्री धर्मबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने हमारे ध्यानाकर्शण प्रस्ताव का जो जवाब दिया है उसको बारे मे मै कहना चाहता हू कि (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः श्री धर्मबीर जी आप जवाब न दे, आप अपना सवाल पूछे।

श्री धर्मबीरः स्पीकर साहब, जब हरियाणा बना तो दक्षिणी हरियाणा जिसका बार बार वित मंत्री जी जिकर करते है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः धर्मबीर जी, दक्षिणी हरियाणा तो कैप्टन साहब कहते है। दक्षिणी हरियाणा का कोई जिला आडडैटीफाई नही है कि कौन सा जिला कौन से एरिया मे है और क्या है ?

श्री धर्मबीर सिहंः स्पीकर साहब, दक्षिणी हरियाणा मे महेन्द्रगढ, भिवानी, नारनौल और रिवाडी का इलाका है। स्पीकर साहब, वहा पर नहरी पानी नही है और पीने का पानी भी बहुत कम है। अगर वहां पहर 10 हार्सपावर की मोटर लगा कर पानी नीचे से उठांएगे तो केवल 2 ईंच पाईप का ही पानी आ पायेगा यानि केवल 2 ईंच की निकासी ही नीचे से हो पाती है।

श्री अध्यक्षः आप अपना क्वै चन पूछे।

श्री धर्मबीर सिंहः मै क्वै ान ही पूछ रहा हू। चौधरी देवी लाल जी ने और पहले वाली सरकारों ने भी स्टेट मे 4 स्लैब बनाये थे ताकि उनको पानी निकालने के लिए कुछ रियायत दी जा सके। इसलिए वहां पर प्रति हार्सपावर रेट 48 रूपये था। अब वहां पर केवल 13 रूपये का ही बैनिफिट दिया है। एक तरफ तो यह इलाका है और दूसरी तरफ वह इलाका है जहां का आरोप हम लगा रहे है। वहां पर जहां पर पहले 104 रूपये का रेट प्रति हार्सपावर का था वहां पर अब उनको 69 रूपये प्रति हार्स पावर का फायदा दिया है। इन जिलो मे सिरसा का एरिया, फतेहाबाद का एरिया और नरवाना का एरिया भी भाामिल है। (विघ्न)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इनसे मेरा प्र ान केवल एक ही है। आप इस कांलिंग अटैं ान मो ान मे देखेगे कि इन लोगो ने इस मो ान मे माध्यम से सरकार को कटघरे मे खडा करने की नीयत से दुर्भावना फेलाने का प्रयास किया है। हरियाणा प्रदे ा की 2 करोड 20 लाख जनता को पूरा सरंक्षण प्रदान करना हमारी सरकार की जिम्मेवारी है और हमने इस जिम्मेवारी को अच्छी तरह से निभाया है। सरकार ने बराबर की सुविधा पूरे प्रदे ा को दी है। कांग्रेसी बैचिज की तरफ से जो कांलिंग अटै ंान मो ान दी गई है उसमे सरकार पर एक इल्जाम लगाया है कि एक पार्टिकुलर एरिया को लाभ पहुंचाना के लिए यह छूट दी गई है। आप यह बताए कि इस पर्टिकुलर एरिया मे कौन सा ऐसा एरिया है जिसको लाभ दिया गया है।

श्री धर्मबीर सिंहः कादियान साहब, मै आपके माध्यम से दोबारा बताना चाहता हू कि सरकार ने न केवल बिजली के मामले मे दूसरे एरिया को लाभ दिया बल्कि पानी के मामले मे भी उस एरिया को वि ोश छूट दी है। ऐसे एरिया मे 18 करोड रूपये से ज्यादा नहरी माल माफ हुआ है। एक तरफ 4 सर्कल ऐसे है। जहां पर केवल 1 करोड 11 लाख रूपये माफ हुआ है और दूसरे तरफ केवल 3 सर्कल ऐसे हे जहां पर 18 करोड रूपये से ज्यादा का माल माफ हुआ है।

श्री अध्यक्षः धर्मबीर जी, इस कांलिंग अटै ांन मो ान मे नहर का जिकर नही है। इसमे बिजली के स्लैब रेट की चर्चा है। आप केवल अपनी मो ान पर ही बोले।

श्री धर्मबीर सिंहः स्पीकर साहब, प्रो0 साहब, ने खुद माना है कि नहरी पानी कुछ इलाके मे ज्यादा है और कुछ मे कम है। मै कहता हू कि एक तरफ केवल 3 सर्कल हिसार, सिरसा और कैथल ऐसे है जिनमे ज्यादा पानी होने की वजह से 18 करोड रूपये 2003 का माफ हुआ है। दूसरी तरफ इसमे ज्यादा क्षेत्रफल पडता है, भिवानी, महेन्द्रगढ, नारनौल, और रिवाडी। वहां पर केवल 1 करोड 11 लाख रूपये का माल माफ हुआ है। इसका मतलब यह है कि इन एरियाज मे नहरी पानी काफी कम है। जहां पर पानी नही था वहां 10 हार्सपावर की मोटर लगाने पर केवल 2 इंच पानी निकलता है और जहां पर पानी अधिक है वहा पर 5 हार्सपवार की मोटर लगाये जाने पर 4 ईंच पानी निकलता है। इसलिए हमे केवल 13 रूपये का फायदा दिया गया और वहां पर 69 रूपये का फायदा दिया गया है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः यह फायदा नही है। (विघ्न)

श्री धर्मबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, हम यह जानते है कि सरकार ने जानबूझ कर भेदभाव पूर्ण तरीके से यह सब किया है। एक इलाका जहां नहरी पानी भी पूरा है वहां पर भी बिजली का 69 रूपये पर हार्स पावर माफ किया है और हमे केवल 13

रूपये का फायदा मिला है स्पीकर साहब, मे आपमे माध्यम से सरकार से एक बात जानना चाहता हू कि क्या हमारे माननीय सदन के नेता चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी जब बाढडा के इलाके मे जाते थे या महेन्द्रगढ के इलाके मे जाते थे तो चार स्लैब की बात करते थे जबकि लोगो की मांग 5 स्लैब की थी, वहां पर तो सरकार ने स्लैब सिस्टम खत्म कर दिया। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः धर्मवीर जी, अब तो ठीक हो गया है सारे हरियाणा मे एक जैसा सिस्टम हो गया है। आपका क्वै चन पूरा हो गया है इसलिए अब आप बैठे।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इनकी बात से यह साफ जाहिर हो गया है कि इनकी मन्ा ाा किसानो को लाभ पहुचाने की नही है और आज ये चौराहे पर नंगे खडे है इनकी मन्ा ाा केवल मात्र हर तरीके से राजनैतिक लाभा उठाने की है। इसी प्र ान के साथ ही एक प्र ान जुडा हुा है। अगर इनकी नीयत ठीक होती तो यह एस0वाई0एल0 नहर आज से 20 वर्श पहले ही बन गई होती और आज ये जो इल्जाम हम पर लगा रहे है उसकी नौबत नही आती ओर यह सारा इलाका आज सरसब्ज बैठा हुआ है। इनकी वजह से वह इलाक बर्बाद हो गया है और उस बर्बादी का मुखिया मेरे सामने बैठा हुआ है। आप भी ये लोग उसका सत्याना ा करने पर तुले हुए है। आज भी ये लोग उसका सत्याना ा कर रहे है। (विघ्न) इन्हे जनता से कोई सरोकर नही है ये तो अखबरो की सुर्खिया मे आने चाहते है। (विघ्न) जब

एस0वाई0एल0 का मुद्दा आता है तो ये लोग सदन से वाक आउट कर जाते है, हाउस से भाग जाते है, इस मुद्दे पर जब कोई मीटिंग बुलाते है तो मीटिंग मे भाामिल नही होते है। यहां पर केवलमात्र अनर्गल प्रचार करके आज राजनैतिक लाभ उठाने की चेश्ठा करते है और लाभ उठाते वक्त नासमझी की वजह से अपनी कलम से ऐसा कुछ लिख देते है जिसकी वजह से चौराहे पर नंगे खडे मिलते है। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बैठिए। (विघ्न) आप बैठे, अब पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर जवाब देगे। (विघ्न) प्रो0 साहब, धर्मबीर जी द्वारा जो सप्लीमैट्री की गई हे आप उसका जवाब दीजिए। (विघ्न) चौधरी भजन लाल जी जो बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। (विघ्न) भजन लाल जी, आप बैठे। (विघ्न) आप बिना परमि ान के बोल रहे है इसलिए आपकी कोई भी बात रिकार्ड नही हो रही है, इसलिए आप बैठे। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आप इन्हे बिठाएं (विघ्न) ये तो वैसे ही बीमार है, इसलिए आप इन्हे बिठाइये। (विघ्न) अभी चौधरी धर्मबीर जी ने एक पार्टिकुलर एरिया का जिकर किया तथा तीन एरियाज का नाम लिया और आगे ये रूक गए। सिरसा, फतेहबाद, और नवाना के आगे से रूक गए। यह जो घग्घर की बैल्ट है इसके बारे मे इन्होने कोई जिकर नही किया। What about Kaithal, what about Kurukshetra, what about

Karnal, what about Panipat. (विघ्न) ट्यूबवैल्ज के हिसाब से ये ठीक है वहां पर पानी भी है और ट्यूबवैलज भी वहां पर है। स्पीकर साहब, जहा तक साउथ की बात ये लोग करते है I don't know ये लोग इसमे फरीदाबाद और गुडगांव को गिनते हे यह नही गिनते है। (विघ्न)

श्री धर्मबीर सिंहः हम इसे गिनते है। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, ये इस बात को मान रहे है कि ये इसे गिनते है। स्पीकर साहब, ये चीजे इनकी गिनती मे हो सकती है लेकिन हम इन्हे नही गिनते है हमारे लिए तो हरियाणा के सभी 19 जिले समान है सारा हरियाणा प्रदे ा चौधरी ओम प्रका ा चौटाला के लिए बराबर है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप बैठे, यह कोई तरीका नही है।(विघ्न)

17.00 बजे

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, जब ये करनाल, कुरूक्षेत्र, अम्बाला और यमुनानगर के एरिया मे जाते है तो ये कहते है कि साउथ हरियाणा को मार दिया और जब सिरसा मे जाते है तो कहते है कि हमे तो मालूम नही कि सिरसा कैसे बैकवर्ड रह गया ? इस किस्म की छोटी राजनीति ये लोग कहते

है, इलाका राजनीति ये करते है। स्पीकर साहब, हम सारे प्रदे ा की राजनीति करते है, प्रदे ा के इन्ट्रस्ठ की राजनीति करते है। मै आपके सामने फरीदाबाद और गुडगांव के ट्यूबवैल का रिकार्ड रखना चाहता हू। स्पीकर साहब, फरीदाबाद मे 13 हजारा 247 ट्यूबवैल 0 से 100 फुट की डैप्थ तक के है। ये वे है जिनका रेट 104 रूपये से घटकर 35 रूपये पर मन्थ हुआ है। इसी तरफ से गुडगांव मे 15 हजार 322 टयूबवैल्ज है जिनका रेट 104 रूपये से घटाकर 35 रूपये पर मन्थ हुआ है। सर, इसके आगे जो मंहगा स्लैब आता है उसमे रेट 100 रूपये से 150 रूपये था इस रेट के फरीदाबाद मे 412 और गुडगांव मे 423 टयूबवैल्ज है। इसके बाद 151 से 200 रूपये जिन टयूबवैल्ज का रेट था उसमे टयूबवैल्ज की संख्या निल है। स्पीकर साहब, मै यह गुडगांव और फरीदाबाद के आकडे प्रस्तुत कर रहा हू। सर, गुडगांव और फरीदाबाद मे टोटल टयूबवैल्ज की संख्या 835 बनती है। सर, हरियाणा मे 100 फुट से ज्यादा गहरे टयूबवैल्ज साढे 28 हजार है जिनका रेट 104 रूपये से 35 रूपये पर मन्था कर दिया गया है। अब ये इलाके की बात करते है मै आपके माध्यम से इनको कहना चाहूंगा कि इलाके की बात कहना हमारे बस की नही है, हमारे लिए तो सारा प्रदे ा एक है। स्पीकर साहब, हमने यह सब प्रदे ा के इन्ट्रस्ट को देखकर किया है। इनहोने जो कुछ किया था वह किसान के गले की हड्डी बन गई थी। इस प्रोब्लम को खत्म करने के लिए हमने यह स्लैब प्रणाली बनाई है। इसके अलावा जो दूसरी बात इन्होने कही है तो उस बारे मे मै आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि जंहा पर

जितना पानी लगेगा उसी के हिसाब से आबपा ाी होगी। सर, अलग अलग फसल के हिसाब से आबपा ाी का रेट फिक्स हुआ था। हमने यह सारा का सारा माफ कर दिया हैै। स्पीकर साहब, मै इनको यह बताना चाहूंगा कि हमने यह इस साल के लिए माफ नही किया है यह हमने हमे ाा के लिए माफ कर दिया है। स्पीकर साहब, जब एस.वाई.एल. का जिकर आएगा, जैसा कि ये भी सदन मे जिकर करते है तो मै इनको कहना चाहूगा कि एस.वाई.एल. के पानी से भिवानी, महेन्द्रगढ, फरीदाबाद और गुडगांव चाहे कोई भी जिला है। (विघ्न) आप मुझे बोलने दे मै आगरा कैनाल के बारे मे भी बता दूंगा। स्पीकर साहब, मै यह कह रहा था कि एस0वाई0एल0 का पानी महेन्द्रगढ मे लगेगा, रिवाडी मे लगेगा, नारनौल मे लगेगा, फरीदाबाद, भिवानी इत्यादी मे लगेगा। इसका पानी सारे हरियाणा को सप्लीमैंट होगा। आज नरवाना भाखडा कैनाल लिंक के थ्रू भाखडा का पानी यमुना एरिया मे देते है और जब उधर समस्या आ जाती है तो यमुना का पानी भी सिरसा नदी के थ्रु भाखडा के एरिया मे देते है और जब उधर समस्या आ जाती है कि हमारी सारी स्टेट का इंटर लिक्ड सिस्टम है। इसी तरीके से वाटर अलाउंसिंज सारे स्टेट मे बढ जाएगे। स्पीकर साहब, जब एस.वाई.एल. का पानी हरियाणा मे आएगा इससे केवल एक एरिया को फायदा नही होगा बल्कि टोटल स्टेट को फायदा होगा। सुप्रीम कोर्ट के आर्डर से यह डेफिनेट हो चुका है कि एस0वाई0एल0 नहर बनकर रहेगी। स्पीकर साहब, ये लोग जान बूझकर लेट कर रहे है, यह अलग बात है। स्पीकर साहब, 2,3 और

4 महीने फालतू लग सकते है और जो पानी आएगा उस पर आबियान नही लगेगा। स्पीकर साहब, इसके बाद इन्होने आगरा कैनाल की बात की है। ये बार बार प्र ान उठाते रहते है, आज भी उठाया है और पहले भी उठाते रहे है। (विघ्न) कर्ण सिंह दलाल जी, आप चौधरी बंसी लाल जी की वजारत मे मंत्री थे। बंसी लाल जी ने भी यही कहा था कि अगर मै मुख्यमंत्री बना तो अगले दिन ही आगरा कैनाल का कंट्रोल मेरे हाथ मे होगा। चाहे मुझे वहां पुलिस भेजनी पडे, चाहे मुझे उसको कब्जे मे लेना पडे और चाहे मुझे उसके लिए कुछ भी करना पडे वह मेरे हाथ मे होगा। स्पीकर साहब, साढे तीन साल बीत गए लेकिन कुछ नही हुआ। स्पीकर साहब, उसका आबियान कौन लेता है,यह आबियान हरियाणा सरकार नही लेती है, उसका एक नया चार्ज नही करती है। उतर प्रदे ा सरकार उसका आबियान चार्ज करती है, उसका एक नया पैसा चार्ज नही करती है। उतर प्रदे ा सरकार उसका आबियान चार्ज करती है क्या उतर प्रदे ा को आप हरियाणा से पैमेन्ट करवाना चाहते है। स्पीकर साहब, मै किसान के इन्ट्रैस्ट की बात कर रहा हू। (विघ्न) स्पीकर साहब, आज के दिन मुझे यह बात कहते हुए भाोभा नही देता है लेकिन दलाल साहब ने मुझे लौबी मे कहा था कि आज के दिन इनके एरिया का किसान एक नये पैसे का आबियान उतरप्रदे ा की सरकार को नही दे रहा है। (विघ्न) अब इसका मतलब यह है कि हम उनको पैसा देने के लिए फोर्स करे। (विघ्न) मेरा वही कहना है कि कोई ऐसी बात न निकल जाए जिससे वहां के किसानो को नुकसान हो जाए। मै इस

कंट्रोवर्सी मे इसलिए ही नही पडना चाहता था लेकिन उस इलाके का नुकसान करवाने के लिए यही ऐसा करवा रहे है। हमारे लिए तो सारी स्टेट बराबर है और इसलिए मै कह रहा हू कि इसको यूनानीमसली पास करे कि जो मुख्यमंत्री जी ने यह स्लैब सिस्टम किया है। वह ठीक है। यह जो 200 फुट का टयूबवैल्ज की गहराई तक 35 पैसे प्रति यूनिट तक टैरिफ किया है इसका इनको या तो विरोध करना चाहिए या समर्थन करना चाहिए। एक काम दोनेा मे से इनको करना चाहिए। ये इसको या तो सपोर्ट करे या अपोज करे लेकिन ऐसे मत छोडे। (ाोर एवम व्यवधान)

परिवहन मंत्री (श्री अ ाोक कुमार): अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी के प्रैसीडैन्ट भी यहां पर बैठे है और इनके उप नेता भी यहा पर बैठे है। इनको बताना चाहिए कि क्या ये अपने घोशणा पत्र मे इन स्लैब रेट्स को अपोज करेगे? इनको बताना चाहिए कि अगर इनकी सरकार बनी तो क्या वे इन स्लैब रेट्स को तोडेगे?

प्रो0 सम्पत सिंह: अध्यक्ष महोदय, इनको क्लयर करना चाहिए। Either they support it or oppose it.

श्री अध्यक्ष: कैप्टन साहब, दलाल साहब और दीवान साहब, आपसे पार्लियामैट्री अफेयर्ज मिनिस्टर पूछ रहे है कि क्या आप इसको अपोज करते है यह ऐक्सैप्ट करते है ?

श्री धर्मबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, हम इसको स्पोर्ट करते है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप यह बताए कि स्लैब प्रणाली जो अब की गयी है यह ठीक है या गलत है? नहरी पानी माफ करना ठीक या गलत है ? (ाोर एवम व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादवः आप हमारी बात सुनिए। मै जवाब दे रहा हू।

श्री अध्यक्षः दीवान साहब, आप यह बताए कि जो यह स्लैब रेटस सरकार द्वारा तया किये गये है यह ठीक है या गलत है? जो सोनीपत मे 104 रूपये प्रति हार्सपावर से 35 रूपये प्रति हार्स पावर का रेट किया है क्या यह ठीक है यह गलत है ?

दीवान पवन कुमारः अध्यक्ष महोदय, ये तो ठीक है।

श्री अध्यक्षः चलिए, दीवान साहब ने तो इसका समर्थन कर दिया। अब कैप्टन साहब, आप बताए कि यह जो स्लैब प्रणाली अब सरकार द्वारा लागू की गयी हे यहा ठीक है या नही?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै यह कह रहा हू कि जो सरकार ने स्लैब प्रणाली लागू की है उससे हमे कोई दिक्कत नही है हमारी दिक्कत केवल यह है कि जहां पर टयूबवैल बेस्ड सिचाई है वहा के लोगो को आप रिलीफ देगे या नही देगे? हम तो केवल इतनी सी बात कह रहे है लेकिन आप तो

इसका बंतगड बना रहे है। हमारा ऐतराज तो इस बात का है कि जो टयूबवैल बेस्ड इलाके है उसको आप रिलीफ दे दे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप मेरी तरफ दैखे। माननीय मुख्यमंत्री जी खडे है आप उनकी बात सुनिए। आपको चेयर की तरफ देखकर बात करनी चाहिए।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै इस विशय से अलग जाकर एक अलग बात करने जा रहा हू। धर्मबरी जी ने भी इस बारे मे कहा है, आप भी कह रहे है और दूसरे साथी भी कर रहे है। आप रिकार्ड उठाकर देखिए, एक साल पहले जब हरियाणा मे भंयकर अकाल की स्थिति थी उस समय मंडियो मे जो बाजरे की आमदन हुई है, मंडियो मे जो सरसो की आमदन हुई है, मंडियो मे जो कपास की आमदन हुई है तो क्या धर्मबीर जी बताएगे कि इससे पहले कभी नारनौल, महेन्द्रगढ, और भिवानी की मंडियो मे इतनी कपास बिकी थी? भंयकर सूखे की स्थिति के बावजूद दक्षिणी हरियाणा की चप्पे चप्पे भूमि की सिचांई हुई है। (विध्न) आप एक मिनट मेरी बात तो सुनिए।

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठिए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः लेकिन इसमे आपका रोल नही है।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, इस तरह के कामो मे सरकार का रोल तो होता ही है।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इसमे हमारा रोल है क्योकि हमने 24 घन्टे किसानो को बिजली दी है और नहरो मे पानी चलाया है। अध्यक्ष महोदय, अगर नहरो मे पानी न चलता तो फब्बारा सैट्स कैसे चलते और अगर फब्बारा सैट्स चलते तो वहां की भूमि कैसे सिचिंत होती? इनको ले ा मात्र भी इस बात मे संकोच नही होना चाहिए क्योकि यह सरका के प्रयासो का ही नतीजा है। यह रिकार्ड की बात है। हमने 36 परसैट पानी ज्यादा चलाया है हमने 53 परसैट बिजली ज्यादा दी थी जिसकी वजह से दक्षिणी हरियाणा की चप्पे चप्पे भूमि की सिचांई हुई और अगर तुम्हारी नालयकी न होती तो एस0वाई0एल0 आज से 20 साल पहने बन गई होती और वह इलका सबसे ज्यादा सरसब्ज इलाका होतां। तुल मुलजिम हो और मुलाजिमो के कटघरे मे खडे हो।

विधान कार्य

1. दि हरियाणा भूगरकेन (रैगुले ान आफ परचेज एड सप्लाई) हरियाणा अमैडमैट, बिल, 2004

Mr. Speaker: Now, a Minister intoduce the Punajb Sugarcane (Regulation of Purchase ad Supply) Haryana Amendemnt Bill, 2004 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to intoduce the Punajb Sugarcane (Regulation of Purchase ad Supply) Haryana Amendemnt Bill, 2004

Sir, I beg to move-

That the Punajb Sugarcane (Regulation of Purchase and Supply) Haryana Amendemnt Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the Punajb Sugarcane (Regulation of Purchase and Supply) Haryana Amendemnt Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is

That the Punajb Sugarcane (Regulation of Purchase and Supply) Haryana Amendemnt Bill, be taken into consideration at once

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Sub Cluase 2 of Clause 1

Mr. Speaker: Question is

That Sub Clause (2) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub Cluase 3 of Clause 1

Mr. Speaker: Question is

That Sub Clause (3) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker: Question is

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub Cluase (1) of Clause 1

Mr. Speaker: Question is

That Sub Clause (1) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

2. दि हरियाणा म्यूनिसिपल (हरियाणा अमैडमैट) बिल, 2004

Mr. Speaker: Now, a Minister of State for Urban Development will intoduce the Hayana (Amendement) Bill, 2004 and will also move the motion for its consideration.

Minister of State for Urban Development (Shri Subhash Goyal): Sir, I beg to intoduce the the Hayana (Amendement) Bill, 2004

Sir, I beg to move-

That the Haryana Municiapl (Amendemnt) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the Haryana Municiapl (Amendemnt) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is

That the Haryana Municiapl (Amendemnt) Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker: Question is

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Minister of State for Urban Development (Shri Subhash Goyal): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से हरियाणा के लोगो की भावनाओ से इस सरकार को अवगत करना चाहता हू...(ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाइये, यह स्टेज डिबेट की नही है।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मै इस बिल के बारे मे ही बोलना चाहता हू।

वित मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर साहब, मै आपकी परमि ान लेना चाहता हू। वैसे तो खुद श्री कर्ण सिंह दलाल पार्लियामैटरी अफयर्स मिनिस्टर रहे है। बिल की इस स्टेज पर इनको बोलने के बारे मे याद आया है जब बोलने की स्टेज जा चुकी है। इनको पता है कि जब कोई बिल मूव होता है जब मंत्री जी ने आपसे मूव करने की इजाजत ले ली है उसके बाद बिल मूव होता है और उस पर डिबेट होती है। उस वक्त लेना चाहिए, जब आपके मूव करने के बाद बिल को असैप्ट कर दिया। उसके बाद क्लाज बाई क्लाज की स्टेज पर आ गई उस वक्त इन्हे डिसक ान की याद आइ है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै बोलने के लिए खडा हुआ था लेकिन आपने बोलने की इजाजत नही दी।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, जब कोई बिल इन्ट्रोडयूस हो जाता है तभी उस पर डिसक ान होनी चाहिए। मै उसी बात को दोहना रहा हू कि ये सीरियस नही है इनका ध्यान पता नही कहा होता है? किनते सीरियस होकर ये सदन मे बैठते है यह मुझे मालूम नही, इसलिए मुझे अफसोस है।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से हरियाणा के लोगो की भावनाओ से इस सरकार को अवगत कराना चाहता हू। माननीय मंत्री जी यह हरियाणा म्यूनिसिपल अमैडमैंट बिल लायें है। अध्यक्ष महोदय, सरकार के अन्दर लोगो की आस्था होती है क्योंकि लोगो की देखभाल करना, लोगो के वैलफेयर के लिए काम करना और लोगो को रोजगार उपलब्ध कराना यह सब राज्य सरकार की जिम्मेदारी होती है कि वह प्रदे ा के लोगो को सारी सुविधांए उपलब्ध कराये। आज इस सरकार की कार्यकाल पूरा होने जा रहा है।

श्री अध्यक्षः आप बिल पर बोले। आपका भी तो कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। आप अमर थोडे रहेगे।

श्री कर्ण सिह दलालः स्पीकर साहब, मै बिल पर बोल रहा हू। इस सरकार को मालूम है कि इसका कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। आज इस सरकार का कार्यकाल अतिम दौर से गुजर रहा है और ऐसे समय मे ऐसा बिल लेकर आये हे जिससे आज हरियाणा के लोगो मे सरकार के प्रति एक आं ाक खडी हुई है।

आज हरियाणा के लोगो मे सरकार के प्रति एक आ ांका खडी हुई है। आज हरियाणा के लोग सोचने पर मजबूर हो गये है कि सरकार अपनी उपलब्धियो मे विफल हो चुकी है। ...(ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप बिल पर बोले। आप बिल की कौन सी क्लाज पर बोल रहे है?

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मै इस बिल का इसलिए विरोध कर रहा हू क्योंकि जिस क्लाज को आप रैफर कर रहे है कि इस बिल मे 120 डेज पहले चुनाव करा सकते है In case of Dissoulution of any committee or Municipal Council in the State of Haryana. स्पीकर साहब, भाहरो मे समय से पहले चुनाव कराने की जो सोच है उससे लगता है कि सरकार की नीयत मे खोट है।

श्री अध्यक्षः आप बिल पर बोले वरना फिर दूसरे सदस्य बोलना भुरू कर देगे और फिर ज्यादा भाोरगुल होगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, हरियाणा के लोगो मे आज एप्रिहैं ान है और डर है कि सरकार चुनाव के नाम से लोगो को आपस मे लडायेगी, लडाई झगडा होगे ओर उन लडाई झगडो का फायदा यह सरकार विधान सभा चुनावो मे उठाना चाहती है। ये सरकार के काम नही होते। सरकार के काम होते है

कि भाहर मे गन्दगी बढी हुई है उनकी सफाई नही हुई है इस प्रकार के काम होने चाहिए।

श्री अध्यक्षः बिल पर बोले बिल के बारे मे तो आपने कुछ बताया नही, इसलिए आप बैठिये।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, सरकार भाहर के लोगो को सुविधा देने के बजाए पंचायत के चुनाव और म्यूनिसिपल बिल की अमैडमैंट बिल के माध्यम से लोगो मे आपस मे लडाने की मन्ा ाा है। लोगो मे .....बढाने की मन्ा ाा है, इन्होने पुलिस की भर्ती मनमाने ढंग से की है.....

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये अनापार्लियामैंट भाब्द हाउस की कार्यवाही मे रिकार्ड न करवाए जांए।

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह दलाल ने जो अनापार्लियामैंट भाब्द कहे है वे रिकार्ड न किए जांए।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, असैम्बली के चुनाव लडाने के लिए होते है तो असैम्बली के चुनाव हो ही न। ये अनाडैमोक्रेटिक काम हुआ था, ये डेमोक्रेटिक काम नए चुनाव कराने वाला भी हुआ था, जो ये बात कह रहे है उसमे दुर्गन्ध आ रही है we are smelling something out of that कि कहा से पैदाइ ा राजनीतिक तौर पर हुई है, भाई कर्ण सिंह दलाल को मालूम है कि इलैक ान को टालने के लिए हुआ था, यहां तो प्रिपोन की बात है। यहा पर भी हुआ थ कि लोकसभा की अवधिा

ब्रूट मैजोरिटी का फायदा उठाकर 5 से 6 साल बढाने का काम किया गया था। यह कांग्रेस पार्टी ने किया था, और जब रिट पेटी ान इनके खिलाफ हुई थी, अवैध घोशित हो गए, उसके बाद प्राइम मिनिस्टर की पोस्ट को उससे निकाल लिया गया, ऐसी ऐसी अमैडमैंट की गई है। इसका मतलब ये है कि ये कहते है कि चुनाव मे झगडे होते है, झगडे न हों इसलिए चुनाव न कराए जाए। इसलिए इन्होने इमरजैसी लगाकर लोकसभा की अवधि 5 साल की बजाए 6 साल करने काम किया। लेकिन हरियाणा सरकार ऐसा नही चाहती। डेमोक्रेसी है और नीचे लोवैस्ट लैवल पर ग्रास रूट लैवल पर डेमोक्रेसी रहेगी। झगडे हरियाणा सरकार नही करने देगीं बाकायदा पूरा एडमिनिस्ट्रे ान कंट्रोल होता है। एक ही चुनाव के अंदर आज तो धारा 107 और धारा 151 के तहत अब तक कोई दरखास्त नही आई है, पीसफुली सारे के सारे चुनाव कराए गए है, कोई झगडे का मतलब नही है। केवल मात्र यह कहना कि झगडे हो जांएगे इसलिए टाल दो। जैसा इनके नेता ने पहले कहा था 1971 से 1976 मे लोकसभा की अवधि एक साल बढाने का काम किया था। यह काम हमारी सरकार नही कर रही हम तो प्रिपोन कर रहे है। ...(ाोर एवम व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हम हरियाणा की जनता की तरफ से और तमाम विपक्ष की तरफ से यह सुझाव देना चाहते है कि ये विधान सभा के चुनाव करवांए। पंचायत और नगरपालिका के चुनाव उसके बाद हो। इनमे हिम्मत है और इनको

अपनी लोकप्रियत पर वि वास है तो ये विधान सभा के चुनाव करवांए।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप बैठे, हम कोई टैन्योर नही घटा रहे। आपको पता नही है कि अमैडमैंट कहा है।

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

3. दि कुरूक्षेत्र भाराईन बिल, 2002

Mr. Speaker: Now, a Minister of State for Urban Development will intoduce the Kurukshetra Shrine Bill, 2004 and will also move the motion for its consideration.

Minister of State for Urban Development (Shri Subhash Goyal): Sir, I beg to intoduce the the the Kurukshetra Shrine Bill, 2004 and I also move-

That the Kurukshetra Shrine Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the Kurukshetra Shrine Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is

That the Kurukshetra Shrine Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Sub Cluase 2 of Clause 1

Mr. Speaker: Question is

That Sub Clause (2) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Cluase 2 of Clause 42

Mr. Speaker: Question is

That Sub Clause 2 to 42 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker: Question is

That Schedule be the Schedule of the Bill.

The motion was carried.

Sub Cluase (1) of Clause 1

Mr. Speaker: Question is

That Sub Clause (1) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister of State for Urban Development will abve that the Bill be passed.

Minister of State for Urban Development (Shri Subhash Goyal): Sir, I beg tmove-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

2. दि हरियाणा म्यूनिसिपल कार्पोरे ान (सैकिण्ड अमैडमैट) बिल, 2004

Mr. Speaker: Now, a Minister of State for Urban Development will intoduce the Hayana Municiapl Corporation (Second Amendement) Bill, 2004 and will also move the motion for its consideration.

Minister of State for Urban Development (Shri Subhash Goyal): अध्यक्ष महोदय, मै हरियाणा म्यूनिसिपल कारपोरे ान (द्वितिय सं ाोधन) विधेयक, 2004 प्रस्तुत करता हू–

Sir, I beg to move-

कि हरियाणा म्यूनिसिपल कारपोरे ान (द्वितिय सं ाोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाये।

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the the Hayana Municiapl Corporation (Second Amendement) Bill, 2004 be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is

That the the Hayana Municiapl Corporation (Second Amendement) Bill, 2004 be taken into consideration at once

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker: Question is

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-4

Mr. Speaker: Question is

That Clause 4 stand part of the Bill.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Minister of State for Urban Development will move that the Bill be passed.

Minister of State for Urban Development (Shri Subhash Goyal): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

The motion was carried

5. दि हरियाणा पचांयती राज (सैकेण्ड अमैडमैंट) बिल, 2004

Mr. Speaker: Now, a Minister will intoduce the Hayana Panchayati Raj (Second Amendement) Bill, 2004 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minsiter (Prof. Sampat Singh) Sir I beg to introduce the Haryana Panchayati Raj (Second Amendement) Bill, 2004

Sir, I beg to move-

That the Panchayati Raj (Second Amendement) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the Panchayati Raj (Second Amendement) Bill be taken into consideration at once.

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इस पर हम बोलना चाहते है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप तो सभी बोलने के लिए खडे हो गए। चौधरी भजन लाल जी, आप बोलगे या आपके लीडर डिप्टी लीडर बोलेगे।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, पंचायती राज बिल पर सभी साथी बोलेगे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, भी बोलने के लिए खडे है। मै दोनो को एक साथ बोलने के लिए कैसे इजाजत दे सकता हू। दोनो को एक ही समय मे बोलने की इजाजत नही दी जा सकती। कैप्टन साहब, आप बैठिये। पहले चौधरी भजन लाल जी को अपनी बात कहने दीजिए।

चौधरी भजन लाल आदमपुरः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो यह पंचायती राज ऐक्ट मे स ाोधन करने की बात कही है इस बारे मे मै अपनी बात कहना चाहूंगा। इस बिल के सं ाोधन मे मोटी से एक ही बात है कि ये समय से पहले चुनाव करवाना चाहते है और यही इनका एक मकसद है और कोई इनका मकसद नही है। चाहे म्यूनिसिपल कमेटी हो, चाहे म्यूनिसिपल कारपोरे ान हो उनका भी और पचायंती राज संस्थाओ का भी

चुनाव ये समय से पहले ही करवाना चाहते है। इनके चुनाव के लिए पहले से ही कानून मे 5 साल का प्रावधान है तो फिर ये इनसे अमैडमैंट क्यो लाने चाहते है? (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप यह बताएं कि क्या अमैडमैंटन लाए। आपने इसका विरोध करना हो तो विरोध करे या जो आपने अपनी बात कहनी हो वह कहे। (ाोर एवम विघ्न) डा0 कादियान जी, आप चुप रहिए। इस बिल के लिए आपकी पार्टी को समय दिया है इसलिए आप चुप रहिए।

चौधरी भजन लालः इनका समय से पहले चुनाव करवाने का मकसद है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप बतांए कि क्या टाईम घटा रहे है या क्या कर रहे है। इसमे सरकार क्या लेकर आ रही है यह आप बताओ न कि आप कोई कहानी घडो? आप सही सही बिल पर बोले। (ाोर एवम विघ्न)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, आप सुनने की कृपा करे। ये टाईम से पहले चुनाव करवाना चाहते है। यह चुनाव इसलिए पहले करवाना चाहते है क्योकि थोडे समय बाद असैम्बली के चुनाव होगें। ये असैम्बली के चुनावो से पहले पंचायतो के, कमेटियों के और म्यूनिसिपल कारपोरे ान के चुनाव करवाना चाहते है ताकि गांवो मे और भाहरो मे दो पार्टियो बन जाए। ये ऐसा करके गांव का आपसी भाईचारा बिगाडना चाहते है। मेरा

कहना है कि इनको यह अमैडमैंट लाने की क्या जरूरत थी। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप किस चीज पर बोल रहे है। (ाोर एवम विघ्न) चौधरी भजन लाल जी, आप क्या बोल रहे है। क्या अमैडमैंट है और क्या कहना चाहते है, वह आप बताए। (ाोर एवम विघ्न)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मै जो यह बिल आया है उसकी जो अमैडमैंट की जा रही है उस बारे मे अपनी बात कहना चाहता हू। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः जो भाब्द इन्होने कहे है वे रिकार्ड न किए जांए।

चौधरी भजन लालः आप थोडा सा समझने की कोि ा ा करे कि इनकी नीयत क्या है? इनकी नीयत साफ नही है। यह हर जगह पार्टीबाजी करना चाहते है। (ाोर एवम विघ्न) जो बात मै बोल रहा हू वह आपकी समझ मे नही आयेगी। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप चुप रहिए। इस समय कांग्रेस की क्रीम बोल रही है। इसलिए पहले इन्हे बोलने दे। कृपया आप बैठ जाए।

चौधरी भजन लालः मेरे कहने का मतलब यह है कि मेहरबानी करके जो गांवो मे पंचायतो का भाईचारा बना हुआ है

उस भाईचारे को न बिगाडे तो अच्छा है इन्होने लोग सभा के चुनावो मे देख लिया। ये एक सीट भी जी कर नही आएं। लोकसभा के चुनावो मे इनकी पूरी फजीहत हो गई। अब ये इनके दुबारा से चुनाव करवा कर राज हथिया ले, इसलिए यह अमैडमैंट कर रहे है। आपको लोग राज के नजदीक फअकने नही देगे। जनता जानती है कि किसको राज देना चाहिए। इसलिए मेरा कहना यह है कि ये भाईचारे को न बिगाडे। इसलिए इस अमैडमैंट को करने की आव यकता नही है।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आपकी तरह समय नही घटा रहे।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, हमने समय घटाया नही बल्कि बढाया था। हमने 3 साल से 4 साल किया और फिर 4 साल से 5 साल किया।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, इस अमैडमैंट मे भी इन का समय कम नही हो रहा। पचांयतो की अवधि का समय 5 साल ही है। आपको पता नही है आपको कोई ब्रीफ ठीक ढंग से नही करता। (ाोर एवम विघ्न)

चौधरी भजन लालः आप सुनने की कृपा करे। ये गांवो मे जानबूझकर पार्टीबाजी बना कर माहौल बिगाडना चाहते है और राज हथियाने चाहते है जबकि राज के नजदीक लोग आने नही देगे। पार्लियामेंट मे भी आपने देख लिया। 10 सीटो मे से ये एक

सीट जीत कर नही आए। दूसरे प्रदे ाो मे दिल्ली, राजस्थान, यू0पी0 जगहो मे तो आपकी जमानत भी जब्त हो गई। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः अब आप बैठिये। आप यहां भी जमानत जब्त करा लीजिए। (ाोर एवम विघ्न)

(इस समय डा0 रघुबीर सिंह कादियान तथा कैप्टन अजय सिंह यादव बोलते हुए वैल मे आ गए।)

श्री अध्यक्षः आप अपनी सीटो पर जांए। (ाोर एवम विघ्न) मै तो आपको बोलने के लिए पहले ही समय देना चाहता था इसिलए आप लोग अपनी सीटो पर जांए। (ाोर एवम विघ्न) यदि आप बिल पर बोलना चाहते है मै आपको बोलने के लिए समय देता हू। **इस समय माननीय सदस्य डा0 रघुबीर सिंह कादियान तथा कैप्टन अजय सिह यादव अपनी सीटो पर चले गए।** (ाोर एवम विघ्न) कादियान साहब, मै आपको बिल पर बोलने के लिए टाईम देता हू इसलिए आप बिल पर बोले। (ाोर एवम विघ्न)

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने के लिए आपने समय दिया इसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। (ाोर एवम विघ्न) अध्यक्ष महोदय, चांर पांच बिल सदन मे आए है। (ाोर एवम विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनिए। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, अगर आप बोलना चाहते है तो बोले नही तो कैप्टन साहब, को बोलने दे। (ाोर एवम विघ्न) यदि आप बोलना चाहते है तो आपने एम0एल0ए0 को मना कर दे ये भी बोलने के लिए खडे हुए है और आप भी बोलने के खडे हुए है। (ाोर एवम विघ्न) आप दोनो एक साथ बोलने के लिए खडे हुए है। (ाोर एवम विघ्न)

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, मै इस बिल पर बोलना चाहता हू और आपने मुझे बोलने की इजाजत भी दी है। (विघ्न) स्पीकर साहब, इस बिल के जो एम्ज एण्ड अब्जैक्टस है उसमे गवनर्ममैंट द्वारा कुछ वि ोश नही दिया हुआ है आप इसे देख ले। यह पचायती राज सैकण्ड अमैडमैंट बिल आया है इसमे जो स्अेटमैंट औफ ऐम्ज आब्जैक्ट्स है It is a matter of the house. है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः इन्होने हाउस के बारे मे जो वर्ड इस्तेमाल किया है वह रिकार्ड न किया जाए।

डाण्0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, जब से हरियाणा बना है तब से आज तक किसी बिल के ऐसे ऐम्ज आब्जैक्ट्स हाउस मे नही आए। जिस ढंग से ये दो महीने से चार महीने तक समय बढाने की अमैडमैंट ले कर आए है जिसमे ये

पंचायती चुनाव असली करवाना चाहते है। (ाोर एवम विघ्न) (ाोर एवम विघ्न) **इस समय माननीय सदस्य श्री कर्ण सिह दलाल और श्री जगजीत सिंह सांगवान ने अपनी सीटो पर खडे होकर कुछ कहा जो सुनाई नही दिया तथा कई माननीय सदस्य अपनी सीटो पर खडे होकर द र्क गैलरी की तरफ संकेत करते हुए बोलने लगे जो कि भाोर भाराबे के बीच मे सुनाई नही पडा।**

श्री अध्यक्षः सभी सदस्यगण भांात रहे और अपनी सीट पर बैठे। (ाोर एवम विघ्न) आप सभी लोग बैठिए। (ाोर एवम विघ्न) कादियान साहब, आप बोलें। (ाोर एवम विघ्न) आप सभी लोग अपनी अपनी सीट पर बैठे। आप सभी लोग भाांत रहे। (ाोर एवम विघ्न) कृपा भाांत रहे। (ाोर एवम विघ्न) किसी की कोई बात रिकार्ड नही होगी। आप सभी लोग अपनी सीटो पर बैठे। (ाोर एवम विघ्न) कोई भी सदस्यगण इस तरह से ने बोले और अपनी सीटो पर बैठे। (ाोर एवम विघ्न)

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वयांट आफ आर्डर है कि इनके नाम नोट किए जाए, ये बदमा ाी कर रहे है यह गुण्डागर्दी कर रहे है इनके नाम नोट करवाएं। (ाोर एवम विघ्न)

श्री राम कि ान फौजीः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः बैठिए, फौजी साहब, आप बैठिए (ाोर एवम विघ्न) कादियान साहब, आप बोलिए (ाोर एवम विघ्न) आप सभी लोग बैठे। (ाोर एवम विघ्न)

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि यहां पर सी0आई0डी0 के लोग बिठा रखे है। यहां पर बदमा ा किस्म के लोग हाउस मे बिठा रखते है। इसकी इन्क्वायरी होनी चाहिए। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः सी0आई0डी0 का कोई आदमी यंहा पर नही है आप सभी लोग अपनी अपनी सीटो पर बैठे। (ाोर एवम विघ्न) कोई भी सदस्य अब नही बोलेगा। (ाोर एवम विघ्न) आप आप सभी लोग अपनी अपनी सीटो पर बैठे। (ाोर एवम विघ्न) कादियान साहब, आप अपनी सीट पर आएं, आप हाउस को डिस्टर्ब कर रहे है। (ाोर एवम विघ्न) किसी को बोला हुआ कुछ भी रिकार्ड नही हो रहा है इसलिए आप सभी लोग अपनी अपनी सीटो पर बैठे। (ाोर एवम विघ्न) कादियान साहब, अगर आप बिल पर बोलना चाहते है तो बोले वरना अपनी सीट पर बैठे।(ाोर एवम विघ्न)

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, यहां पर सी0आई0डी.0 के लोग बैठे हुए है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः यदि उधर से कोई आवाज आई है तो सिक्योरिटी वाले उन लोगो को बाहर निकाल दे। अगर किसी को

इनके बारे मे कुछ महसूस हुआ है तो उन लोगो को हाउस से बाहर निकाल दे। (ाोर एवम विघ्न) सभी लोग अपनी अपनी सीटो पर बैठे। **इस समय डा0 रघुबीर सिंह कादियान एवम कई अन्य माननीय सदस्यगण द र्किदीर्घा की ओर गए।** सिक्योरिटी वाले लोग पहले इन एम0.एल.एज. को काबू करे। प्लीज सीट डाउन (ाोर एवम विघ्न) आप सभी लोग बैठ जाए। सिक्योरिटी वाले लोग इन लोगो को हाउस से बाहर कर दे। (ाोर एवम विघ्न) कादियान साहब, आप अपनी सीट पर आईये। (ाोर एवम विघ्न) आप सभी लोग अपनी अपनी सीटो पर बैठ जांए।

वित मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। क्या कोई एम0एल0एज0 पब्लिक गैलरी की और जा सकता है? (ाोर एवम विघ्न) स्पीकर साहब, अगर कोई ऐसी बात है तो वे लोग आपसे कम्पलेंट करे इस प्रकार से कोई फस क्रिऐट नही कर सकता। अगर कोई व्यक्ति पब्लिक गैलरी मे नयूसैंस क्रिएट करता है तो उसकी ि ाकायत ये लोग स्पीकर साहब, से कर सकते है। लेकिन कोई व्यक्ति इस प्रकार से कानून को अपने अधिकार मे नही ले सकता। (ाोर एवम विघ्न) स्पीकर साहब, there is certain processes. (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः चलो, अगर किसी ने ऐसा कुछ कह दिया हो तो उसको हाउस से बाहर निकाल दो। (ाोर एवम विघ्न) मैने कहा है कि उनको सदन से बाहर निकाल दो। (ाोर एवम विघ्न) नही नही कोई कुछ नही कहेगा, आप अपनी सीटो पर बैठे। (ाोर

एवम विघ्न) कोई कुछ नही कहेगा। (ाोर एवम विघ्न) कोई नही बोलेगा। अगर किसी को कुछ पता नही था और उसने कुछ बोल दिया है तो वह आईन्दा से नही बोलेगा। (ाोर एवम विघ्न) उसको पता नही था। (ाोर एवम विघ्न) आप अपनी सीटो पर बैठ जांए।

(इस समय डा0 रघुबीर सिंह कादियान, कैप्टन अजय सिंह यादव, श्री जगजीत सिंह सांगवान, राव नरेन्द्र सिंह और राम कि ान फौजी, वैल मे आ गए और अध्यक्ष महोदय, से कार्यवाही करने की मांग करने लगे।)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आप इनको अपनी अपनी सीट्स पर बिठाएं। जिस तरह से मैम्बर्ज बिहेव कर रहे है, क्या मैम्बर्ज का इस तरीके का बिहेव होना चाहिए ? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप सब अपनी सीटो पर जांए। (ाोर एवम विघ्न) कादियान जी, आप अपनी सीट पर बैठे। (विघ्न)

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, वह सी0आई0डी0 का आदमी है इसके पास हमने कार्ड देखा है। (ाोर एवम व्यवधान) यह आदमी जानबूझ कर ऐसा कर रहा है। आप इसको पास चैक करवाए।(ाोर एवम विघ्न) इस बारे मे इन्क्वायरी होनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः यह सी0आई0डी0 का आदमी नही है। (ाोर एवम विघ्न) आप अपने प्वांयट पर आए। आप सभी अपनी

सीटो पर बैठे। (ाोर एवम विघ्न) कादियान जी, बैठ जाए। ये जो भी अब कर रहे है वह कुछ रिकार्ड न किया जाए।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः आप बिल पर आएं (विघ्न) कोई सी0आई0डी0 का आदमी नही है। अगर किसी को कायदे कानून का पता नही था और उसने कुछ कह दिया तो हमने उसको सदन से बाहर निकाल दिया है। अब आप प्वायंट पर आए। (विघ्न)

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः सर, हरियाणा पुलिस के दो आदमी है मै उनको जानता हू, उनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। वह सी0आई0डी0 का आदमी है।

श्री अध्यक्षः कोई सी0आई0डी0 का आदमी नही है। (ाोर एवम विघ्न) आप सब बैठ जाए।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, आप हाउस की एक कमेटी बनांए।

श्री अध्यक्षः आपने बिल पर बोलना है कि नही बोलना है। (विघ्न) एक मिनट वित मंत्री जी बोलना चाहते है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै आपकी परमि ान से बोलना चाहता हू। स्पीकर साहब, असैम्बली के इस प्रिमिसिज मे जो आता है चाहे वह मैम्बर लैजिस्लेटिव असैम्बली है, यह ठीक है कि they have their own rights परन्तु इसके अलावा जो भी आता

है वह आपकी परमि ान से यहां पर आता है। (ाोर एवम विघ्न) सबको यहा पर इन आर्डर रहना पडता है। चाहे वह किसी भी गैलरी से यहां पर आता है। स्पीकर साहब, किसी को यह अधिकार नही है कि जो मैम्बर्ज बातचीत कर रहे है यह डिस्क ान कर रहे है या कोई आरगुमैंट कर रहे है तो गैलरी से कोई भी आदमी बीच मे बोले। लेकिन सर, अगर किसी मैम्बर के खिलाफ कोई ऐसी बात करता है तो वह मैम्बर अपनी बात अपनी सीट से आपको कहे। स्पीकर साहब, आपके पास अधिकार है कि कन्सर्न्ड आदमी के खिलाफ आप ऐक ान ले सकते है और आपको लेना भी चाहिए। स्पीकर साहब, अगर पब्लिक गैलरी से कोई इस तरह का बिहोव करता है तो वह कंमनेबल है लेकिन स्पीकर साहब, हम तो कानून को जानते है और आने वाला आदमी इस बारे मे कुछ नही जानता है। सर, हो सकता है कि किसी पार्टी की तरफ से कोई बात आ गई और पब्लिक मे बैठा आदमी उस बात के अगेन्स्ट हो, इनके अगेन्सट हो य हमारे अगेन्सट हो तो वह कोई बात कर गया। सर, हम इस बात को कंडम करते है लेकिन डाक्टर साहब, आप तो कई सालो से इस सदन मे आ रहे है, हमे तो कानून का पता है, हम तो रिस्पोसिबल पर्सन्ज है। अगर किसी ने कोई हरकत कर दी तो सीधे आप अपनी सीट से खडे होकर स्पीकर साहब, को कहते कि स्पीकर साहब, फलाने आदमी का बिहेवियर ठीक नही है। (ाोर एवम विघ्न) लेकिन आप सीट से उठकर स्पीकर साहब, के टेबल तक आ गए। आप द्वारा पब्लिक गैलरी तक जाना ठीक बात नही है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः मुझे तो पता नही कि क्या हुआ। लेकिन डाक्टर साहब, जैसा उन्होने बिहेव किया वैसा ही आपने कर दिया। मेरी तरफ से दोनेा से कानून तोडा है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अगर पब्लिक के किसी आदमी ने कुछ किया और हम भी वही करे तो हमे यह बात भाोभा नही देती है। सर, बस मै यही कहना चाहता था। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः चलो ठीक है। कादियान साहब, अब आप बिल पर बोले। (ाोर एवम विघ्न)

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, यह जो बिल आया है, इसमे दो महीने की बजाए चार महीने पहले चुनाव कराने की बात की गई है। एक तरफ तो हरियाणा सरकार किसानो की हितैशी अपने की बताती है, दूसरी तरफ चार महीने पहले चुनाव करवाने की बात कर रही है इसका क्या मतलब है उस समय तो किसान अपनी खरीफ की फसल की कटाई करके बिजाई वगैरहा कर रहा होगा। वह साडू की बिजलाई मे बहुत व्यस्त होता है। स्पीकर साहब, वह किसान की जिन्दगी मे एक ऐसा समय होता है जब एक आदमी के दो तीन बनते है।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, साडू की बिजाई कौन सी होती है?

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, साडू की बिजाई कोई नही होती ?

श्री अध्यक्षः नही, कोई नही होती।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः साडी खरीफ की फसल होती है चौधरी भजन लाल जी ने ठीक ही कहा था कि मोटे दिमाग मे थोडे देर से बात जाती है।

श्री अध्यक्षः साडू की बिजाई नही होती असाढी की बिजाई होती है, फसल होती है लेकिन आपने साडू की बिजाई कर दी।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, अलग अलग इलकों मे अलग अलग बाते बोली जाती है। आप तो वहां बीस तीस साल पहले छोड आये थे इसलिए आपको भाायद पता नही है स्पीकर साहब, मेरे कहने का मतलब यह है इस बिल की अमैडमैंट के माध्यम से सरकार पचायतो के चुनाव जिस समय करवाना चाहती है उस समय किसान अपने अपने काम मे बहुत जबरदस्त ढंग से बिजली होगा। उस समय सरकार ने पचायतो के चुनाव करवाने की जो स्ट्रैटजी बनायी है उसको मै समझ नही पा रहा हू। सरकार जिस नियत या मंसूबे के साथ यह अमैडमैंट लेकर आयी है वह क्लीयर है। पार्लियामैंटरी के चुनाव के बाद एक स्ट्रैटबाजी के तहत ये पचायतो के चुनाव असैम्बली के चुनावो से पहले करवाना चाहते है। इसके अलावा एक स्ट्रैटबाजी इन्होने फतेहबाद की रैली के नाम मे भी बनायी।.....

श्री अध्यक्षः नही नही, इनकी यह बात रिकार्ड न करे।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, यह असैम्बली के चुनावो की स्ट्रैटबाजी का ही एक हिस्सा है।

श्री अध्यक्षः आप इसमे क्या कहना चाहते है? आप बिल पर अमैडमैंट के बारे मे बोले।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः यह असैम्बली के चुनावो की स्ट्रटजी का ही एक हिस्सा है।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, आप अमैडमैंट पर बोले।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, फतेहबाद की रेली पर लाखो करोडो बर्बाद कर दिए गए। (विघ्न) स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा का मुख्यमंत्री उंगली उठाकर कहता था, उस महान आदमी का नाम लेता था, चौधरी देवी लाल का लेता था और कहता था कि चौधरी देवी लाल के हर जन्म दिवस पर सौ रूपये बढा जांएगे। उस रैली मे लोग बहुत आस और भरोसे के साथ गए थे। हरियाणा सरकार की रैली के नाम पर लाखो करोडो रूपये बर्बाद कर दिए गए। उस रैली मे किसी तहर की घोशणा नही हुई और इतना पैसा बर्बाद कर दिए गए। उस रैली मे किसी तरह की घोशण नही हुई और इतना पैसा बर्बाद कर दिया। उसमे एक घोशणा यह जरूर हुई की बेरोजगारो से अब किसी भी नौकरी के लिए आवेदन करते समय जो पहले पांच सौ रूपये लिए जाते थे, वह अब नही लिए जाएगे। स्पीकर साहब, पांच साल से हरियाणा सरकार बेरोजगारो से इस तरह के 500 रूपये

क्यो लेती रही है? तब इनको इस बात का ध्यान नही आया। (ाोर एवम व्यवधान) बेरोजगार लोगो से इन्होने अब तक सीन सौ करोड रूपये ले लिए।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, अब आप बैठ जांए। अब आपकी हवा निकल गयी है।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, जिस ढंग से सरकार यह अमैडमैंट लेकर आयी है यह असैम्बली चुनावो की स्ट्रटेजी का ही एक हिस्सा है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठ जाए। क्या आप दोनेा एक साथ खडे रहेगे? चौधरी भजन लाल जी, आप ही लीडर बन जांए और इनको काबू मे करे। कैप्टन साहब, क्या आप दोनो एक साथ बोलेगे? भजन लाल जी, आप अपने पीछे मुडकर देखे। ये दोनो खडे है आप इनको बैठांए। कैप्टन साहब, आप बैठिए।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, वर्तमान पंचायतो की टर्न उनके रिजल्ट के डिक्लेयर होने के समय से लेकर एक हफ्ते बात तक की है इसके एक हफ्ते पहले ही गजट नोटिफिके ान होगी। इस तरह से देखा जाए तो यह अमैडमैंट एक मजाक है। जो चुनाव चार महीने बाद होगे उनकी गजट नोटिफिके ान एक हफते पहले होगी। यह क्या है। इनकी यह अमैडमैंट लाने की क्या इंटै ान है, क्या नीयत है ? स्पीकर साहब, आप इस बिल को पढे। इस बिल के पैसे दो मे कहा गया है कि

जो पंचायत चुनाव अब होगे उनकी गजट नोटिफिके ान इनकी टर्म के एक हफते बाद होगी। (विघ्न) इस तरह से सरकार की नीयत मे खोट है और सरकार समाज के ताने बाने को बिगाडना चाहती है और उस बिगडे हुए ताने बाने के आधार पर जिस तरह से ये आज ये रसगुल्ले खने लग रहे है उसी तरह से इनकी सोच है कि ये आगे भी खांए लेकिन हरियाणा की जनता इनको माफ नही करेगी। स्पीकर साहब, चौधरी बसी लाल के दो टोटरू आ भी एग थे लेकिन इकने दो टोटरू भी आ जाए तो हम राजनीतिक छोड देगे। यह बात आप आज के दिन याद रखना। इनको कोई भ आदमी गांवो मे घूसने नही देगा।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, आप बैठ जांए। अब इनकी कोई बात रिकार्ड न करे।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब,.....

श्री अभय सिंह चौटालाः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अभी आपके समाने हमारे सम्मानित साथी डा0 कादियान साहब पचांयती राज विधेयक पर अपनी तरफ से कुछ कहना चाह रहे थे लेकिन कहते कहते वे अपनी बात को बदलकर दूसरी तरफ से गए। वे कभी रैली की चर्चा कर देते तो कभी बेरोगजगारी भते की बात कर देते। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से छोटी सी बात हाउस को बताकर अपना स्थान ले लूंगा। मै और डा. साहब, एक ही यूनिवर्सिटी मे पढे है और हमारा

दोनो का बहुत अच्छा सबंध भी रहा है। इनको नाम के आगे जो डा0 लिखा जाता है उसके बारे मे कहना चाहूंगा कि ये न तो आदमियों के डाक्टर है और न ही किसी और चीज के डाक्टर है। इन्होने एनीमल हसबैड्री मे डाक्टरेट कर रखी है इनकी मजबूरी है कि हर इ ू पर इन्होने कुछ न कुछ कहना ही है लेकिन किसी इ ु पर किस तरह से बोलना और क्या कहना है, यह इनको पता नही होता। ये अपनी बात को कभी पूरा नही कर सकते।

व्यैक्तिक स्पश्टीकरण

डा0 रघुवीर सिंह कादयान एम.एल.ए. के विरूद्ध

डा0 रघुवीर सिंह कादयान एम.एल.ए. के विरूद्धः अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल ऐक्सप्लेने ेन है। हमारे सम्मानित सदस्य भाई अजय सिह ने जो बाते मेरे बारे मे कही है उसके बारे मे पर्सनल ऐक्सप्लेने ान देना चाहता हू। जैसा इन्होने कहा कि हम साथ रहे है। मेरी समझ मे नही आ रहा कि हम किसी तरह से साथ रहे है। 1970 मे मै उस यूनिवर्सिटी मे एम0एस0सी0 करके लैक्चर लग गया था और तब तक इन्होने वहा एडेमि ान भी नही लिया था और इन्होने मेरी डाक्टरी के बारे मे बात कही है। वह तो अलग स्पै ालाइजे ान की फील्ड हैै। I have got the Doctorate in the filed of animal nutrition.

दि हरियाणा पचायंती राज (सैकण्ड अमैडमैट) बिल, 2004 (पुनराम्भ)

कैप्टन अजय सिंह यादव (रेवाडी): स्पीकर साहब, यह जो हरियाणा पंचायती राज सैकैण्ड अमैडमैट बिल 2004 लेकर आ रहे है इसके बारे मे खासतौर पर यह कहना चाहूंगा कि it is against the very spirit of the Constitution क्योकि आर्टिकल 243 मे बाकायदा यह बताया गया है कि States having been directed to amend or repeal their existing law which in inconsistent with the provisions of the amendment within one year form the commencement of the Constitution. यह 73र0डे0 अमैडमैंट ऐक्ट 1992 का है। Article 243 of the Constitution reads as under (Interruptions) मेरे कहने का मकदस यह है कि जो अमैडमैंट विधान सभा मे लाया गया है। it is against the provision of the Constitution अमैडमैट लेकर आ रहे है जो प्रावधान 2 महीने का है वह पूरे दे ाभर मे है। हरियाणा प्रदे ा मे अलग से करने की कोई दो बात नही है। अध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहता हू कि एक केस Surjit Singh Vs. State Haryana in C.W.P No. 12742 of 1999 जिसमे हाई कोर्ट की वि ोश तौर पर डायरैक ान थी कि अगर अम्बाला की वोटर लिस्ट ठीक से बनी है तो इलैक ान जून, 2000 मे किये जाये। उस वक्त सरकार की यह मन ाा थी कि हरियाणा पचायत के इलैक ान असैम्बली इलैक ान के बाद हो। ए0जी0 ने कोर्ट मे तथ्यो को जानबूझ कर हाईड किया था जिसकी वजह से स्टैट इलैक ान कमी ान और सरकार को कंटैम्प्ट दिया गया कि आपने कोर्ट को डार्क मे रखा है। क्योकि उस समय लास्ट टाईम चौटाला साहब की सरकार थी और चाह रहे थे

पचांयत के चुनाव असैम्ब्ली चुनाव के बाद हो। सरकार की यह मन ा थी और ए0जी0 ने यह बात कही ओर इस पर कोर्ट ने कहा कि Why you kept high Court in the dark सुप्रीम कोर्ट ने कहा यह ठीक है वायले ान सरकार ने की है लेकिन कहा कि आप इलैक ान मार्च 2001 मे कराये। जो यहं पचायंती राज्य एक्ट, 1994 सैक ान 52 मे बाकायदा यह लिखा हुआ है कि–

" it is only a Gram Panchayat एक ग्राम पंचायत डिजौल्व तभी हो सकती है जब if it abuses it powers or it is not competent to perform or makes persistent defaults in the performace of its duteis unerd this act or wilfully disregards any insturctions given or directions issued by the Panchayat Samiti and Zila Parishad."

इसलिए मै यह जानना चाहता हू कि ऐसी कौन सी बात है जो मौजूदा सरकार पर इस बिल मै अमैड करने जा रही है इस बिल मे क्या खमिया है कि पचायती के चुनावो मे सरकार चार महीने पहले करवाना चाहती है जबकि दो महीने पहले का टाईम है कृपया मंत्री जी इस पर प्रका ा डाले कि चार महीने पहले क्यों चुनाव करवा रहे है? दूसरा मेरा कहना यह है कि जो यह पंचायती राज एक्ट, 1994 के सैक ान 3 मे भी दे रखा है कि

"Every Gram Panchayat, Panchayat Samiti and Zile Parishad unless sooner dissolved and law for the time being in force, shall continue for 5 years."

तो मै कहा चाह रहा हू कि क्या दो पंचायते साथ साथ चलेगी ? चार महीने पहले आप पंचायतो के चुनाव करा रहे है यह टोटली मोकरी आफ डेमोक्रेसी है दो पचायते पैरेलल कैसे चलेगी, एक चुनी हुई पचांयत और एक वह जो आप चुनने जा रहे हो। इस तरह का सरकार का जो मकसद हे जो बात कादियान जी कह रहे थे कि असैम्बली के चुनाव से पहले पंचायत के चुनाव कराना सरकार की ओपरचुनिस्टिक मूव है। आप चाहते है कि पार्टी बन जाये इस तरह का मकसद कान्स्टीच्यू ानली गलत है। हर तरीके से यह काम गलत है। अध्यक्ष महोदय, म्यूनिसिपल काउंसिल और म्यूनिसिपल कमेटी के चुनाव के लिए जो बिल लाये है It is against the provision of the Constitution. यह मै कहना चाहता हू।

श्री भाादी लाल बतरा (रोहतक): अध्यक्ष महोदय, यह जो बिल ला रहे है इसमे दो क्लाज इनकन्सीटैंसी है। इसमे एक तरफ तो दो महीने पहले का प्रावधान है कि सरकार दो महीने पहले चुनाव करा सकती है और अब इस बिल के द्वारा जो दो महीने का समय हे वह चार महीने कर दिया जायेगा। आप चार महीने पहले चुनाव कराने की बात कर रहे है तो फिर इस चार महीने पहले चुनाव कराने की नोटिफिके ान कब होगी, पंच और संरपंच को कब घोशित किया जायेगा, कम पंच और सरपंचो से चार्ज लिया जायेगा, कब चार्ज की हैडिंग ओवर और टेकिंग ओवर होगी, कब पंचायते भंग करोगे, आप यह प्रि पौने दो महीने से चार महीने कर

रहे है इसकी नोटिफिके ान कब होगी? इस बिल की क्लाज 2 मे यह लिखा हुआ है कि

"After the declaration of general election results, the names of elected Panches, Sarpanches, Members, Chairmen, Vice Chairmen, Presidents and Vice Presidents shall be publiched in the Official Gazette by the State Election Commission not earlier than one week before the expiry of the duration of the existing Gram Panchayat, Panchayat Samiti and Zila Parishad."

18.00 बजे

जब डयूरे ान पांच साल की है तो एक हफ्ता पहले नोटिफिके ान नही हो सकती। अगर एक हफता पहले नोटिफिके ान नही हो सकती तो चार महीने पहले इलैक ान क्यो? ये दोनो बाते आपस मे बहुत कन्ट्राडिक्टरी है। यह समझ मे नही आता कि सरका की मन ाा क्या है? आज सरकार चुनी हुई थी, इसकी अवधि खत्म होने जा रही है तो आज तो अमैडमैंट आ रही है, इसके पीछे भावना और मकसद कुछ और ही है, इसके पीछे भावना कुछ भी हो यह सरकार के पास अधिकार है लेकिन लोगो के साथ यह मजाक न किया जाए कि एक पंच, सरंपंच के होते हुए दूसरा पंच सरंपच इलैक्ट हो जाए और उसकी नोटिफिके ान न हो और उसकी नोटिफिके ान तब हो जब पहले वाले की टर्म समाप्त हो जाए। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि

यह जो अमैडमैट आ रही है, यह इललीगल है, अनजस्टीफाईड है और अनकांस्टीच्यू ांन है, इनको पास न किया जाए।

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, इस बात को मै थोडा सा स्पश्ट करना चाहूंगा कि सरकार की मं ाा कोई राजनीतिक लाभा उठाने की नही है। चुनाव कराना तो स्टेट इलैक ान कमी ान का काम है जंहा आपने इसको भंग करने की बात की है, यह भी कोई मं ाा नही है। कई कारण ऐसे है जिसकी वजह से हम चाहते है कि पंचायत के चुनाव पहले हो। डेमोक्रेंटिक सैट अप मे चुनाव पहले हो जाना कोई गलत बात नही है। लेकिन उसको लम्बे अर्से तक लटकाना प्रजातंत्र का हनन है। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर, अध्यक्ष महोदय, 5 साल से कम करना तो डेमोक्रेटिक है और 5 साल से ज्यादा करना अनडैमोक्रेटिक है मै तो कहना चाहूंगा कि 5 साल से कम करना या 5 साल से ज्यादा करना दोनेा स्टैंपस ही अनडैमोक्रेटिक है। एक्ट मे भी लिखा है कि 2 महीने पहले आप चुनाव करा सकते है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, मै आपको बताना चाहूगा कि अमेरीका के राश्ट्रपति का चुनाव भी 2 नवम्बर को होता है और भापथ पहली जनवरी को होती है तो दो राश्ट्रपति एक ही साथ हुए न, इसलिए ऐसी कोई मं ाा नही है चुनाव कैसे कराने

है कब कराने है यह सब स्टेट इलैक ान कमी ान का काम है यह विधानसभा या सरकार की जिम्मेवारी नही है। स्टैट इलैक ान कमी ान चुनाव करवाएगा और समय पर ही करवाएगा, आप क्यो चिन्ता कर रहे है? (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, ऐसी बात है तो विधान सभा के दो महीने पहले करवाएं जाए।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः कई मर्तबा विधान सभाओ के चुनावो भी समय से पहले हुए है लोकसभा के भी चुनाव समय से पहले हुए है। अमरीका की बात आप छोडे, आपकी बात के मुताबिक राज्यसभा के चुनावो अभी रिसैंटली हुए है, इलैक्टिड मैम्बर्ज भी रहे है और जो पहले मियाद तक थे वे भी रहे है। यह हमारा सब्जैक्ट नही है। हमारी मं ाा केवल एक ही है कि मौजूदा सरकार ने नए सिरे से पूरी स्टेट के लोगो को सुविधा मिले उसके लिए एक रिओर्गेनाइजे ान कमी ान का गठन किया है और उस कमेटी के सामने लोगो से बाकायदगी से अपील की थी कि कौन सा गांव किस ब्लाक मे किस सब डिवीनज मे और किस जिले मे कहा रहना चाहता है, अपनी सुविधा के मुताबिक बता दे। यह सारी बात समझकर सारी प्रक्रिया पूरी करके तय की गई। बहुत से लोगो ने अपनी पंचायतो अलग भी की। 100 से ज्यादा पंचायते होगी जिन्होने पंचायतो से अलग होकर अपनी नई पंचायत बनाने का काम किया। सरकार ने इस सदन मे बिल पास किया कि 15 हजार से ज्यादा आबादी वाले क्षेत्र मे म्यूनिसिपल कमेटी बनाइ

जाएगी और बाकी मे पंचायत रहेगी। कई म्यूनिसिपल कमेटीज टूट गई, कई म्यूनिसिपल कमेटीज मे जो पंचायत थी उन्होने लिखकर यह दे दिया कि हमे म्यूनिसिपल कमेटी से अलग किया जाए। आज बहुत से गांव ऐसे है जो न म्यूनिसिपल कमेटी मे है, न पंचायत मे है। वे अपने अधिकारो से वंचित है। उनको भी अवसर मिलना चाहिए, उनको कितने दिन लटकाये रखेगे। कुछ नई पंचायते बनी है वे भी बिना रिप्रजैन्टेटिव के है। (विघ्न) आप लोग बुडबडाने की आदत छोड दे। (विघ्न) आपको बोलने का अवसर फिर मिलेगा उस समय बोल लेना लेकिन मुझे बीच मे न टोके। (विघ्न) यदि आप बोलना चाहते है तो मै बैठ जाता हू। कैप्टन साहब, आप बुडबडाने की आदत छोड दे। आप बुडबडा हम पर रहे है और मार आपको ये रहे है। यदि आपको अपोजी ान की लीडर नही बना रहे तो भजन लाल जी और दूसरे कांग्रेसी नही बना रहे इसमे मेरा क्या मतलब है लेकिन आप मेरे पर क्यों बुडबडा रहे है। बेचारे कर्ण सिहं दलाल कहता है कि मुझे भी समय दो। एक अकेला चीडे जैसा है, काग्रेंस वाले तो भाामिल नही कर रहे है। अभी तक पता नही वह कहां खडा है, किस जगह खडा है। धरती और आका ा के बीच मे लटका हुआ है। कोर्ट कै फैसले के मुताबिक छुट्टी हो रही है। उनको अपनी सीमा मे रहना चाहिए। सीमांए तो किसी को भी नही लांघनी चाहिए। मेरे कहने का मतलब यह है कि सैकडो ऐसी पंचायते है जो बिना प्रतिनिधि के बैठी है।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, विधान सभा मे भी तो 10 एम0एल0एज0 की सीट खाली है।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, उन्होने रिजाइन किया है। रिजाइन कोई भी कर सकता है। आप तो रिजाइन करने से घबराते हो। (विघ्न) कैप्टन साहब, प्लीज आप बैठे। आज मै आपको नेम नही करूगा और अखबार मे आपकी खबर नही छपेगी। (विघ्न) प्लीज आप, सभी बैठिये।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बारे मे अपनी बात कहनी है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, प्लीज आप बैठिये। आप अपनी मर्यादा मे रहे। चौधरी भजन लाल जी, आप देखिये आपकी पार्टी के मैबंर किस तरह का व्यवहार कर रहे है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, यदि आप हमे बरखास्त करना चाहते है तो कर दे। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आने वाले विधान सभा चुनावो मे लोग आपको बरखास्त करेगे। मै बरखास्त क्यो करू? (विघ्न) कर्ण सिंह दलाल, प्लीज आप बैठे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हू कि हरियाणा विधान सभा मे भी 10 सीटे खाली है

इसलिए विधान सभा के भी पहले चुनाव करवा ले। यह नियम विधान सभा पर भी तो लागू होना चाहिए।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, प्लीज आप बैठे। ऐसा अच्छा नही लगता। चुनाव कैबिनेट जब कराना चाहयेगी आपसे पूछ नही करायेगी।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, भाायद इनको इस बात का ज्ञान नही है कि चौधरी भजन लाल जी जब सदन के नेता थे उस समय 20 विधायको ने एक साथ इस्तीफे दिए थे और सभी मजूंर हुए थे सदन तब भी चल रहा था। विधान सभा चुनाव तब भी नही हुए थे। चौधरी भजन लाल जी बैठे हुए है ये बता देगे, ऐस हुआ था या नही हुआ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, ऐसा हुआ था लेकिन इन्होने उन बेचारो को धोखा देकर मरवाया था। ऐसा धोखा किसी के साथ नही करना चाहिए था।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, प्लीज आप बैठे। आपकी कोई बात रिकार्ड नही हो रही।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै कैप्टन साहब की राजनीति मे पैदाइ ा से पहले की बात रहा हू कि चौधरी भजन लाल जी जब मुख्यमंत्री थे तब इस सदन के 20

सदस्यो ने इस्तीफे दिए थे और 20 विधान सभा सीटे खाली हो गई थी। उस समय चौधरी भजन लाल 35 सदस्यो को अपने साथ लेकर अपनी निश्ठा बदल करके उसी इन्दिरा गांधीके पास जा लिये थे जिसको तीन दिन पहले इन्होने गाली दी थी तब भी सदन चलता रहा था। भजन लाल जी यहा बैठे हुए है, ये ही बात देगे सदन चलता रहा था या नही।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बिना परमि ान खडे न हो। प्लीज आप बैठे। आपकी कोई बात रिकार्ड नही हो रही। (विघ्न)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः भजन लाल जी, मै ज्यादा गहराई मे नही जाना चाहता। मेरे पास कहने को बहुत कुछ है। मै आप पर तरस इसलिए खा रहा हू कि आप बीमार है। अब आपके पास तो कहने को कुछ रहा नही है। आपको पास तो बस्ता है और मुझे तो जबानी सब कुछ याद है। आप तो बताते बताने इन्दिरा गांधी की मौत भूल जाते हो, राजीव गांधी की पैदाइ ा के बारे मे भूल जाते हो अब आपको कुछ याद नही रहता। आपकी याद दा ात जवाब दे गई है। अध्यक्ष महोदय, जब आदमी पर मार पडती है तो वह सब कुछ भूल जाता है। इसमे भजन लाल जी का कसूर नही है चौधरी भजन लाल जी पर तो अब भी मार पड रही है। (विघ्न) स्पीकर साहब, इस मामले पर डिटेल मे चौधरी सम्पत

सिंह जी ही बतायेगे मै तो दो चार मुद्दो पर जिकर कर रहा था और यह जो बिना वजह का ंसं ाय इनके द्वारा पैदा किया गया था वह दूर करना चाहता हू। मौजूदा सरकार ने गांव के विकास के लिए बहुत सारी योजनांए बनाई है और उन्हे दूरे करने के लिए बहुत सारा पैसा खर्च किया है। पैसे का ठीक ढंग से इस्तेमाल हो सके इसलिए समय से पहले चुनाव करवाने की आव यकता समझी गई। आम ि ाकायत लोगो की सुनने मे आती है कि सरकार पैसा बहुत देती है लेकिन पैसा ठीक ढंग से खर्च नही हो रहा है। हम चाहते है कि जनता के लिए चुने हुए प्रतिनिधि आए और उस पैसे को अच्छे विकास के कामो पर खर्च करे इसलिए ये चुनाव करवाना हमारी मं ाा है कि पचांयता के चुनाव पहले हो जांए। (ाोर एवमम विघ्न) नही नही हम पार्टीबाजी के पक्ष मे है। हम तो चाहते है कि प्रदे ा के 2 करोड 20 लाख लोग सम्पन्न हो, समृद्ध हो खु ाहाल हो और अपसी भाईचारे से रहे। यह तो आपकी सोच रहती है। आप रोज लडाने का काम करते हो। यह हमारा काम नही है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बैठे। आप बीच मे कैस खडे हो गए?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः इनकी कोई बात रिकार्ड न करे।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, मेरा कहना है कि किसी को कोई मुगातला नही रहना चाहिए कि सरकार कोई गलत काम कर रही है। यह अमैडमैट क्यों और किसलिए की जा रही है इसकी डिटेल्ज सम्पत सिह जी बताएंगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने कुछ बातो का जवाब दिया है मै अपनी स्पीच देने से पहले जो ये अपोजी ान के भाई ट्रैक छोडकर चले गए थसे और वि ोशकर डा0 कादियान साहब ट्रैक को छोड कर रैली की तरफ चले गये थे। मै अपनी बात कहने से पहले इनकी कही हुई बातो का जवाब देना चाहता हू। अध्यक्ष महोदय, जहां तक इन्होने रैली का जिकर किया, इस बारे मे हमे फरख है कि 25 सितम्बर को हम रैली करते है। यह रैली उस महापुरूश की याद मे की जाती है जिन्होने दे ा को आजाद करवाने वालो मे और हरियाणा प्रदे ा के जन्मदाता और दे ा के निर्माता के रूप मे वि ोश योगदान दिया। आदरणीय स्वर्गीय चौधरी देवी लाल जी का जम्न दिन 25 सितम्बर को आत है। यह जन्म दिवस हम हर बार मानते है। हम चाहे सता मे हो यह विपक्ष मे हो, चाहे चौधरी देवी लाल स्वयं खुद थे और चाहे आज उनका भारीर न हो हम यह जन्म दिवस मनाते आ रहे है। आज हमारे बीच उनका भारीर नही है लेकिन उनकी आत्मा आज भी है। ऐसे महान आदमी हमे ाा के लिए अमर हो जाते है। ऐसा आदमी कभी मरता नही है बल्कि वह अमर हो।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महादेय, ... (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः इनकी कोई बात रिकार्ड न करे। (ाोर एवम विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः हां, कादयान साहब ने हा है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः डा0 कादयान साहब ने कहा है उनसे पूछो। (ाोर एवम विघ्न) कैप्टन साहब, आप डा0 कादयान से पूछो।

चौधरी भजन लालः पहले आप हमारी बात तो सुने। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बगैर परमि ान के बोल रहे है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, पहले यहा पर ये कोई बात कह देते है और फिर उसका जवाब सुनते हुए इनको तकलीफ होती है। इनकी कही हुई बातो का जवाब देना पडता है। हाउस के अन्दर जो भी बात आएगी उसका जवाब तो देना ही पडेगा। हमे तो इस बात का फरख है और यह भी फरख हमे ही नही बल्कि हरियाणा के हर वासी को इस बात का फरख है कि चौधरी देवी लाल जी पर हर आदमी को नाज है। चाहे आज उनका भारीर

हमारे बीच मे नही है मगर उपनी आत्मा, उनके दिखाए हुए रास्ते और उनकी नीतियां आज हमारे बीच मे है। (ाोर एवम विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, आप हमारी बात तो सुने। ये किस बिल पर बोल रहे है यह तो टोटली इररेलैवेट बोल रहे है...(ाोर एवम विघ्न)

चौधरी जगजीत सिंहः स्पीकर साहब, हमे भी तो अपनी बात कहनी है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए। आप दोनो क्यों बोलने के लिए खडे हो गए। क्या आपको बोलने की परमि ान दी है। आप बीच मे कैसे खडे हो गए। आप किसकी परमि ान से खडे हो कर बोल रहे है। आप दोनो किसी भी समय खडे हो जाते है। आप किस की परमि ान से खडे होते है। आपको किसी डेकोरम का पता नही है। इतने पुराने आप हो गए है, अब आप बैठिये। ...(ाोर एवम विघ्न) इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये।

प्रो0 सम्पत सिंहः Now, I am not speaking on bills. जो बात यहां पर आई हे उसको क्लैरीफाई तो करेगे। जो बात इन्होने कीह है उसका जवाब तो देना है। मैने पहले ही कह दिया है कि मै पहले इनकी बातो का जवाब दूंगा। ...(ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब और सांगवान साहब, आप बैठ जांए। आपकी कोई बात रिकार्ड नही हो रही है। आज तो अखबार

वाले भी आपकी कोई बात नही लिखेगे चाहे आप कुछ कर लो। आप बैठ जाओ। अखबारो मे आपकी सुर्खी नही बनेगी। चाहे आप कल अखबार देख लेना। आप जानबूझकर बीच मे खडे हो जाते हो। आपने कोई समय लिया हो, कोई बात हो तो अगल बात है। आज यों ही खडे हो जाते हो। आप बैठिये और चुप रहिए। आप सभी अपने स्थान पर बैठिये। ...(ाोर एवम विघ्न)

श्री अनिता यादवः स्पीकर साहब,.....

श्री अध्यक्षः इनकी कोई बात रिकार्ड न कि जाये। आप बगैर इजाजत के कैसे बीच मे खडी हो गई। आप बैठ जांए। ... (ाोर एवम विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये लोग भागना चाहते है। ...(ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः सभी को समुचित टाईम दिया गया है। जिस पार्टी के जो भी सदस्यगण बोलना चाहते थे उनको बोलने का समय दिया गया है क्या इसके बाद भी कोई कमी रह गई है। आप सभी को बोलने का पूरा समय दिया गया है। इसलिए अब आप बैठे। ...(ाोर एवम विघ्न)

श्रीमती अनीता यादवः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः अनीता जी, आप अपनी सीट पर बैठे। ... (ाोर एवम विघ्न) आप भी बैगर परमि ान के बोल रही है इसलिए आपकी कोई बात रिकार्ड नही हो रही है। ...(विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने आपकी अनुमति से बोलना भाुरू किया था और मैने पहले ही कह दिया था कि इनहोने जो पार्टिकुलर बात कही है मै उसका जवाब दे रहा हू और बिल के बारे मे मै बाद मे जवाब दूॅगा। ...(विघ्न) स्पीकर साहब, विधान सभा के अन्दर इन्होने जो बात कही है मै उसी बात का जवाब दे रहा हू। जो बात हाउस मे कही गई हे, हमारा फर्ज बनता है कि हम उसका रिप्लाई दे और जो कहा गया है उसकी क्लैरिफिके ान दे। ...(विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बीच मे कैसे बोल रहे है।(विघ्न) वे मिनिस्टर है, कया वे खडे हो कर नही बोल सकते। ..(विघ्न) आप जब भी चाहे खडे हो कर बोलने लग जाते है आपको बोलने की कोई इजाजत नही दी है। इसलिए अब आप बैठे। कोई भी सदस्यगण बैठे बैठे नही बोले, No need Commentary आप बैठे। ...(विघ्न) अभी तक आपने यह नही सीखा कि बोलने से पहले क्या कहना पडता है और बोलने के लिए समय कैसे लियाा जाता है आप बीच मे खडे हो जाते है और बोलते रहते है। (विघ्न) अब आप बैठिए। Please sit down. (विघ्न)

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै एक बात कहना चाहता हू। इनके दिमाग मे तो खराबी हो रही है आप ही इन पर रहम करे।(विघ्न) इनका दिमाग खराब हो रहा है। (हंसी) (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः **श्री अध्यक्षः** कैप्टन साहब, आप बैठे। (विघ्न) आप बिना परमि ान के बोल रहे है इसलिए आपकी कोई भी बात रिकार्ड नही हो रही है। बलबीर बाली जी ने जो कुछ कहा है वह आपके बारे मे नही कहा है अगर आप ऐसा समझ रहे है तो आप गलत समझ रहे है। इन्होने आपको कुछ नही कहा है उन्होने तो एक जनरल बात कही। (विघ्न) अगर आपके दिमाग मे ऐसा कुछ है या आप ऐसा समझ ले तो अलग बात है वैसे उन्होने ऐसा कुछ नही कहा है। (विघ्न) अब आप बैठ जांए। (विघ्न) उन्होने आपका नाम नही लिया है आ बैठे। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः कैप्टन साहब, आप मेरे तक सीमित रहे तो ठीक रहेगा आप पहलवान से क्यो उलझ रहे है वह कोई ऐसा दंाव मारेगा कि ख्वाहमखाह यहा पर मारे जाओगे। (विघ्न) (हंसी)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, दिक्कत केवल एक ही है कि यह बिना जनरल की फौज है, इनका जनरल कोई नही है और ये किसी के काबू के नही है ये सभी बेकाबू हो रहे है। भजन लाल जी, क्या से आपके काबू के है। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः आपके तो बन्धुओ की तरह है, हमारे तो आजाद है। (विघ्न)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः हमारे वाले तो सारे काबू मे है लेकिन आपके तो बिना जनरल की फौज है। आपका कोई नेता नही है कोई नेतृत्व नही है, कोई आस्था नही है, कोई कुछ नही है आप बूढे हो गए है और ये आपके बेकाबू हो गए है नही तो क्या से कभी रडका करते थे, क्या कर्ण सिंह दलाल कभी चू किया करते थे। (विघ्न) चौधरी साहब, अब आप बूढे हो गए हो और आपका मामला खत्म हो लिया। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै क्लैरीफाई कर रहा था कि आज अगर हरियाणा विधान सभा अलग है तो वह चौधरी देवी लाल की देन है। सम्मान दिवस के रूप मे उनका जन्म दिवस मनाया गया। जहां तक डाक्टर कादियान साहब ने अनांउसैमैंट का जिकर किया था, मै इसमे यह कहना चाहता हू कि आपकी सरकार की कोई भी अनांउसैमैंट का जिकर किया था, मै इसमे यह कहना चाहता हू कि आपकी सरकार की कोई भी अनाउंसमैंट पेपर पर नही हुई। जहा तक इन्होने पै ान के बारे मे जिकर किया है कि चौधरी देवी लाल के जम्न दिवस पर हर साल बढाएगे (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, उन्होने जिकर किया था इसलिए मुझे क्लैरिफाई करना पड रहा है। स्पीकर साहब, मौजूदा सरकार की पार्टी की सरकार पहले भी थी और उस वक्त चौधरी देवी लाल जी ने 100 रूपये मासिक बुढापा पैं ान देनी भाुरू की थी। वर्श 1991 मे वह

सरकार चली गई और उसके बाद चौधरी भजन लाल जी मुख्यमंत्री जी बन गए थे। ये पांच साल तक मुख्यमंत्री रहे और इन्होने इस दौरान एक रूपया भी बुढापा पैं ान का नही बढाया और पैं ान की रा ि ा 100 रूपये से 101 रूपये भी नही की बल्कि पै ानर्ज की संख्या घटाई और इसमे कई तरह की कण्डी ान्ज लगाई गई थी। कण्डी ांजन न0 1 यह थी कि जिसकी पांच एकड जमीन है उसको पै ांन नही मिलेगी, कण्डी ान न0 2 यह थी कि अगर किसी परिवार की 2500 या 3000 रूपये की आमदनी है तो उस परिवार को भी पै ांन नही मिलेगी। नम्बन 3 कण्डी ान यह लगाई गई थी कि अगर परिवार मे कोई मुलाजमियत है तो उस परिवार को भी पैं ान नही मिलेगी। नम्बर 4 यह कंडि ान लगा दी गई थी कि अगर किसी घर मे कोई मुलाजिम है तो उसको पै ांन नही दी जाएगी। इनकी वजह से साढे चार लाख की संख्या पैयान लेने वालो की रह गई थी।(विघ्न)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बैठ जाए। (विघ्न) आप बिना इजाजत के बोल रहे है भजन लाल जी का कुछ रिकार्ड नही किया जाए।

चौधरी भजन लालः.....

श्री अध्यक्षः बैठिए बैठिए। (विघ्न) आपका कुछ भी रिकार्ड नही हो रहा है। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, ये कह रहे है कि इन्होने नौजवानो को बढावा देने के लिए बुढांपा पै ांन बंद कर दी थी। ये मान रहे है। स्पीकर साहब, इन्होने अपने समय मे एक नया पैसा इस रा ि ा का नही बढाया था और दूसरी तरफ पै ांन लेने वालो की संख्या इन्होने घटा दी। (विघ्न) स्पीकर साहब, भजन लाल जी का राज पांच साल रहा है और एक नये पैसे की रा ि ा नही बढाई थी बल्कि उनकी संख्या इन्होने 1/3 कर दी थी। इनके राज के बाद चौधरी बसी लाल जी का राज आया और साढे तीन साल वे रहे। सवाल यह नही था कि कल क्या करेगे, सवाल यह है कि इन्होने अपने राज मे क्या किया है और मौजूदा सरकार ने क्या किया। स्पीकर साहब, 24 जुलाई, 1999 को चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी मुख्यमंत्री जी बने और उसके बाद चौधरी देवी लाल जी का जन्म दिवस हिसार मे 25 सितम्बर, 1999 को मनाया गया था। स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल जी की भावनाओ को देखकर, उनके निर्दे ा को देखकर उसी वक्त चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी ने बुढापा पै ांन को 100 रूपये से बढाकर 200 रूपये प्रति माह करने की घोशणा करी। स्पीकर साहब, इनकी सरकार के समय मे एक रूपया भी नही बढाया गया था। दूसरे स्पीकर साहब, जो सारी भार्ते पिछली सरकार के वक्त मे बुढापा पै ांन पर लगाई थी, वह हमारी सरकार ने खत्म कर दी है। केवल मांत्र. जो आदमी इन्कम टैकस पेयी हो उसको पै ांन नही मिलेगी यह भार्त हमने जारी रखी है। स्पीकर साहब, आज के दिन बुढाप पै ांन, विडो पै ांन और इसी तरीके से

हैडिकैप पै ांन हरियाणा मे साढे तेरह लाख लोगो को मिलती है। जहां तक इनके समय मे इन पै ांन्ज पर 55 से 60 करोड रूपये का बजट था आज वह बजट हमारे समय मे बढकर 350 करोड रूपये को होग गया है। स्पीकर साहब, मौजूदा सरकार ने ही बुढापा पै ान को 100 रूपये प्रति माह से बढाकर 200 रूपये प्रति माह किया है और आज वे कहते है कि हम इसको 300 रूपये करेगे, 400 रूपये करेगे। (विघ्न) स्पीकर साहब, न तो इन्होने पहले कुछ किया है और न ही आगे कुछ कर पाएगे। इन्होने तो सिर्फ काटने का काम किया है। स्पीकर साहब, इन्होने यहा पर बेरोजगारी भते का जिकर किया है। स्पीकर साहब, यहा पर एसे लोग भी ब्यान दे देते है। जो खुद सता मे रहे है, इनकी पार्टी सता मे रही है। उनमे से कुछ लोग तो ऐसे भी है जिनके पेरैन्टस, जिनके आनरेबल फादर और लेट फादर हरियाणा और ज्वांयट पजांब की सरकार के अन्दर मंत्री रहे है, ऐसे दो तीन नेता है, सो काल्ड नेता है इनकी पार्टी के अन्दर, वे कभी ब्यान देते है, अभी वे सदन मे नही है और मै उनका नाम नही लेना चाहता हू। वे क्या कहते है कि ऊंट के मुंह मे जीरा, कोई कहता है कि इससे किसी को कोई फायदा नही होगा, अगर बेरोजगारी दूर होगी तो बात करेगे। यहां पर भी कहा जाता है कि 100 रूपये और 200 रूपये प्रतिमाह देने से क्या होगा। स्पीकर साहब, मै उनको बताना चाहूंगा कि यह एक प्रोत्साहन रा ि ा है। जो गरीब आदमी है उसको पैसे की कीमत का मालूम है और जो अमीर आदमी है उसको 100–200 रूपये से कोई फर्क नही पडता है। स्पीकर

साहब, बुढांपा पै ांन 100 रूपये हुई थी तो भी इन्होने उसके बारे मे कहा था लेकिन जब इनकी सरकार आई तो इन्होने बुढापा पै ान 100 रूपये हुई थी तो भी इन्होने उसके बारे मे कहा था लेकिन जब इनकी सरकार आई तो इन्होने उसको 101 रूपये भी नही किया था। अगर वे कुछ कहते है तो उस पर उनको अमल भी करना चाहिए, अपने समय मे ये इस रा ि ा को बढा देते। (विघ्न) स्पीकर साहब, मैट्रिकुलेट और 10+2 वाले को 100 रूपये और ग्रेजुएट तथा डिप्लोमा होल्डर को 200 रूपये बेराजगारी भते के रूप मे दिए है। (विघ्न) स्पीकर साहब, आज 12 लाख के करीब की संख्या इस फायदे को लेने वालों की हो सकती है। (विघ्न) सर, यह नम्बर और बढ सकता है। क्योंकि मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि जो बच्चे किसी कारणव ा अपना नाम दर्ज नही करवा पाए है तो उनको अपना नाम दर्ज करवाने के लिए एक महीने का समय और दे दिया है। (विघ्न) स्पीकर साहब, 150 और 200 करोड रूपये के करीब की रा ि ा बंटेगी। स्पीकर साहब, सारे हिन्दुस्तान के केवल हरियाणा प्रदे ा मे ही यह सम्मान रा ि ा बेरोजगार बच्चो को देगे। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः बैठिए बैठिए।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, जहां तक मैन पावर की बात है, तो केवल बी0ए0 और एम0ए0 से बात नही बनती है, केवल सरकारी नौकरियो से बात नही बनती है। आज हरियाणा मे 75 हजार नौजवानो को प्रोफै ानल, टैक्नीकल स्पै ालाईजे ान

एजुके ान हमारी सरकार दे रही है। ताकि वे आत्मा निर्भर हो सके और खुद अपने पांच पर खडे हो सके। स्पीकर साहब, यह 75 हजार की संख्या है जिसको हम ट्रैनिंग दे रहे है और आपकी सरकार के समय मे यह संख्या 2–4 हजार ही हुआ करती थी। जिस तरह सें हमारी सरकार काम कर रही है यही तरीका है बेरोजगारी को दूर करने का और इस वजह से लोग स्वय अपना रोजगार तला ा कर सकेगे। स्पीकर साहब, एक और घोशणा सरकार द्वारा की गयी है कि जिन्होने छोटी तकावी का लोन ले रखा था अब उसको सरकार ने माफ कर दिया है। इससे एक लाख चालीस हजार लोगो को लाभ होगा। इसमे किसान भी भाामिल है इसमे दस्तकार भी भाामिल है और इसमे आम गरीब मजदूर भी भाामिल है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठिए। आपकी इनकी बाते सुननी चाहिए क्योकि यह बहुत अच्छी अच्छी बाते है, बहुत ज्ञानवर्धक बाते है। यह टौनिक है जो आपको लेना चाहिए। (ाोर एवम व्यवधान) कैप्टन साहब, आप अपनी सीट पर बैठे। (ाोर एवम व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः Speaker Sir, First they commit mistake and then ract. This is no fair. (ाोर एवम व्यवधान) स्पीकर साहब, यह खुद अपनी मिस्टेक को कमिट करते है। ये खुद पटडी से उतरे है। और ये लोग जब पटडी से उतरते है तो हमे उसका जवाब देना पडता है। स्पीकर साहब, पटडी से उतरने वाले लोगो का जवाब हमे देना ही पडता है और अब भी मै यही

जवाब दे रहा हू कि तकावी माफी से एक लाख चालीस हजार लोगो को लाभा होगा। स्पीकर साहब, सर आज आम गरीब किसान के पास दस एकड जमीन नही है इसलिए सरकर ने अब यह घोशणा की है कि यदि इस तरक का कोई किसान ट्रैक्टर लेना चाहता है तो उसे अब केवल तीन एकड जमीन की रजिस्टरी देनी पडेगी जबकि इससे पहले दस एकड जमीन की रिजस्टरी देने की भार्ते थी। सरकार की इस घोशणा से अब किसान को कोई दिक्कत नही आएगी। स्पीकर साहब, इसी तरह से 1989 मे चौधरी देवी लाल जी के वक्त मे एक कानून बनाया गया था। वह कानून यह था कि यदि किसान अपना कर्ज लेता है और यदि वह डबल से ज्यादा हो जाएगा तो उसे डबाल से ऊपर का कर्जा नही देना पडेगा। लेकिन उस कानून को चोधरी भजन लाल जी ने वापस ले लिया था। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह इनके बोलने का क्या तरीका है। यह बार बार एक ही बात को क्यो बता रहे है। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह वाक आउट करके जाएगे। (ाोर एवम व्यवधान) ये जरूर जाएंगे। मै बिल पर बात करूंगां आप सुनते जाइये। स्पीकर साहब, यह सुबह टाईम मांग रहे थे और कहे रहे थे कि तीन दिन का सै ांन कर दे लेकिन अब यह सुनने के लिए तैयार नही है। इनको हमारी बात सुननी पडेगी।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महादेय, यह क्या बात कर रहे है। अगर ये इसी तरह से बोलते रहे तो हमे वाक आउट करना पडेगा। (ाोर एवम व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, क्या ये बेरोजगारी भते का विरोध करते है? इनको बातना चाहिए कि इसके हक मे है या नही? इनको हां मे या ना ंमे जवाब देना चाहिए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठिए। गुप्ता जी, आप भी बैठिए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप इनको बैठांए क्योंकि ये एक ही बात को बार बार बता रहे है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इसी तरह सरकार ने 100 रूपये मिनीमम बेसिज किए है हिन्दुस्तान मे अकेली हरियाणा स्टेट ऐसी है जहां पर 100 रूपये वेजिज पर मंथ है। (विघ्न)

वाक आउट

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात तो सुनना नही चाहते और इनको आप लगातार इस तरह से बोलने की इजाजत दे रहे है अगर ये इसी तरह से बोलते रहना चाहते है तो हम इस बिल की अमैडमैट के विरोध मे वाक आउट करते है।

(इस समय कांग्रेस पार्टी के सदन मे उपस्थित सभी सदस्य हरियाणा विकास पार्टी के श्री राम कि ान फौजी और

निर्दलीय सदस्य श्री देवराज दीवान, श्री राजेन्द्र सिंह बिसला, श्री भीमसेन मेहता, श्री जय प्रका ा गुप्ता, श्री दरियाव सिंह राजौरा, श्री तेजवीर सिंह और श्री उदयभान सदन से वाक आउट कर गए।)

दि हरियाणा पचायंती राज (सैकण्ड अमैडमैट) बिल, 2004 (पुनराम्भ)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अब मै बिल के बारे मे बताना चाहता हू कि स्पीकर साहब, इनकी तरफ से ऐलीगे ान्ज लगे है उनका जवाब तो हमे देना ही पडेगा। सर, अब मै बिल पर बोलना चाहता हू। मैने सुबह बोलते वक्त भी कहा था कि यह वि ोशकर हरियाणा प्रदे ा का दुर्भाग्य है कि यहां विपक्ष नाम की कोई चीज नही है। इनका विधान सभा की कार्यवाही मे कोई इंट्रैस्ट नही है ये हर सै ांन मे हमे ाा ऐसा ही करते है। ये सुबह कह रहे थे कि सै ान एक दिन के बजाए तीन दिन का होना चाहिए, तीन दिन के बजाए दस दिन का होना चाहिए लेकिन एक दिन बैठने की भी इनमे हिम्मत नही है। ये घडी मे केवल साढे छ का टाईम देख रहे थे क्योंकि इसके बाद तो आपको हाउस का टाईम बढाना है। मै आपसे रिक्वैस्ट करूंगा कि आप हाउस का टाईम दस मिनट के लिए बढा दे।

श्री अध्यक्षः आज तो हाउस नांन स्टाप है इसलिए टाईम बढाने की जरूरत नही है।

प्रो0 सम्पत सिंहः ठीक है सर, अगर नान स्टाप है तो ठीक है। स्पीकर साहब, ये लोग घडी मे केवल साढे छः का टाईम देख रहे थे क्योंकि इसके बाद इनको जाना ही था। साढे छः के बाद आगे इनको बर्दा त नही होता इसलिए अब ये हाउस छोडकर चले गए है। स्पीकर साहब, इन्होने जो पोलिटिकल ऐलीगे ान्ज लगाये थे उनकी मैने क्लेरीफिके ान देनी थी। उस टाईम इन्होने कुछ ऐलीगे ान्ज लगाए, पहल ऐलीगे ान्ज यह लगाया कि पांच साल की ऐक्सपायरी टर्म से पहले आप चुनाव करवा रहे है जबकि करा नही सकते है। कानून की किताब इन्होन पढी। स्पीकर साहब, हमने कानून के अगेस्ट आज तक कोई काम नही किया और न ही करेगे। कानून के अगेस्ट ये लोग जाते है। टर्म जहां तक है, पंचायत की, म्यूनिसिपल कमेटीज की विधान सभा की, लोकसभा की यहं पाच साल की टर्म है और उस टर्म को हम कोई कम नही करने जा रहे है, बाकयादा पंचायते और कमेटियो पांच साल पूरे करेगी। यह टर्म उनको कांस्टीच्यू ान ने दी है और हम कांस्टीच्यू ान के साथ कोई खिलवाड नही करते है। हम कास्टीच्यू ान की कद्र करने वाले लोग है। जहां तक ये चार महीने की बात कहते है, आलरेडी स्पीकर साहब, पहले का प्रोविजन है। इन साथियो को मालूम था कि दो महीने का 60 दिन का अलरेडी प्रोविजन है 60 दिन पहले पंचायत चुनाव कराए जा सकते है यह प्रावधान ऐक्ट के अंदर है कब करवाने है वह डेट फिक ा करने के लिए इंडिपैडैट बौडी इलैक ान कमी ान है वह कास्टीच्यू ान बाडी है हरियाणा स्टेट का इलैक ान कमी ान बना

हुआ है। यह बात उनकी पावर मे है। यह हमारे अधिकार क्षेत्र की बात नही है, हरियाणा सरकार कोई डेट नि चत नही करती। यह इलैक ान कमी ान की मर्जी है वे गवर्नमैंट को कंसल्ट तो करते है क्योंकि कई बार लां एड आर्डर की बात है कोई और सिचुए ान की बात है। फाइनल अथौरिटी इलैक ान कमी ान होता है वे डेट निर्धारि करते है अगर आपको 60 दिन की बजाय 61 दिन बाद चुनाव करवाने है तब भी यह अमैडमैट जरूरी है। कोई जरूरी नही है। कि चार महीनो पहले का टाइम रख दिया है तो चार महीने पहले ऐग्जैक्ट चुनाव करवा रहे है। स्टेट का चुनाव आयोग यह नि चत करेगा कि कब चुनाव करवाए जांए। इसकी जरूरत क्यों पडी है। स्पीकर साहब, यह आप जानते है क्योंकि अप्रैल के अंदर पचांयत की टर्म समाप्त होती है और मार्च मे टर्म असैम्बली की समाप्त होती है। इसका मतलब चुनाव तो पहले करवाने है इसलिए असैम्बली का चुनाव टर्म से पहले आएगा और पंचायत का चुनाव भी टर्म से पहले करवाना है। कई बार सैन्ट्रल इलैक ान कमि ान चुनाव की डेट नि चत है और स्टेट इलैक ान कमी ान पंचायत के चुनाव की तारीख तय करता है और ऐसे मे कई बार आपस मे टकराव हो जाता है। उन्ही दिनो पचायत के और उन्ही दिनो असैम्बली के चुनाव आ जाते है एक बात ऐसे हालात हो गए थे एक साथ पंचायत और असैम्बली के चुनाव नही करवा सकते है क्योंकि पंच के चुनाव के लिए अलग वोट पडता है, संरपच का अलग वोट पडता है एक आदमी चार वोट अलग से डालता है औ वे बैलट पेपर इकट्ठे जा सकते है

लेकिन पांचवा असैम्बली वाला इकट्ठा नही पड सकता है क्योंकि वह सैन्ट्रल इलैक ान कमी ान चुनाव कराता है वह अलग से है उसका ऐक्ट अलग है जिस तरह से यह चारों है उसी तरह से यह पांचवा होता तो कोई बात नही थी। वह वोट अलग पडना है। वह चारो इकट्ठे पडने है इसलिए स्पीकर साहब, साथ मे कराने से आपस मे कोई टकराव न हो जाए, ताकि स्टेट इलैक ान कमी ान को पूरी अपोरचुनिटी हो, पूरा टाइम हो और यह देखे कि कब चुनाव करवाने है इससे वह अपने हिसाब से तारीख निि चत कर लेगे कि कब चुनाव करवाने है ताकि कोई टकराव की स्थिति न आए इसलिए यह 120 दिन रखे है। कोई जरूरी नही है कि 120 डेज का मतलब 120 डेज है। जैसा मैने बताया 61 दिन बाद चुनाव कराने की जरूरत हो तो भी इलैक ान कमी ान नही करा सकता है। क्योंकि पहले प्रोविजन नही है इसलिए यह प्रौविजन किया जा रहा है ताकि यह सुविधा रहेगी कि जितने दिन बाद भी कराना चाहे उनकी मर्जी हैं विपक्ष के साथी एक सांस मे कह गए कि गवर्नमैट चुनाव कराती है उस बारे मे मैन जैसा कह दिया कि गवर्नमैंट चुनाव नही कराती। जहां तक स्प्रिट आफ कास्टीच्यू ान की बात कही कि यह कांस्टीच्यू ान की स्प्रिट के खिला है तो मै बताना चाहूंगा कि पाच साल की मियाद कांस्टीच्यू ान ने दी हुई है और उस टेन्योर को हम कम नही कर सकते है। हम इनकी अवधि समाप्त नही कर रहे है। जो इलैक ांन पंचायत के होगे वे ओथ अपना इनका समय आएगा, तभी लेगे, उनकी पहले वालो की जब टर्म खत्म हो जाएगी, तभी लेगे। जंहा तक यह बात है कि

साइमलटेनियसली दो पचायते कैसे रहेगी, दो नही है चुनाव होगे, पचायत एक ही है। कांस्टीच्यू ान के हिसाब से कानून के हिसाब से पंचायत एक ही है जिसने ओथ ले रखी है। जहां तक ओथ लेने का सवाल है, जैसे आपने कहा कि अमेकिरा के राश्ट्रपति का चुनाव तो नवम्बर मे होता है लेकिन औथ जनवरी मे दो महीने बाद लेते है। इस तरह जैसे माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सभा का चुनाव पहले हो जाता है जैस अब हुआ था लेकिन जो चुने हुए सदस्य है वे ओथ तब लेते है जब पहले चुने हुए सदस्यो की टर्म समाप्त हो जाती है यह नई बात नही है ये चुने हुए सदस्य तक तक रहेगे जब तक इनकी पूरी टर्म नही हो जाती है। यह कांस्टीच्यू ान की स्पिरिट के बिल्कुल अगेस्ट नही है। दूसरा विपक्ष के साथियो ने कहा कि पंचायत को डिजोल्व कर रहे हैं हम पंचायतो को कोई डिजोल्व नही कर रहे है और न किसी चुनी हुई पंचायत को भंग कर रहे है। एक और ऐलीगे ान इन्होने लगाया था, हां चौधरी भजन लाल जी ने कहा था कि क्या अमैडमैंट आ रही है वे अपने वक्त को भूल गये जब पंचायते भंग कर दी थी और चुनाव करा दिए थे क्योकि उनहे डेमोक्रेसी मे बिलव नही था। इसक मतबल यह है कि वे दूसरो पर भी भाक करते हैं। लेकिन मौजूदा सरकार बाकायदा कानून और सविधान मे वि वास रखती है। इसलिए जो अमैडमैंट हम लेकर आये है वह अनकांस्टीच्यू ानल नही है। बल्कि साइमलेटोनियसली असैंबली और पंचायतो के चुनाव एक साथ न आ जाये इसलिए पंचायते के चुनाव की डेट चारी महीने पहले कराने का प्रावधान इस अमैण्डमैट

मे कर रहे है हम चुनाव करा नही रहे है क्योंकि चुनाव कराने का काम तो चुनाव आयोग का होता है। इसलिए मै कहना चाहूंगा कि सरकार यह अमैडमैट लाकर कोई बेकायदगी नही कर रही है बल्कि सविंधान के अनुसार ही कर रही है।

Mr. Speaker: Question is

That the Haryana Panchayati Raj (Second Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, a Minister will move that the Bill Passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

2. दि पजांब भांाप्स एंड कामर्ियल एस्टैब्लि ामैंट (हरियाणा अमैडमैट) बिल, 2004

Mr. Speaker: Now, the Finacne Minsiter will intoduce the Punjab Shops and Commercial Establishments (Hayana Amendement) Bill, 2004 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to intoduce intoduce the Punjab Shops and Commercial Establishments (Hayana Amendement) Bill, 2004

Sir, I beg to move-

That the Punjab Shops and Commercial Establishments (Hayana Amendement) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the Punjab Shops and Commercial Establishments (Hayana Amendement) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is

That the Punjab Shops and Commercial Establishments (Hayana Amendement) Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2 to 6

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 to 6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

7. दि हरियाणा अर्बन डिवैल्पमैंट अथोरिटी (सैकण्ड अमैडमैट) बिल, 2004

Mr. Speaker: Now, the Town and Country Planning minister will introduce the Haryana Urban Development Authority (Second Amendement) Bill, 2004 and will also move the motion for its consideration.

ग्राम एमव अयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): अध्यक्ष महोदय, मै हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण (द्वितीय सं ाोधन) विधेयक, 2004 प्रस्तुत करता हू।

मै यह भी प्रस्ताव करता हू कि–

हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण (द्वितीय सं ाोधन) विधेयक पर तुरत विचार किया जाएं। .

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the Haryana Urban Development Authority (Second Amendement) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is

That the Haryana Urban Development Authority (Second Amendement) Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2 to 7

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 to 7stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Town and Contry Planning Minister will move that the Bill be passed.

ग्राम एमव अयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): अध्यक्ष महोदय, मै प्रस्ताव करता हू कि–

विधेयक पारित किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

8. दि हरियाणा रिलीफ आफ एग्रीकल्चर इन्डैबटैडपनेस (अमैडमैट) बिल, 2004

Mr. Speaker: Now, the Revenue Minister will intoduce the Haryana Relief of Agriucltural Indebtedness (Amendement) Bill, 2004 and will also move the motion for its consideration.

ग्राम एमव अयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): अध्यक्ष महोदय, मै हरियाणा कृशि ऋण्िता अवमुक्ति (सं ाोधन) विधेयक, 2004 प्रस्तुत करता हू।

मै यह भी प्रस्ताव करता हू कि–

हरियाणा कृशि ऋण्िता अवमुक्ति (सं ाोधन) विधेयक पर तुरत विचार किया जाएं। .

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the Haryana Relief of Agriucltural Indebtedness (Amendement) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is

That the Haryana Relief of Agriucltural Indebtedness (Amendement) Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker: Question is

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, a Minister will move that the Bill be passed.

ग्राम एमव अयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): स्पीकर साहब, मै हाउस से विधेयक को पारित कराने की सिफारि ा से पहले कुछ बात कहना चाहता हू। माननीय स्पीकर साहब, आदरणीय स्वीर्गीय चौधरी देवी लाल जी ने 1989 मे इसी हाउस मे इस विधायक के द्वारा हरियाणा प्रदे ा के लाखो किसानो, मजदूरो को सहकारिता बैको द्वारा लाभ दिया और उन्होने एक सीमा निर्धारित की कि गरीब है, किसान है, मजदूर है, छोटा है या बडा है जो सहकारी बैको से ऋंण लेता है असल और ब्याज मिलाकर डबाल से ज्यादा अदायगी नही होगी, इस तरह उन्होने यह सीमा निर्धारित की। इस तरह का कानून इसी सदन से स्वर्गीय चोधरी देवी लाल जी ने पारित किया था। बाद मे कांग्रेस की सरकार आने पर कांमि र्यल बैकों के दबाव मे आकर इस बिल मे उन्होने सं ाोधन कर दिया। कांग्रेस की सरकार के समय मे चौधरी वीरेन्द्र सिंह सहकारिता मंत्री थे। जो सर छोटू राम के नाती है वे इस बिल को स ाोधन करने के लिए इस हाउस मे लेकर आये थे जिससे किसानो को घाटा हो। आज यह बिल सदन मे ला कर माननीय मुख्यमंत्री जी चौधरी औमप्रका ा चौटाला जी ने किसानो को बहुत बडा लाभ दिया है और स्वर्गीय चौधरी देवी लाल जी के जन्मदिवस पर इसकी घोशणा की थी। स्पीकर साहब, आंकडे यह द र्ाते है कि करीबन 25 करोड रूपया को आप्रेटिव बैक का है, 40 करोड रूपया भूमि विकास बैक का है। यह स ाोंधन हौने के बाद करीबन 65 करोड रूपये का लाभ हरियाणा की गरीब जनता को, किसानो को, मजदूरो को, एक मु त मिलेगा। इसके अलावा

कामर्ियल बैक्स का अलग से है और जो आने वाले समय मे लाभ मिलेगा उसके आकडे अलग है। स्पीकर साहब, यह सं ाोधन किसान को, गरीब मजदूरो को एक नया जीवन देगा। कांग्रेस के दोस्तो को तो हर बात पर पेट मे दर्द होने लगता है चाहे बेरोजगारी भते की बात हो, चाहे पै ांन की बात हो, चाहे एस0वाई0एल0 की बात थी। उन्होने यह द ार्शिया है कि उन्हे केवल कुर्सी चाहिए। जो बहुत पहले उनसे चली गई थी। स्पीकर साहब, ये जैसा करेगे आने वाले चुनाव मे एक एक बात का हिसाब उनको मिल जायेगा। कांग्रेस का असली चहेरा क्या है यह आने वाले विधान सभा चुनाव मे पता लगा जायेगा। स्पीकर साहब, मै प्रस्ताव करता हू।

कि विधेयक पारित किया जावे।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the House adjourned sine die.

18.49 hrs.

(The Sabha then adjorned sine die)